

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 2002054055 / 7088815000

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"



100% TO THE
POINT

सामान्य ज्ञान

NCERT व CSAT पैटर्न

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में
पिछले 10 वर्षों में पूछे गये
प्रश्नों पर आधारित



2019

सामान्य ज्ञान के सभी
विषयों के तथ्यों का
सरल व रोचक तरीके से
Oneliner व **Tables**
द्वारा प्रस्तुतीकरण

पूर्णतः संशोधित संस्करण

GENERAL KNOWLEDGE

NCERT व CSAT पैटर्न पर आधारित

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : **AMAZON / FLIPKART**
search "**PUJA SAMANYA GYAN**"



100% TO THE POINT

सामान्य ज्ञान

NCERT व CSAT पैटर्न पर आधारित

सामान्य ज्ञान के सभी विषयों के तथ्यों का सरल व रोचक तरीके से **Oneliner** व **Tables** द्वारा प्रस्तुतिकरण
विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पिछले 10 वर्षों में पूछे गये प्रश्नों पर आधारित

IAS, PCS, PCS(J), PCS LOWER, RO/ARO, UDA/LDA, SSC, NDA, CDS, BANK (P.O.), B.Ed., TET, RAILWAY, POLICE, UGC, QUIZ व अन्य सभी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एवं प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपयोगी

GENERAL KNOWLEDGE

2019

संपादक एवं लेखक
ऋतेश कुमार सिंह

लेखन सहयोग
यूसुफ कुरैशी (आई०पी०एस०), वेद प्रकाश (पी०सी०एस०),
बी०के०सिंह (पी०सी०एस०), राजीव कुमार (मनु)

like us for current updates & GK
[facebook.com/PujaBooks](https://www.facebook.com/PujaBooks)



नवजीवन प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स

कंचन मार्केट (फर्स्ट फ्लोर) अस्पताल मार्ग, आगरा-282003
दूरभाष : (0562) ऑफिस : 2527212, 7002054055
e-mail : navjeevanprinters@gmail.com

मूल्य : ₹ 250.00

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : **AMAZON / FLIPKART**
search "**PUJA SAMANYA GYAN**"

IAS

PCS

UGC

NDA

CDS

SSC

B.ED.

BANK

RAILWAY

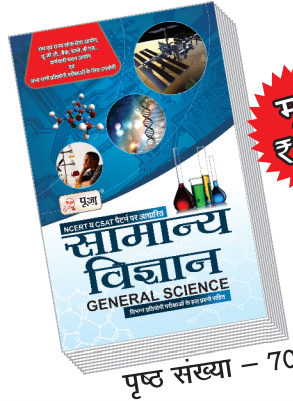
एवं अन्य परीक्षाओं हेतु उपयोगी

NCERT व CSAT पैटर्न पर आधारित



सामान्य विज्ञान

GENERAL SCIENCE



मूल्य
₹ 200

No.

Book

पृष्ठ संख्या - 700

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पिछले 10 वर्षों में पूछे गए प्रश्नों पर आधारित



नवजीवन प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स

कंचन मार्केट (फर्स्ट फ्लोर) अस्पताल मार्ग, आगरा-282003
दूरभाष : (0562) ऑफिस : 2527212, 7002054055

प्रकाशक : राजीव जैन, नवजीवन प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स,

कंचन मार्केट (फर्स्ट फ्लोर), अस्पताल मार्ग, आगरा-3

मुद्रक : पूजा ऑफसेट, आगरा डी.टी.पी. : नरेन्द्र सिंह

© इस पुस्तक में प्रकाशित सामग्री का पूर्ण अधिकार प्रकाशक के पास सुरक्षित है।
इस पुस्तक को या इसके किसी भाग को प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित
करना वर्जित है।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है। फिर भी किसी त्रुटि
के लिए प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा। किसी भी परिवार के लिए न्यायिक क्षेत्र केवल आगरा
ही होगा।

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

प्रस्तावना

प्रस्तुत पुस्तक 'सामान्य ज्ञान' का तृतीय संशोधित एवं परिवर्धित संस्करण पूर्णतया वैज्ञानिक एवं आधुनिक तरीके से तैयार IAS, PCS, PCS(J), LOWER PCS, R.O., UDA/LDA, SSC, NDA, CDS, B.Ed., TET, POLICE एवं RAILWAY भर्ती बोर्डों द्वारा आयोजित समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं में सामान्य ज्ञान से पूछे गए प्रश्नों के आधार पर लिखी गई है। मैंने इस पुस्तक को अथक् एवं शोधपरक प्रयास के जरिए तथ्यात्मक एवं सार रूप में लिखकर एवं पूर्ण रूप से UP-TO-DATE करके सभी दृष्टिकोणों से उपयोगी बनाने का प्रयास किया है। इस पुस्तक में पाठ्यक्रम को क्रमबद्ध तरीके से सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है, जो पूर्ण रूप से स्तरीय है। प्रत्येक अध्याय में अध्ययन सामग्रियों के बीच-बीच में बॉक्स एवं टेबिल के रूप में महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी दी गई हैं, जो सभी परीक्षाओं के लिए उपयोगी हैं।

इस पुस्तक को उपयोगी बनाने में जिन विशेषज्ञों तथा सहकर्मियों का हमें सहयोग मिला उनके प्रति हम कृतज्ञता प्रकट करते हैं। इनमें विशेष रूप से यूसुफ कुरैशी (आई.पी.एस.), अशोक कुमार (पी.पी.एस.), बी.के. सिंह (पी.सी.एस.), वेद प्रकाश (पी.सी.एस.) एवं राजीव कुमार (मनु) का योगदान उल्लेखनीय रहा है। अन्ततः सार्थक प्रयासों के बावजूद इस पुस्तक में कुछ कमियों के बने रहने की सम्भावना हो सकती है। अतः आप सभी पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं। अतः अन्त में पाठकों से एक बात अवश्य ही कहना चाहूँगा—

“इंतजार करने वाले को सिर्फ उतना ही मिलता है,
जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं।”

—सम्पादक एवं लेखक
ऋतेश कुमार सिंह

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "**PUJA SAMANYA GYAN**"

समर्पित

उन प्रतिभाशाली पुरुषों को, जिन्होंने राष्ट्र को दिशा देने के प्रयास में अपने सारे जीवन को, अपनी सम्पूर्ण आकांक्षाओं को विकृत परिवेश की लपटों में झोंक दिया।

मेरे प्रेरणास्रोत एवं युगपुरुष
पूज्य पिताजी

स्व. ब्रजभूषण लाल

को सादर समर्पित

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"



1. राष्ट्रीय प्रतीक

1-9

राष्ट्रपिता, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय चिन्ह, राष्ट्रीय पंचांग, राष्ट्रीय पशु, राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय पुष्प, राष्ट्रीय वृक्ष, राष्ट्रीय फल, राष्ट्रीय खेल, राष्ट्रीय नदी, राष्ट्रीय जलीय जीव, राष्ट्रीय मुद्रा प्रतीक, राष्ट्रीय स्मारक, राजभाषा, राष्ट्रीय विरासत पशु एवं अन्य राष्ट्रीय प्रतीक।

2. भारतीय इतिहास

10-158

प्राचीन भारत

प्रागैतिहासिक काल, सिन्धु सभ्यता/हड़प्पा सभ्यता, वैदिक काल, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, महाजनपदों का उदय, शैव धर्म, वैष्णव धर्म, इस्लाम धर्म, मगध राज्य का उत्कर्ष, मौर्य साम्राज्य, मौर्योत्तर काल (शुंग वंश, कण्व वंश, सातवाहन वंश), भारत के यवन राज्य (इण्डो ग्रीक, शक, पहलव, कुषाण), संगम युग (चेर, चोल तथा पाण्ड्य राज्य), गुप्त साम्राज्य, पुष्यभूति वंश, दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश (पल्लव, चालुक्य, राष्ट्रकूट, चोल, होयसल, काकतीय, यादव), सीमावर्ती राजवंशों का उदय, राजपूत राजवंश की उत्पत्ति, विजयनगर साम्राज्य।

मध्यकालीन भारत

भारत पर अरबों के आक्रमण, दिल्ली सल्तनत (गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैयद वंश, लोदी वंश), मुगल साम्राज्य, शिवाजी एवं मराठा साम्राज्य।

आधुनिक भारत

मुगल साम्राज्य का पतन, भारत में सामाजिक एवं सांस्कृतिक जागरण, भारत में यूरोपीय आगमन, गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय।

स्वतन्त्रता आन्दोलन

भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन, भारतीय स्वतन्त्रता संघर्ष के महत्वपूर्ण तथ्य।

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

3. भारतीय राजव्यवस्था

160-256

भारत का संवैधानिक इतिहास, भारतीय संविधान सभा, भारतीय संविधान के प्रमुख स्रोत, भारतीय संविधान की प्रस्तावना, संविधान की अनुसूचियाँ, भारतीय संविधान के भाग, भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन, भारतीय नागरिकता, मौलिक अधिकार, राज्य के नीति निर्देशक तत्व, मूल कर्तव्य, संघ की कार्यपालिका, भारत की संसद, न्याय व्यवस्था, राज्य की कार्यपालिका, जम्मू कश्मीर के विशेष प्रावधान, केन्द्र-राज्य सम्बन्ध, वित्तीय व्यवस्था, नीति आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद्, निर्वाचन आयोग, सिविल सर्विसेज से जुड़े सम्बन्धित आयोग, राजभाषा, भारतीय राजव्यवस्था में वरीयता अनुक्रम, भारत के राजनीतिक दल, पंचायती राजव्यवस्था, पिछड़ा वर्ग आयोग, संवैधानिक शब्दावली, भारत के संविधान संशोधन, भारतीय संविधान के प्रमुख अनुच्छेद, महत्वपूर्ण विभाग, विविध महत्वपूर्ण तथ्य।

4. सामान्य विज्ञान

257-423

भौतिक विज्ञान

मात्रक, गति, कार्य, शक्ति एवं ऊर्जा, गुरुत्वाकर्षण, दाब, पृष्ठ तनाव, श्यानता, प्रत्यास्थता, उत्क्षेप या उत्प्लावन बल, सरल आवर्त गति, तरंग गति, ऊष्मा, प्रकाश, विद्युत, चुम्बकत्व, परमाणु भौतिकी, विभिन्न यन्त्रों व उपकरणों का आविष्कार, प्रमुख वैज्ञानिक यंत्र, विविध महत्वपूर्ण तथ्य।

रसायन विज्ञान

पदार्थ एवं उसकी प्रकृति, धातुएँ, अधातुएँ, विलयन, बहुलीकरण व प्लास्टिक, उर्वरक, ईंधन, विस्फोटक, विविध महत्वपूर्ण तथ्य।

जीव विज्ञान

शैवाल, कवक, विषाणु, जीवाणु, कोशिका, डी. एन. ए. व आर. एन. ए., प्रकाश संश्लेषण, पादप हॉर्मोन, पादप रोग, आनुवंशिकी, जीव विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ, मानव शरीर के तन्त्र, रक्त परिसंचरण तन्त्र, उत्सर्जन तन्त्र, तन्त्रिका तन्त्र, कंकाल तन्त्र, हॉर्मोन तथा उसके प्रभाव, प्रजनन तन्त्र, श्वसन तन्त्र, पोषण एवं स्वास्थ्य, मानव रोग, जैव प्रौद्योगिकी, आधुनिक चिकित्सा की प्रमुख खोजें, विविध महत्वपूर्ण तथ्य।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

प्रतिरक्षा प्रौद्योगिकी, भारत के प्रमुख प्रक्षेपास्त्र, अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी, संचार प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटर।

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

5. विश्व का भूगोल

424-491

ब्रह्माण्ड, सौर मण्डल, स्थल मण्डल, ज्वालामुखी, भूकम्प, झीलें, विश्व के महाद्वीप, विश्व के द्वीप, पर्वत एवं पठार, जलमण्डल, वायुमण्डल, चक्रवात, विश्व में परिवहन, विश्व की नहरें व नदियाँ, विश्व के प्रमुख उद्योग, विश्व के प्रमुख खनिज संसाधन, शक्ति संसाधन, विश्व की जनजातियाँ।

6. भारत का भूगोल

492-583

भारत का भौतिक भूगोल, हिमालय के चार प्रदेश, भारत की प्रमुख झीलें, भारत की नदियाँ, नदी घाटी परियोजनाएँ, भारत की जलवायु, भारत की मिट्टी, भारत के राष्ट्रीय उद्यान व अभयारण्य, भारत के उद्योग, भारत के खनिज संसाधन, परिवहन, भारतीय कृषि, भारत की प्रजातियाँ व जनजातियाँ, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण, अन्तिम जनगणना-2011

7. भारतीय अर्थव्यवस्था

584-670

आर्थिक एवं सामाजिक विकास, नीति आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद्, पंचवर्षीय योजनाएँ, इण्डिया विजन-2020, बजट, केन्द्र व राज्य के बीच वित्तीय सम्बन्ध, भारत में निर्धनता, मानव विकास रिपोर्ट-2016, भारत की राष्ट्रीय आय, भारतीय बैंक ढाँचा, भारत में विकास एवं रोजगार कार्यक्रम, हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, भारत के कृषि उत्पादक राज्य, वन रिपोर्ट-2017, उद्योग, विशेष आर्थिक क्षेत्र, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी, विश्व व्यापार संगठन, विविध महत्वपूर्ण तथ्य, आर्थिक शब्दावली, महत्वपूर्ण समितियाँ।

8. विविध

671-796

विश्व में प्रथम, विश्व में सबसे लम्बा/बड़ा छोटा तथा ऊँचा, भारत में सबसे बड़ा/लम्बा/ऊँचा, प्रथम भारतीय पुरुष, प्रथम भारतीय महिला, भारत में प्रथम (अन्य), विश्व के भौगोलिक उपनाम, महान् व्यक्तियों के उपनाम, वैश्विक संगठन, विश्व के प्रमुख देशों की संसदों के नाम, प्रमुख देशों के राष्ट्रीय गान, प्रमुख देशों के राजनीतिक दल, राष्ट्राध्यक्ष/शासनाध्यक्षों के आधिकारिक निवास/कार्यस्थल,

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

प्रमुख देशों के सरकारी दस्तावेज, विभिन्न देशों के स्वतन्त्रता दिवस, प्रमुख देशों की गुप्तचर संस्थाएँ, प्रमुख देशों के राष्ट्रीय प्रतीक, प्रमुख देशों के राष्ट्रीय फूल, प्रमुख देशों के राष्ट्रीय पशु, प्रमुख देशों के राष्ट्रीय खेल, कुछ चिन्ह/प्रतीक तथा उनके अर्थ, राष्ट्रीय स्मारक के रूप में संरचनाएँ, विश्व के प्रमुख आतंकवादी/उग्रवादी संगठन, विश्व के आश्चर्य, प्रमुख समाचार एजेंसियाँ, प्रमुख देशों के सर्वोच्च सम्मान, विश्व के देश, महत्वपूर्ण दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित वर्ष, भारत के प्रमुख शोध संस्थान, भारत के प्रशिक्षण संस्थान, प्रमुख राजवंश, संस्थापक तथा राजधानी नगरों के संस्थापक, ऐतिहासिक स्थल, भारत के पर्वतीय नगर एवं समुद्रतल से ऊँचाई, भारत की विश्व विरासत परिसम्पत्तियाँ, प्रमुख शास्त्रीय नृत्य, भारत की प्रमुख लोककला, प्रमुख लोक नृत्य, भारत के सांस्कृतिक संस्थान, भारत के प्रमुख वाद्ययंत्र, भारतीय प्रतिरक्षा, प्रमुख लेखक एवं उनकी पुस्तकें, भारत के प्रमुख धार्मिक स्थल, पुरस्कार/सम्मान तथा विविध पुरस्कार, खेलकूद, क्रिकेट का सम्राट : सचिन तेंदुलकर।



1

राष्ट्रीय प्रतीक

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

राष्ट्रपिता : महात्मा गांधी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म **2 अक्टूबर, 1869 ई. को गुजरात के पोरबन्दर** नामक स्थान पर हुआ था। इंग्लैण्ड में वकालत पास कर भारत आये फिर 1893 ई. में भारतीयों और अफ्रीकी अश्वेत लोगों पर हो रहे अत्याचार और रंगभेद की नीति के विरुद्ध उन्होंने आन्दोलन किया।

गांधीजी ने अंग्रेजों के खिलाफ **'सत्य' और 'अहिंसा'** की नीति अपनाते हुए भारत को स्वतन्त्र कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। **1917 से 1947** तक के राष्ट्रीय आन्दोलन के काल को **'गांधी युग'** के नाम से जाना जाता है। **सर्वप्रथम सुभाषचन्द्र बोस ने महात्मा गांधी को 'राष्ट्रपिता' नाम से सम्बोधित किया।**



रवीन्द्र नाथ टैगोर ने सर्वप्रथम मोहनदास करमचन्द गांधी को **'महात्मा'** कहा था।

पं. जवाहर लाल नेहरू ने सर्वप्रथम महात्मा गांधी को **'बापू'** कहा था।

विंस्टन चर्चिल ने सर्वप्रथम महात्मा गांधी को **'अर्द्धनग्न फकीर'** कहा था।

राष्ट्रीय ध्वज : तिरंगा

भारतीय ध्वज (National Flag) को **'तिरंगा'** के नाम से जाना जाता है। भारतीय संविधान सभा ने **22 जुलाई, 1947** को इसे राष्ट्रीय ध्वज **'तिरंगा'** के रूप में अपनाया। इसे 14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में राष्ट्र को समर्पित किया गया। इस



✎ जनवरी से मार्च तक का समय बरगद का पुष्पकाल है। बरगद जितनी गहरी जड़ें किसी और वृक्ष की नहीं होती हैं।

✎ यह वृक्ष रात में भी ऑक्सीजन छोड़ता है।



राष्ट्रीय फल : आम (Mango)

भारत का राष्ट्रीय फल 'आम' (*मेनिगिफेरा इण्डिका*) है। भारत में आम पहाड़ी क्षेत्रों को छोड़कर लगभग सभी स्थानों पर पैदा होता है। भारत में आम की अनेक किस्में पायी जाती हैं। आम में विटामिन ए, सी और डी प्रचुर मात्रा में पायी जाती है।

✎ भारत में 'आम को फलों का राजा' माना जाता है।

✎ वेदों में आम को विलासिता का प्रतीक माना गया है।

✎ आम को पाकिस्तान और फिलीपीन्स में भी राष्ट्रीय फल माना जाता है।

✎ चार हजार वर्ष पूर्व भारत में ही सबसे पहले आम के पेड़ की बागवानी शुरू की गई थी।

✎ भारत में सबसे पहला उत्पादित कलमी आम मालगोवा है। वर्तमान में भारत में 500 से अधिक किस्म के आम पाये जाते हैं।

✎ ऐलोरा गुफाओं में जैन धर्म की देवी अंबिका का आसन आम के वृक्ष के नीचे ही दर्शाया गया है।

राष्ट्रीय खेल : हॉकी (Hockey)

भारत का राष्ट्रीय खेल 'हॉकी' है। इसमें 11-11 खिलाड़ियों की दो टीमों में भाग लेती हैं। हॉकी में प्रयुक्त सफेद गेंद का वजन 155 ग्राम होता है तथा हॉकी स्टिक (छड़ी) 91 सेण्टीमीटर लम्बी होती है। हॉकी के जादूगर के नाम से मशहूर मेजर ध्यानचन्द के जन्म दिवस 29 अगस्त को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

✎ भारत ने ओलम्पिक हॉकी में 8 बार स्वर्ण पदक जीते हैं। 1928 के एमस्टर्डम ओलम्पिक में भारत ने नीदरलैण्ड को 3-0 से हराकर पहला स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद 1956 तक लगातार 6 स्वर्ण पदक जीते। तदुपरांत 1964 और 1980 में दो स्वर्ण पदक जीते थे।

✎ हॉकी इण्डिया ने 23 जुलाई, 2009 को नया 'लोगो' अनावरित किया है जो राष्ट्रीय ध्वज के अशोक चक्र से प्रेरित है जो इसमें 24 हॉकी स्टिकों एक पहिये के रूप में सजी हुई हैं।

✎ मेजर ध्यानचन्द 3 बार ओलम्पिक के स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे।



राष्ट्रीय नदी : गंगा (Ganga)

भारत सरकार द्वारा नवम्बर, 2008 में गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित किया है। यह नदी गंगोत्री हिमनद के गोमुख नामक स्थान से निकलती है और लगभग 2500 किमी लम्बी है। इसकी सहायक नदियाँ—यमुना, सोन, टोंस, पुनपुन, गोमती, घाघरा, गण्डक, कोसी और महानन्दा हैं।

2

भारतीय इतिहास

प्राचीन भारत

प्रागैतिहासिक काल

- ❏ (प्राक् + इतिहास) अर्थात् इस काल का इतिहास पूर्णतः पुरातात्विक साधनों पर निर्भर है। इस काल का कोई लिखित साधन उपलब्ध नहीं है, क्योंकि मानव का जीवन अपेक्षाकृत असभ्य एवं बर्बर था।
- ❏ भारत में पुरापाषाण काल से सम्बन्धित पुरातात्विक खोज को करने का श्रेय **राबर्ट ब्रूस फूट** को दिया जाता है। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के **राबर्ट ब्रूस फूट** ने वर्तमान तमिलनाडु राज्य के चिंगलपुट जिले के पल्लावरम् (चेन्नई के समीप) नामक पुरास्थल से 30 मई, 1863 ई. को लैटेराइट मिट्टी के जमाव से हस्त कुत्तर खोज निकाला था।
- ❏ राबर्ट ब्रूस फूट को भारत में **प्रागैतिहासिक पुरातत्व का जनक** कहा जाता है।
- ❏ भारतीय पुरातत्व विभाग के जन्मादाता अलेकजेंडर कनिंघम को माना जाता है। भारतीय पुरातत्व विभाग की स्थापना का श्रेय वायसराय **लार्ड कर्जन** को प्राप्त है।
- ❏ मानव सभ्यता के इस प्रारम्भिक काल को सुविधानुसार तीन भागों में बाँटा गया है—
(A) पुरापाषाण काल (Paleolithic Age),
(B) मध्य पाषाण काल (Mesolithic Age),
(C) नव पाषाण काल (Neolithic Age)।

(A) पुरापाषाण काल

- ❏ उपकरणों पर आधारित पुरापाषाण कालीन संस्कृति के अवशेष सोहन नदी घाटी, बेलन नदी घाटी तथा नर्मदा नदी घाटी एवं भोपाल के पास भीमबेटका नामक स्थान से चित्रित शैलाश्रयों तथा अनेक चित्रित गुफाओं से प्राप्त हुआ है।
- ❏ इस काल में **हेण्ड-एक्स**, **क्लीवर** और **स्क्रैपर** आदि विशिष्ट यन्त्र प्राप्त हुए हैं।

(B) मध्य पाषाण काल

- ❏ इस काल में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बहुत छोटे होते थे इसलिए इन्हें **'माइक्रोलिथ'** कहते हैं।
- ❏ इस काल में मध्य प्रदेश में आदमगढ़ और राजस्थान में बागोर से पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।



- ❧ **परिषद्**—प्रजा की सैनिक सभा जो बाद में चलकर राजा की सभा के रूप में कार्य करने लगी।
- ❧ **स्पश**—जनता की गतिविधियों का देखने वाले गुप्तचर होते थे।
- ❧ ऋग्वैदिक काल में **निष्क** गले का आभूषण होता था। यह मुद्रा के रूप में प्रचलित था।
- ❧ आर. पी. चौध ने सर्वप्रथम **आर्यों के आक्रमणों का सिद्धान्त** प्रतिपादित किया था।

प्रमुख दर्शन

दर्शन	प्रवर्तक	दर्शन	प्रवर्तक
न्याय	गौतम (न्यायसूत्र)	पूर्व मीमांसा	जैमिनी
योग	पतंजलि	उत्तर मीमांसा	बादरायण
सांख्य	कपिल	वैशेषिक	कणाद या उल्लूक
चार्वाक (भौतिकवादी)	चार्वाक		

बौद्ध धर्म

महात्मा बुद्ध का जीवन परिचय

- ❧ **जन्म** — 563 ई. पू.
- ❧ **जन्म स्थान** — कपिलवस्तु से 14 मील दूर लुम्बिनी वन में
- ❧ **पिता का नाम** — शुद्धोधन (कपिलवस्तु के शासक)
- ❧ **माता का नाम** — महामाया (कोलिय की राजकुमारी)
- ❧ **बुद्ध के बचपन का नाम** — सिद्धार्थ
- ❧ **बुद्ध के घोड़े का नाम** — कथक
- ❧ **बुद्ध के पत्नी का नाम** — यशोधरा
- ❧ **बुद्ध के सारथि का नाम** — चन्ना
- ❧ **बुद्ध के पुत्र का नाम** — राहुल
- ❧ **बुद्ध का चचेरा भाई** — देवदत्त
- ❧ **बुद्ध की मृत्यु** — 483 ई. पू., कुशीनगर (उ. प्र.) में
- ❧ **ज्ञान प्राप्ति (कैवल्य)** — बोधगया (पीपल वृक्ष के नीचे)

- ❧ महात्मा बुद्ध द्वारा 29 वर्ष की अवस्था में गृह त्याग को **महाभिनिष्क्रमण** कहा गया।
- ❧ गृह त्याग करने के बाद सिद्धार्थ ने वैशाली के **आलारकलाम** से सांख्य दर्शन की शिक्षा ग्रहण की। आलारकलाम सिद्धार्थ के प्रथम गुरु हुए।
- ❧ महात्मा बुद्ध को **उरुबेला (बोधगया)** में पीपल के वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई।
- ❧ महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश **सारनाथ (ऋषिपत्तनम्)** में दिया था। बौद्ध परम्परा में इसे **धर्मचक्रप्रवर्तन** के नाम से जाना जाता है। सारनाथ में ही बौद्ध संघ की स्थापना हुई।
- ❧ महात्मा बुद्ध ने जनसाधारण को अपने उपदेश **पालि भाषा** में दिये।
- ❧ **विम्बिसार, उदयन एवं प्रसेनजित** बुद्ध के प्रमुख अनुयायी थे।
- ❧ भारत में मूर्ति पूजा की नींव **बौद्ध धर्म** ने रखी थी।

बौद्ध संगीतियाँ

संगीति	आयोजित वर्ष	आयोजित स्थल	अध्यक्ष	राज्यकाल	उद्देश्य
प्रथम	483 ई. पू.	राजगृह	महाकस्सप	अजातशत्रु	बुद्ध के उपदेशों को दो पिटकों में विनय पिटक व सुत्त पिटक में संकलित किया गया।



- ❧ बुद्ध की खड़ी प्रतिमा **कुषाण काल** में बनाई गई।
- ❧ हीनयान अवस्था का विशालतम एवं सर्वाधिक विकसित शैलकृत चैत्यगृह कार्ले में स्थित है।
- ❧ वज्रयान बौद्ध धर्म की शाखा सुल्तानी युग में सर्वाधिक प्रभावशाली थी।
- ❧ नागार्जुन बौद्ध भिक्षु जिसने प्रथम सदी ई. में चीन जाकर बौद्ध कृतियों का चीनी भाषा में अनुवाद किया था। इन्हें **भारत का आइस्टीन भी कहा जाता है।**
- ❧ महायान सम्प्रदाय का उदय आन्ध्र प्रदेश में माना जाता है। महायान एक **उत्कृष्ट मार्ग** है।
- ❧ हीनयान निम्न मार्गी व रुढ़िवादी थे। हीनयान सम्प्रदाय के लोग **श्रीलंका, बर्मा (म्यांमार)** तथा **जावा (इण्डोनेशिया)** आदि देशों में पाये गये हैं।
- ❧ शून्यवाद (माध्यमिक) व विज्ञानवाद (योगाचार) महायान सम्प्रदाय के अंग हैं।

❧ **बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित घटनाएँ व प्रतीक**

घटनाएँ	प्रतीक
जन्म	कमल व साँड़
गृहत्याग	घोड़ा
ज्ञान	पीपल (बोधिवृक्ष)
निर्वाण	पद चिह्न
मृत्यु	स्तूप

जैन धर्म

- ❧ ऋषभदेव जैन धर्म के **संस्थापक** एवं **प्रथम तीर्थंकर** थे।
- ❧ जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर **पार्श्वनाथ** थे। यह पार्श्वनाथ **काशी (वाराणसी)** के इक्ष्वाकु वंशीय राजा **अश्वसेन** के पुत्र थे।
- ❧ जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर **महावीर स्वामी** थे।

महावीर स्वामी का जीवन परिचय

- ❧ **प्रारम्भिक नाम** — वर्द्धमान
- ❧ **जन्म** — 599 ई. पू.
- ❧ **जन्म स्थान** — कुण्डग्राम (वेशाली)
- ❧ **पिता का नाम** — सिद्धार्थ (जात्रक कुल के मुखिया)
- ❧ **माता का नाम** — त्रिशला (लिच्छवि राज्य के राजा चेतक की बहन)
- ❧ **पत्नी का नाम** — यशोदा (कुण्डिन्य और गोत्र की कन्या)
- ❧ **पुत्री का नाम** — अणोज्जा या प्रियदर्शना
- ❧ **दामाद का नाम** — जमालि (महावीर का प्रथम शिष्य)
- ❧ **ज्ञान की प्राप्ति (कैवल्य)** — जुम्भिकग्राम (ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे)
- ❧ **प्रथम उपदेश** — राजगृह (विपुलाचन पहाड़ी पर वाराकर नदी तट पर)
- ❧ **प्रथम भिक्षुणी** — चन्दना (चम्पा नरेश दधिविहान की पुत्री)

- ❧ महावीर ने 30 वर्ष की उम्र में माता-पिता की मृत्यु के पश्चात् अपने बड़े भाई **नन्दिवर्धन** से अनुमति लेकर संन्यास जीवन को स्वीकार किया।
- ❧ **अनेकान्तवाद का सिद्धान्त (स्यादवाद)** एवं **दर्शन** तथा **अणुव्रत** सिद्धान्त जैन धर्म का है। जैन धर्म का आधारभूत सिद्धान्त 'अहिंसा' है।



जैन तीर्थंकर तथा उनके प्रतीक (Jain Teerthankers and their emblems)

क्र.	तीर्थंकर	प्रतीक चिह्न
1.	आदिनाथ या ऋषभनाथ	वृषभ या साँड़ अथवा बैल
2.	अजितनाथ	हाथी (गज)
3.	सम्भवनाथ	घोड़ा (अश्व)
4.	अभिनन्दननाथ	कपि (बन्दर)
5.	सुमतिनाथ	क्रौंच (चकवा) पक्षी
6.	पद्मप्रभु	पद्म
7.	सुपाशर्वनाथ	स्वास्तिक
8.	चन्द्रप्रभु	चन्द्रमा
9.	सुविधिनाथ	मकर
10.	शीतलनाथ	श्रीवत्स
11.	श्रेयांसनाथ	गैंडा
12.	वासु पूज्यनाथ	महिष (भैंसा)
13.	विमलनाथ	वाराह (सुअर)
14.	अनन्तनाथ	श्येन (बाज पक्षी)
15.	धर्मनाथ	वज्र
16.	शान्तिनाथ	मृग (हरिण)
17.	कुन्थुनाथ	अज (बकरा)
18.	अरनाथ	मीन (मछली)
19.	मल्लिनाथ	कलश
20.	मुनिसुव्रत	कूर्म
21.	नेमिनाथ	नीलोत्पल
22.	अरिष्टिनेमि	शंख
23.	पार्श्वनाथ	सर्पफण (पार्श्वनाथ को 'सर्पेश्वर' भी कहा जाता है)
24.	महावीर	शेर (सिंह)

जैन संगीतियाँ

संगीति	आयोजन वर्ष	आयोजन स्थल	अध्यक्ष
प्रथम	300 ई. पू.	पाटलिपुत्र	स्थूलभद्र
द्वितीय	513 ई. पू.	बल्लभी	देवर्षिक्षमाश्रमण

महाजनपदों का उद्दय

- जैन ग्रन्थ 'भगवती सूत्र' तथा बौद्ध ग्रन्थ 'अंगुत्तर निकाय' में 16 महाजनपदों की सूची मिलती है।
- सोलह महाजनपदों में अस्मक ही एक ऐसा जनपद था जो दक्षिण भारत में गोदावरी नदी के तट पर स्थित था।



सिकन्दर

- ❏ **जन्म** — 356 ई. पू.
- ❏ **पिता का नाम** — फिलिप (मकदूनिया का शासक)
- ❏ **गुरु** — अरस्तू
- ❏ **सेनापति** — सेल्यूकस
- ❏ भारत विजय अभियान के तहत सिकन्दर ने 326 ई. पू. में बलख (बैक्ट्रिया) को जीतने के बाद काबुल होते हुए **हिन्दूकुश** पर्वत को पार किया।
- ❏ तक्षशिला के **शासक आम्भी** ने आत्म-समर्पण के साथ उसका स्वागत करते हुए उसे आगे के अभियान में सहयोग का वचन दिया।
- ❏ 326 ई. पू. में सिकन्दर को **झेलम नदी** के तट पर **पौरव राज पोरस** के साथ '**वितस्ता का युद्ध**' करना पड़ा। इस युद्ध में पोरस की पराजय हुई। इस युद्ध को '**हाइड्रेसीज का युद्ध**' नाम से भी जाना जाता है।
- ❏ आगे के अभियान के लिए सिकन्दर के सैनिकों ने व्यास नदी पार करने से इनकार कर दिया।
- ❏ सिकन्दर ने **निकैया** (विजयनगर) तथा **बुकाफेला** (घोड़े के नाम पर) नामक दो नगरों की स्थापना की।
- ❏ सिकन्दर विजित भारतीय प्रदेशों को अपने सेनापति **फिलिप** को सौंपकर वापस लौट गया। लगभग 323 ई. में **बेबीलोन** में उसका निर्धन हो गया।
- ❏ भारत में यूनानी प्रभाव वन्श 'क्षत्रप प्रणाली' और 'उलूक शैली' के सिक्कों का प्रचलन शुरू हुआ।

मौर्य साम्राज्य

चन्द्रगुप्त मौर्य

- ❏ **स्टैबो, एरियन, जस्टिन** और **प्लूटार्क** ने मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य को '**सैण्ड्रोकोट्टस**' के नाम से पुकारा है।
- ❏ सर्वप्रथम **सर विलियम जोस** ने सन् 1793 ई. में **सैण्ड्रोकोट्टस** की पहचान **चन्द्रगुप्त मौर्य** से की है।
- ❏ विशाखदत्त कृत '**मुद्राराक्षस**' में चन्द्रगुप्त को '**वृषल**' या '**कुलहीन**' कहा गया है।
- ❏ तक्षशिला विश्वविद्यालय के आचार्य '**चाणक्य**' थे। यह **सिन्धु** एवं **झेलम** नदियों के बीच स्थित था। चन्द्रगुप्त मौर्य के आचार्य चाणक्य (कौटिल्य/विष्णुगुप्त) ने **सप्तांग सिद्धान्त (Sapatang Theory)** का प्रतिपादन किया। उनके अनुसार राज्य के अंग हैं— राजा, आमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, सेना एवं मित्र।
- ❏ मैक्यावेली के 'प्रिंस' की तुलना कौटिल्य के अर्थशास्त्र से की जा सकती है।
- ❏ पाटलिपुत्र में चन्द्रगुप्त का महल मुख्यतः लकड़ी का बना था।
- ❏ **जस्टिन** ने चन्द्रगुप्त मौर्य की सेना को '**डाकुओं का गिरोह**' कहा है। इसी ने सैण्ड्रोकोट्टस (चन्द्रगुप्त मौर्य) तथा सिकन्दर महान की भेंट का वर्णन किया है।
- ❏ अभिधान चिन्तामणि में कौटिल्य के कई नामों का उल्लेख मिलता है।
- ❏ यूनानी लेखक **प्लूटार्क** के अनुसार, '**चन्द्रगुप्त ने छह लाख की सेना लेकर सम्पूर्ण भारत को रैंद डाला और उस पर अधिकार कर लिया।**'
- ❏ चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस को 305 ई. पू. में पराजित किया था, तत्पश्चात् हुई एक सन्धि के तहत सेल्यूकस ने चन्द्रगुप्त को चार प्रान्त—**एरिया, अराकोसिया, जेड्रासिया** और **पेरीपेमिसडाई** (काबुल, कन्धार, मकरान, हेरात) दहेज में दिये, जब चन्द्रगुप्त ने उसकी पुत्री से विवाह किया।
- ❏ प्लूटार्क के अनुसार चन्द्रगुप्त ने भी **सेल्यूकस को 500 हाथी** उपहार में दिये थे।



- संगम युग चार वर्णों में विभाजित था, ये वर्ण थे—अरसर (शासक), अण्डनर (ब्राह्मण), वेनिगर (वणिग) तथा वेलार (वेलार किसान)।
- तमिल ग्रंथ 'कुरल' को 'लघुवेद' की संज्ञा दी गई है।
- तमिल रामायणम् या रामावतारम् का लेखक कंबन था।

गुप्त साम्राज्य

- गुप्त सम्भवतः कुषाणों के सामन्त थे।
- गुप्त वंश की स्थापना श्रीगुप्त (275-300 ई.) ने की थी।
- गुप्त वंश का दूसरा शासक घटोत्कच (300-20 ई.) हुआ था।
- चन्द्रगुप्त प्रथम ने ही गुप्त वंश को एक साम्राज्य को प्रतिष्ठा प्रदान की तथा एक नया गुप्त संवत् (319 ई.) में चलाया।
- चन्द्रगुप्त प्रथम गुप्त वंश का पहला शासक था जिसने महाराजाधिराज की उपाधि ग्रहण की। उसने लिच्छवी राजकुमारी कुमार देवी से विवाह किया।
- गुप्त संवत् (319-20 ई.) तथा शक संवत् (78 ई.) के बीच 241 वर्षों का अन्तर था।
- गुप्तवंश में ही सर्वप्रथम चन्द्रगुप्त प्रथम ने ही रजत (चाँदी) मुद्राओं का प्रचलन करवाया था।
- चन्द्रगुप्त प्रथम के बाद उसका पुत्र समुद्रगुप्त शासक बना। इसके समय में गुप्त साम्राज्य का सर्वाधिक विस्तार हुआ।
- समुद्रगुप्त के इतिहास का सर्वप्रथम स्रोत उसका प्रयाग स्तम्भ लेख है, जिसमें 'धर्म प्रचार बंधु' उपाधि का उल्लेख है।
- प्रयाग स्तम्भ लेख को मुगल सम्राट् अकबर ने कौशाम्बी से मँगाकर इलाहाबाद के किले में सुरक्षित रखवाया।
- प्रयाग स्तम्भ लेख में बीरबल तथा जहाँगीर का भी लेख मिलता है। यह विशुद्ध रूप में ब्राह्मी लिपि तथा संस्कृत भाषा में लिखा गया।
- सर्वप्रथम समुद्रगुप्त ने 9 राजाओं को पराजित किया जिसमें अच्युत, नागसेन तथा गणपतिनाग प्रमुख थे।
- दक्षिणापथ के युद्ध में समुद्रगुप्त ने 12 राजाओं को परास्त किया, परन्तु पुनः उन्हें स्वतन्त्र कर दिया। इसे दक्षिणापथ में ग्रहण मोक्षानुग्रह कहा गया है।
- समुद्रगुप्त ने अपनी विजयों के उपरान्त अश्वमेध यज्ञ किया था।
- इतिहासकार विन्सेट स्मिथ ने समुद्रगुप्त को 'भारतीय नेपोलियन' कहा है।
- समुद्रगुप्त को कविराज भी कहा जाता है। वह कवि, संगीतज्ञ और विद्या का संरक्षक था। उसके सिक्कों पर उसे वीणा बजाते हुए चित्रित किया गया है।
- समुद्रगुप्त का दरबारी कवि हरिषेण था तथा वसुबन्धु को भी संरक्षण प्रदान किया था।
- समुद्रगुप्त विष्णु का उपासक था। उसने विक्रमांक की उपाधि धारण की।
- समुद्रगुप्त के पश्चात् चन्द्रगुप्त द्वितीय या विक्रमादित्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली शासक बना।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय के अन्य नाम—देवगुप्त, देवराज, देवश्री थे तथा उपाधियाँ विक्रमांक, विक्रमादित्य, परमभागवत आदि थीं।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय ने नाग राजकुमारी कुबेरनागा से विवाह किया।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री प्रभावती गुप्ता का विवाह वाकाटक नरेश रुद्रसेन द्वितीय से किया।
- उदयगिरि गुहालेख के शब्दों में चन्द्रगुप्त द्वितीय का उद्देश्य 'सम्पूर्ण पृथ्वी को जीतना' (कुत्स्नपृथ्वीजय) था।
- चन्द्रगुप्त ने शकों को हराने के उपलक्ष्य में शक राज्यों में चाँदी के सिक्के प्रचलित करवाये।
- भारतीय अनुश्रुतियाँ चन्द्रगुप्त का 'शाकारि' के रूप में स्मरण करती हैं।

चन्द्रगुप्त द्वितीय के नवरत्न



- | | |
|--------------|---------------|
| (1) कालिदास | (2) धन्वन्तरि |
| (3) क्षपणक | (4) अमरसिंह |
| (5) शंकु | (6) बेतालभट्ट |
| (7) घटकर्पूर | (8) वराहमिहिर |
| (9) वररुचि | |

- ❏ 'चन्द्र' नामक राजा की पहचान चन्द्रगुप्त द्वितीय के साथ की गई है।
- ❏ चन्द्रगुप्त एक धर्मनिष्ठ वैष्णव था जिसने 'परमभागवत' तथा 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की।
- ❏ चन्द्रगुप्त का सन्धिविग्रहिक सचिव वीरसेन शैव था।
- ❏ चन्द्रगुप्त का सेनापति आम्रकाईव बौद्ध था।
- ❏ चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय में चीनी यात्री फाह्यान भारत आया जिसने मध्य प्रदेश को ब्राह्मणों का देश कहा।
- ❏ चीनी लेखक भारत का उल्लेख यिन-तु नाम से करते हैं।
- ❏ चन्द्रगुप्त द्वितीय के बाद कुमारगुप्त प्रथम गुप्त साम्राज्य की गद्दी पर बैठा।
- ❏ कुमारगुप्त के शासन का वर्णन विलसङ्ग अभिलेख में मिलता है।
- ❏ कुमारगुप्त का छोटा भाई गोविन्दगुप्त बसाङ्ग (वैशाली) का राज्यपाल था।
- ❏ गुप्त शासकों में सर्वाधिक अभिलेख कुमारगुप्त के मिलते हैं।
- ❏ मध्य एशिया में निवास करने वाली एक बर्बर जाति हूण का प्रथम आक्रमण स्कन्दगुप्त के समय में हुआ।
- ❏ कुमारगुप्त के ही शासनकाल में नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। इस विश्वविद्यालय को ऑक्सफोर्ड ऑफ महायान बौद्ध कहा जाता है।
- ❏ कुमारगुप्त के सिक्कों से पता चलता है कि उसने अश्वमेध यज्ञ किया था।
- ❏ कुमारगुप्त की मृत्यु के बाद स्कन्दगुप्त शासक बना।
- ❏ स्कन्दगुप्त कुशल प्रशासक था उसने गिरनार पर्वत पर सुदर्शन झील के पुनरुद्धार का कार्य सौराष्ट्र के गवर्नर पर्णदत्त के पुत्र चक्रपालित को सौंपा था।
- ❏ स्कन्दगुप्त ने 466 में चीनी सांग सम्राट के दरबार में राजदूत भेजा था।
- ❏ स्कन्दगुप्त ने प्रशासनिक सुविधा के लिए अपनी राजधानी अयोध्या स्थानान्तरित की।
- ❏ स्कन्दगुप्त के समय में हूणों ने आक्रमण किया था।
- ❏ अन्तिम गुप्त शासक भानुगुप्त था।
- ❏ गुप्त साम्राज्य के सबसे बड़े अधिकारी को कुमारामात्य कहा जाता था।
- ❏ सम्राट द्वारा जो क्षेत्र स्वयं शासित होता था। उसकी सबसे बड़ी प्रादेशिक इकाई देश थी। देश को प्रशासक गोप्ता कहा जाता था।
- ❏ राज्य के प्रान्तों को भुक्ति कहा जाता था। उन्हें प्रदेश तथा भोग भी कहा जाता था।
- ❏ प्रान्तीय शासकों की नियुक्ति सम्राट द्वारा दी जाती थी तथा उन्हें उपरिक, गोप्ता, भोगपति तथा राजस्थानीय कहा जाता था।

शंकराचार्य द्वारा स्थापित मठ

1. गोवर्धनपीठ—पुरी (ओडिशा)
2. शारदापीठ—द्वारका (गुजरात)
3. ज्योतिषपीठ—बद्रीनाथ (उत्तराखण्ड)
4. शृंगेरीपीठ—मैसूर (कर्नाटक)

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 55 |



- ❖ धंग एक महान् निर्माता भी था। जिसने खजुराहो में अनेक भव्य मन्दिरों का निर्माण करवाया। जिनमें **जिननाथ, विश्वनाथ** और **वैद्यनाथ** मन्दिर उल्लेखनीय हैं।
- ❖ धंग के बाद उसके पुत्र गण्ड ने 1008 ई. में महमूद गजनवी का सामना करने के लिए जयपाल के पुत्र **आनन्दपाल** द्वारा बनाये गये संघ में भाग लिया।
- ❖ विद्याधर (1019-20 ई.) चन्देल शासकों में सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था। उसने गुर्जर-प्रतिहार शासक **राज्यपाल** को 1019 ई. में मार दिया था, क्योंकि वह महमूद गजनवी से युद्ध करने के स्थान पर भाग खड़ा हुआ था।
- ❖ विद्याधर ने मालवा के परमार शासक भोज तथा कलचुरी शासक गांगेय देव को पराजित कर उसे अपने अधीन किया। उसका शासन काल चन्देल साम्राज्य के चरमोत्कर्ष को व्यक्त करता है।
- ❖ चन्देलों का अन्तिम शक्तिशाली शासक परमर्दिदेव (परमल) था जिसे 1182 ई. में **पृथ्वीराज तृतीय** ने पराजित किया।
- ❖ 1202 ई. में परमर्दिदेव ने कुतुबुद्दीन ऐबक की अधीनता स्वीकार कर ली इस पर उसके मन्त्री जयदेव ने उसकी हत्या कर दी।
- ❖ खजुराहो चन्देलों की स्थायी राजधानी थी।

विविध तथ्य

- ❖ गंग वंश के राजा राजमल चतुर्थ के मन्त्री व सेनापति **'चामुण्डराय'** ने 974 ई. में **श्रवणवेलगोला** में **गोमतेश्वर की विशाल प्रतिभा** स्थापित करवायी।
- ❖ वाकाटक वंश के शासक **प्रवरसेन प्रथम** ने चार अश्वमेध यथा तथा एक **बाजपेय यज्ञ** किया था।
- ❖ **द्रौपदी रथ मन्दिर** सबसे छोटा तथा **भीम रथ मन्दिर** सबसे बड़ा है।
- ❖ पुण्ड्रवर्धन भुक्ति राज्य **उत्तरी बंगाल** में स्थित था।
- ❖ राजपूतों द्वारा मुस्लिम आक्रमणकारियों से स्त्रियों की रक्षा के लिए जौहर प्रथा का प्रचलन हुआ। इसमें सभी राजपूत पुरुषों के युद्ध में मारे जाने के पश्चात् किले में सभी स्त्रियाँ सामूहिक रूप से चिता में कूदकर अपनी जान दे देती थीं।

विजयनगर साम्राज्य

- ❖ विजयनगर साम्राज्य की स्थापना **मुहम्मद बिन तुगलक** के शासनकाल की अव्यवस्था के दौरान हुई।
- ❖ विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई. में संगम के पाँच पुत्रों में से **हरिहर और बुक्का** नामक दो भाइयों ने की थी।
- ❖ हरिहर और बुक्का आरम्भ में **तेलंगाना राजा रुद्रप्रताप देव तृतीय** के यहाँ नौकर थे।
- ❖ विजयनगर के संस्थापकों को प्रसिद्ध विद्वान् तथा **सन्त माधव विद्यारण्य** तथा उनके विख्यात अनुज वेदों के टीकाकार **सायणाचार्य से प्रेरणा** और सहायता मिली थी।
- ❖ विजयनगर की राजधानियाँ क्रमशः **आंनेगोण्डी, विजयनगर, बेनुगोण्डा** तथा **चन्द्रगिरि** थीं।
- ❖ विजयनगर का वर्तमान नाम **हम्पी (हस्तिनावती)** है।

संगम वंश (1336-1485 ई.)

- ❖ संगम वंश का नाम विजयनगर के संस्थापक **हरिहर तथा बुक्का** के पिता संगम के नाम पर पड़ा था।
- ❖ हरिहर प्रथम विजयनगर का संस्थापक था। इसने अपनी राजधानी **अनेगोण्डी** बनाई, बाद में **विजयनगर** को अपनी राजधानी बनाया।
- ❖ हरिहर प्रथम का उत्तराधिकारी उनका भाई **बुक्का प्रथम** शासक बना। यह 1336 ई. से ही संयुक्त शासक के रूप में शासन कर रहा था।

भारतीय इतिहास (प्राचीन भारत)

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART

search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 96 |



- बुक्का प्रथम** ने 1374 ई. में **चीन को एक दूतमण्डल भेजा।**
- हरिहर द्वितीय ने **'महाराजाधिराज'** तथा **'राजपरमेश्वर'** की उपाधियाँ धारण कीं।
- हरिहर द्वितीय ने **कनारा, मैसूर, त्रिचुरापल्ली, काँची, चिंगलपट** आदि प्रदेशों पर अपना आधिपत्य कायम किया।
- हरिहर द्वितीय के शासनकाल में उसके पुत्र बुक्का द्वितीय ने कृष्णा तथा तुंगभद्रा नदियों के बीच स्थित रायचूर दोआब को जो विजयनगर साम्राज्य तथा बहमनी सल्तनत के बीच संघर्ष की जड़ था, हस्तगत करने का प्रयत्न किया।
- देवराय प्रथम (1406-1422 ई.) के काल में भी बहमनी राज्य से कई युद्ध हुए परन्तु हार का सामना करना पड़ा।
- देवराय प्रथम ने तुंगभद्रा नदी पर बाँध** बनवाकर नहरें निकलवाईं।
- देवराय प्रथम के शासनकाल में इतालवी यात्री **निकोलो कोण्टी** ने विजयनगर की यात्रा की।
- देवराय प्रथम के दरबार में **हरविलासम** तथा **तेलुगु** कवि **श्रीनाथ** रहते थे।
- देवराय प्रथम ने अपनी सेना में मुसलमानों को भी भर्ती करना शुरू किया।
- वीर विजय के बाद देवराय द्वितीय ने शासन व्यवस्था का पुनः संगठन किया और सेना को तोस नीव पर खड़ा किया। यह इस वंश का महान् शासक था।
- देवराय द्वितीय को प्रजा ने **इम्माडिदेवराय** और **प्रौढ़ देवराय** या **महान् देवराय** कहकर पुकारा।
- देवराय द्वितीय को अभिलेखों में **गजबेटकर (हाथियों का शिकारी)** की उपाधि का उल्लेख मिलता है।
- देवराय द्वितीय ने **अपनी सेना में बड़ी मात्रा में मुसलमानों को भर्ती करना शुरू किया।**
- देवराय द्वितीय के शासनकाल में ईरान के **अब्दुर्रज्जाक** ने विजयनगर का भ्रमण किया।
- संगम वंश के अन्तिम शासक **विरुपाक्ष द्वितीय** को उसके सामन्त नरसिंह ने पदच्युत करके 1486 ई. में सिंहासन पर बैठा।
- सलुव वंश (1485-1505 ई.)**
- नरसिंह सलुव ने नये राजवंश की नींव डाली, जो द्वितीय राजवंश **सलुव वंश** के नाम से प्रसिद्ध है।
- नरसिंह ने बहमनी सुल्तानों तथा उड़ीसा के राजा के विरुद्ध युद्ध किया और खोये हुए अनेक प्रान्तों को पुनः विजित किया।
- सेना को शक्तिशाली बनाने के लिए अरब व्यापारियों को **सलुव नरसिंह** ने अधिक से अधिक घोड़े आयात करने का प्रलोभन व प्रोत्साहन दिया।
- नरसिंह के बाद उसके दो पुत्र गद्दी पर बैठे, किन्तु वे अत्यन्त अयोग्य सिद्ध हुए।
- इनके शासनकाल में राज शक्ति साम्राज्य के सेनापति **नरसा नायक** के हाथों में रही।
- 1505 ई. में **नरसा नायक** के पुत्र **वीर नरसिंह** ने सालुव नरेश इम्माडि नरसिंह की हत्या करके स्वयं सिंहासन पर अधिकार कर लिया और विजयनगर साम्राज्य के तृतीय या **तुलुव राजवंश** की स्थापना की।
- तुलुव वंश (1505-1570 ई.)**
- वीर नरसिंह** (1505-09 ई.) ने नये राजवंश की नींव डाली, जो तुलुव वंश के नाम से प्रसिद्ध है।
- वीर नरसिंह के बाद उनका छोटा भाई **कृष्णदेव राय** (1509-29 ई.) सिंहासन पर बैठा।
- बाबर ने अपनी आत्मकथा में **कृष्णदेव राय** को विजयनगर का महानतम शासन कहा।
- कृष्णदेव राय ने अनेक सफल युद्ध किये। 1513 ई. में उसने उड़ीसा के राजा गणपति प्रताप रुद्र को पराजित किया।
- 1514 ई. में उसने उदयगिरि का किला हस्तगत कर लिया।

मध्यकालीन भारत



भारत पर अरबों के आक्रमण

- अरबों के भारत आक्रमण के विषय में पर्याप्त सूचना 9वीं शताब्दी के बिलादूरी कृत 'किताब-फुतूल-अल बलदान' में मिलती है।
- 1216 ई. में 'चचनामा' जो फारसी भाषा में लिखी गई है। उसमें भी अरबों के आक्रमण के विषय में पर्याप्त जानकारी मिलती है।
- 712 ई. में मुहम्मद बिन कासिम ने सिन्ध पर सफल आक्रमण किया। उस समय वहाँ का शासक दाहिर था। अरबों द्वारा भारत पर किया गया यह पहला सफल आक्रमण था।
- अरबों ने भारतीय जनजीवन को काफी प्रभावित किया और स्वयं भी प्रभावित हुए। अरबों ने चिकित्सा, दर्शनशास्त्र, नक्षत्र विज्ञान, गणित और शासन प्रबन्ध की शिक्षा भारतीयों से ली।
- मंसूर के समय (753-774 ई.) में अरब विद्वान भारत से बगदाद अपने साथ दो पुस्तकें ले गये—ब्रह्मपुत्र का ब्रह्म सिद्धान्त तथा खण्डखाद्य।
- पंचन्न का अनुवाद अरबी भाषा में कलिलावादिम्ना नाम से हुआ जिनका उल्लेख अलबरूनी ने किया था। अलबरूनी 11वीं शताब्दी में भारत आया था।
- गजनी राजवंश का संस्थापक सुबुक्तगीन था।
- भारत पर अरबवासियों के आक्रमण का मुख्य उद्देश्य धन-दौलत लूटना तथा इस्लाम धर्म का प्रचार-प्रसार करना था।
- अरबों ने सिन्ध में ऊँट पालन, खजूर की खेती तथा 'दिरहम' नामक सिक्के का प्रचलन करवाया।
- महमूब गजनबी ने एक तरफ संस्कृत मुद्रालेख के साथ चाँदी के सिक्के जारी किए।

महमूद गजनवी

- गजनी के शासक सुबुक्तगीन के पुत्र महमूद गजनवी का जन्म 917 ई. में हुआ। महमूद से पूर्व सुबुक्तगीन प्रथम तुर्की शासक था जिसने हिन्दूशाही शासक जयपाल के राज्य पर आक्रमण कर उसे पराजित किया।
- सुबुक्तगीन के बाद महमूद गजनवी ने भारत पर 1000 ई. से 1027 ई. तक कुल 17 बार आक्रमण किया।
- महमूद गजनवी के भारतीय आक्रमण का मुख्य उद्देश्य धन की प्राप्ति था। यहाँ उसका साम्राज्य विस्तार का कोई इरादा नहीं था।
- बगदाद के खलीफा अल कादिर बिल्लाह ने महमूद गजनवी के पद को मान्यता प्रदान करते हुए उसे 'यमीन-उद्-दौला' तथा 'यमीन-उल-मिल्लाह' की उपाधि दी।
- महमूद के दरबारी इतिहासकार उतबी ने उसके आक्रमणों को जिहाद माना है। जिसका मूल उद्देश्य इस्लाम का प्रसार और बुतपरस्ती (मूर्ति पूजा) को समाप्त करना था।
- महमूद ने अपनी सेना की कमान तिलक नामक हिन्दू को सौंपी थी।
- महमूद के साथ भारत आने वाले विद्वानों में अलबरूनी, फिरदौसी और उतबी प्रमुख थे। अलबरूनी की पुस्तक 'किताबुल हिन्द' तत्कालीन इतिहास को जानने का एक प्रमुख स्रोत है। अलबरूनी ही पुराणों का अध्ययन करने वाला प्रथम मुस्लिम था।

महमूद गजनवी के 17 आक्रमण

क्षेत्र	वर्ष	शासक
पंजाब का सीमान्त क्षेत्र	1000 ई.	जयपाल (हिन्दू शाही)
पेशावर, वैहिन्द	1001 ई.	जयपाल (हिन्दू शाही)

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 700254055 / 7088815000

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"



क्षेत्र	वर्ष	शासक
मुल्तान	1005 ई.	दाऊद करमाथी
भेड़ा	1006-07 ई.	बाजीराय
मुल्तान	1007-08 ई.	सुखपाल
वैहिन्द, पेशावर	1008-09 ई.	आनन्दपाल (हिन्दू शाही) तथा उज्जैन, ग्वालियर, कलिंगर, कन्नौज, दिल्ली, अजमेर की संयुक्त सेना
नारायणपुर	1009 ई.	स्थानीय शासक
मुल्तान	1010-11 ई.	सुखपाल
थानेश्वर	1011-12 ई.	राजारज
निनदुना	1014 ई.	त्रिलोचन पाल
कश्मीर	1015-16 ई.	संग्राम राज (लोहार वंश)
मथुरा व कन्नौज	1018-19 ई.	राज्यपाल (प्रतिहार)
कलिंगर	1019 ई.	गण्ड चन्देल और त्रिलोचनपाल
कश्मीर	1021 ई.	रानी दिग्दा (स्त्री शासक)
ग्वालियर व कलिंगर	1022 ई.	गण्ड चन्देल
सोमनाथ पर आक्रमण	1025-26 ई.	भीम प्रथम
सिन्ध के जाट	1027 ई.	जाट

मुहम्मद गोरी

- ☞ मुईजुद्दीन मुहम्मद बिन साम को ही **मुहम्मद गोरी** कहा जाता था। वह 1173 ई. में शासक बना।
- ☞ मुहम्मद गोरी का प्रथम आक्रमण 1178 ई. में मुल्तान पर हुआ उस समय मुल्तान पर करमाथी जाति का शासक था।
- ☞ 1178 ई. में गोरी ने गुजरात पर आक्रमण किया किन्तु **भीम द्वितीय (मूलराज द्वितीय)** ने उसे आबू पर्वत के पास पराजित किया। भारत में **यह मुहम्मद गोरी की पहली पराजय थी।**
- ☞ **तराइन के प्रथम युद्ध 1191 ई.** में मुहम्मद गोरी को पृथ्वीराज चौहान ने परास्त किया।
- ☞ **तराइन के द्वितीय युद्ध 1192 ई.** में मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को परास्त किया।
- ☞ **चन्दावर के युद्ध 1194 ई.** में मुहम्मद गोरी ने जयचन्द को पराजित किया।
- ☞ मुहम्मद गोरी की मुख्य सफलता उसकी उत्तर भारत की विजय थी। वास्तव में भारत में तुर्की राज्य की नींव उसी ने डाली।
- ☞ 1206 ई. में गोरी की मृत्यु के बाद कुतुबुद्दीन ऐबक ने भारत में नये वंश की नींव डाली। जिसे **गुलाम वंश** कहा गया।
- ☞ मुहम्मद गोरी ने भारत में प्रथम **इक्ता** कुतुबुद्दीन ऐबक को (1203-04 ई. में) प्रदान किया था।
- ☞ मुहम्मद गोरी के सिक्कों पर एक ओर कलमा खुदा था तथा दूसरी ओर **लक्ष्मी की आकृति** अंकित रहती थी।
- ☞ मुहम्मद गोरी, जिसने **बंगाल** एवं **बिहार** पर विजय प्राप्त करने के लिए अपने गुलाम व सेनापति **बख्तियार खिलजी** को भेजा।
- ☞ बख्तियार खिलजी ने बिहार विजय के दौरान **नालंदा** एवं **विक्रमशिला** विश्व विद्यालय को नष्ट किया।



तुगलक वंश (1320-1414 ई.)

दिल्ली सल्तनत के राजवंशों में से तुगलक वंश ने सर्वाधिक समय तक राज्य किया था।

ग्यासुद्दीन तुगलक (1320-25 ई.)

8 सितम्बर, 1320 ई. को हज़ार सुतून महल में ग्यासुद्दीन तुगलकशाह के नाम से सिंहासन पर बैठा।

'गाजी' की उपाधि धारण करने वाला दिल्ली सल्तनत का पहला शासक था।

सर्वप्रथम ग्यासुद्दीन तुगलक ने दक्षिण के राज्यों में से वारंगल को जीतकर दिल्ली सल्तनत में मिलाया।

सिंचाई हेतु नहर निर्माण करने वाला ग्यासुद्दीन पहला शासक था।

ग्यासुद्दीन तुगलक ने 1/10 या 1/11 भाग भू-राजस्व वसूल किया।

ग्यासुद्दीन तुगलक का निजामुद्दीन औलिया से मनमुटाव हो गया जिसके लिए सुल्तान ने औलिया को धमकी भरा पत्र भेजा जिसके प्रति उत्तर में कहा था कि "दिल्ली अभी दूर है।"

ग्यासुद्दीन तुगलक की मृत्यु 1325 ई. में बंगाल अभियान से लौटते समय जूना खँ द्वारा स्वागत करने के लिए निर्मित लकड़ी के महल में दबकर हो गई।

मुहम्मद गौस कृष्ण को औलिया के अन्तर्गत मानता था।

दिल्ली सल्तनत में सर्वप्रथम डाक व्यवस्था की शुरुआत ग्यासुद्दीन तुगलक ने की थी।

मुहम्मद बिन तुगलक (1325-51 ई.)

ग्यासुद्दीन की मृत्यु के तीन दिन बाद तुगलकाबाद में जूना खँ सुल्तान बना और उसने मुहम्मद बिन तुगलक की उपाधि धारण की। इसे 'मनिहारों का राजकुमार' कहा जाता है।

मुहम्मद बिन तुगलक के समय में 1333 ई. में मोरक्को (अफ्रीकी देश) यात्री इब्नबतूता भारत आया जिसे सुल्तान ने अपना राजदूत बनाकर चीन भेजा। इसने सल्तनत काल में प्रचलित डाक व्यवस्था का विस्तृत वर्णन दिया।

सुल्तान ने दिल्ली से राजधानी स्थानान्तरित कर देवगिरि को राजधानी बनाया, जिसका नाम दौलताबाद रखा।

सुल्तान ने राज्य में आय वृद्धि करने के उद्देश्य से दोआब में कर वृद्धि की और एक नये कृषि विभाग 'दीवान-ए-कोही' का निर्माण किया।

दिल्ली सल्तनत में सर्वप्रथम मुहम्मद बिन तुगलक ने वस्त्र निर्माणशाला स्थापित की थी।

मुहम्मद बिन तुगलक की असफल योजनाएँ

- (1) दोआब में कर वृद्धि—1326 ई.
- (2) राजधानी परिवर्तन—1327 ई.
- (3) सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन—1329 ई.
- (4) खुरासान विजय योजना—1337 ई.
- (5) कुराचिल अभियान—1338 ई.

मध्यकालीन भारत में मुहम्मद बिन तुगलक सर्वाधिक शिक्षित, विद्वान एवं योग्य शासक था।

मुहम्मद बिन तुगलक को उसकी सनक भरी योजनाओं, क्रूर कार्यों तथा 'अन्तर्विरोधी का विस्मयकारी मिश्रण', पागल एवं रक्त पिपासु कहा गया है।



मुगल वंश

शासक	शासनकाल
जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर	1526-30 ई.
नासिरुद्दीन हुमायूँ	1530-56 ई.
जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर	1556-1605 ई.
जहाँगीर	1605-27 ई.
शाहजहाँ	1627-58 ई.
औरंगजेब	1658-1707 ई.
बहादुरशाह	1707-12 ई.
जहाँदारशाह	1712-13 ई.
फर्रुखसियर	1713-19 ई.
मुहम्मद शाह	1719-48 ई.
अहमद शाह	1748-54 ई.
आलमगीर द्वितीय	1754-58 ई.
शाहआलम द्वितीय	1758-1806 ई.
अकबर द्वितीय	1806-37 ई.
बहादुरशाह द्वितीय	1837-57 ई.

नोट—1540 ई. से 1545 ई. तक शेरशाह सूरी ने भारत पर शासन किया। 1540 ई. से 1555 ई. तक हुमायूँ ने निर्वासित जीवन व्यतीत किया।

- ❧ बाबर ने 1507 ई. में **‘पादशाह’** की उपाधि धारण की, इससे पूर्व के शासक **सुल्तान** की उपाधि धारण करते थे।
- ❧ बाबर के चार पुत्र—**हुमायूँ, कामरान, अस्करी** तथा **हिन्दाल** थे। हुमायूँ बाबर का ज्येष्ठ पुत्र था।
- ❧ 1514-19 ई. के मध्य बाबर ने **उस्ताद अली** और **मुस्तफा खाँ** नामक दो तुर्क तोपचियों की सेवाएँ प्राप्त कीं तथा उन्हें तोपखाने का अध्यक्ष नियुक्त हुआ।
- ❧ **पानीपत का प्रथम युद्ध (21 अप्रैल, 1526 ई.)** में बाबर ने उजबेकों की युद्ध नीति **तुगलमा युद्ध पद्धति** तथा **उस्मानी विधि** अपनाकर इब्राहिम लोदी को पराजित किया था। भारत में पानीपत के इस युद्ध में पहली बार तोपों का प्रयोग किया गया। बाबर की तोपों का संचालन **उस्ताद अली** तथा बन्दूकधियों का नेतृत्व **मुस्तफा** ने किया था।
- ❧ **खानवा के युद्ध (17 मार्च, 1527 ई.)** में बाबर द्वारा राजपूत राणा सांगा पराजित हुआ।
- ❧ बाबर ने खानवा के युद्ध में **‘जेहाद’** का नारा दिया तथा विजयोपरान्त **‘गाजी’** की उपाधि धारण की।
- ❧ **चन्देशी के युद्ध (29 जनवरी, 1928)** में बाबर ने मेदिनी राय को पराजित किया।
- ❧ **घाघरा के युद्ध** में (1529 ई.) में बाबर ने अफगानों को हराया।
- ❧ बाबर की मृत्यु 26 सितम्बर, 1530 ई. को आगरा में हुई थी।
- ❧ सर्वप्रथम बाबर को **आगरा के रामबाग में दफनाया** गया परन्तु बाद में उसे उसकी इच्छानुसार **काबुल** में दफनाया गया।
- ❧ बाबर ‘मुबाइय्याँ’ नामक **पद्य शैली** का जन्मदाता था।

or
Shop at : **AMAZON / FLIPKART**
search "**PUJA SAMANYA GYAN**"



- 174
- ✚ मध्यकालीन भारतीय इतिहास में हेमू पहला और एकमात्र हिन्दू राजा था, जिसने दिल्ली राज्य सिंहासन पर अधिकार जमाया था तथा 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की थी।
 - ✚ अकबर और हेमू के बीच दिल्ली तथा आगरा पर पुनः अधिकार हेतु पानीपत का द्वितीय युद्ध 1556 ई. में लड़ा गया था। जिसमें हेमू की पराजय हुई।

अकबर के महत्वपूर्ण कार्य

क्र. सं.	प्रमुख कार्य	वर्ष
1.	दास प्रथा का अन्त	1562 ई.
2.	हिन्दू तीर्थ यात्रा कर की समाप्ति	1563 ई.
3.	जजिया कर की समाप्ति	1564 ई.
4.	पर्दा शासन का अन्त	1564 ई.
5.	फतेहपुर सीकरी की स्थापना	1571 ई.
6.	राजधानी फतेहपुर सीकरी स्थानान्तरित	1571 ई.
7.	अकबर की गुजरात विजय	1572 ई.
8.	मनसबदारी प्रथा की शुरुआत	1567 ई.
9.	फतेहपुर सीकरी में इबादतखाने की स्थापना	1575 ई.
10.	मजहर दस्तावेज की घोषणा	1579 ई.
11.	दीन-ए-इलाही की स्थापना	1582 ई.
12.	इलाही संवत् प्रारम्भ	1583 ई.
13.	राजधानी का लाहौर स्थानान्तरण	1585 ई.

अकबर के दरबार के नौ रत्न

- (1) **मुल्ला दो प्याजा**—मुल्ला दो प्याजा को अपनी कुशाग्र बुद्धि, वाक्पटुता एवं प्याज के प्रति अतिशय रुचि के कारण उन्हें 'मुल्ला दो प्याजा' की उपाधि दी गई थी।
- (2) **अबुर्हीम खानखाना**—खानखाना बैरम खाँ के पुत्र थे तथा फारसी, तुर्की और हिन्दी के प्रकाण्ड विद्वान थे, बाबर की आत्मकथा 'तुजुकुके बाबरी' का उन्होंने तुर्की भाषा से फारसी में अनुवाद किया। अकबर ने इन्हें 'खानखाना' की उपाधि से विभूषित किया था।
- (3) **हमीम हुमाम**—सम्राट अकबर के अति निकट के मित्र थे। सम्राट की पाठशाला के प्रधान अधिकारी थे।
- (4) **अबुल फजल**—एक कुशल सेनानायक थे। 'आइन-ए-अकबरी' तथा 'अकबरनामा' इनकी प्रमुख ऐतिहासिक कृतियाँ हैं।
- (5) **तानसेन**—अकबर के दरबार के प्रसिद्ध संगीतज्ञ एवं राजकवि थे। अकबर ने इन्हें कण्ठाभरण वाणी विलास की उपाधि प्रदान की। तानसेन का मूल नाम रामतनु पाण्डेय था।
- (6) **राजा मानसिंह**—एक प्रमुख सेनापति थे। मुगल साम्राज्य के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"



मध्य भारत में प्रसिद्ध संस्कृत ग्रन्थों का फारसी में अनुवाद

मूल ग्रन्थ	अनुवादक	अनुवादक ग्रन्थ	आश्रयदाता शासक
सिंहासन बत्तीसी	फैजी व अन्य	सिरद अफजा	अकबर
अथर्ववेद	हाजी इब्राहिम सरहिन्दी	—	अकबर
महाभारत	बदायूनी, नकीब खाँ, शेख सुल्तान	रज्म नामा	अकबर
रामायण	अब्दुल कादिर बदायूनी, इब्न हर करण	—	अकबर
हरिवंश पुराण	मौलाना शैरी	जामये रशीदी	अकबर
कालिया दमन	अबुल फजल	अमार दानिश	अकबर
राजतरंगिणी	मुल्ला मुहम्मद	—	अकबर
लीलावती (गणित)	फैजी	—	अकबर
भगवत् पुराण	राजा टोडरमल	—	अकबर
जल दमयन्ती	फैजी	मसनवी नलौदमन	अकबर
पंचतन्त्र	अबुल फजल	अनवारे सहेली	अकबर
बाबन उपनिषद्	दारा शिकोह	सिर-ए-अकबर	शाहजहाँ
योग वशिष्ठ	दारा शिकोह	—	शाहजहाँ
भगवद्गीता	दारा शिकोह	—	शाहजहाँ

विविध तथ्य

- मुगलकाल में पहला हिन्दी विद्वान 'मुल्ला वाड़ी' था।
- मुगलकाल में जनपद को **सरकार** के नाम से जाना जाता था।
- मुगल सेना का सैन्य विभाग का प्रधान **मीरबख्शी** था।
- निकोलाओ मनुची को मुगल सेना में चिकित्सक नियुक्त किया गया था।
- मुगलकाल में '**माल**' भूराज्य से सम्बन्धित था।
- मुगल प्रशासन में विद्वानों एवं धार्मिक लोगों को दी जाने वाली भूराजस्व मुक्त अनुदान भूमि को '**मदद-ए-माश**' कहा जाता था। इसे '**सयूरगल**' भी कहा जाता था।
- मुगल प्रशासन में **मुहतसिब** जन आचरण के निरीक्षण विभाग का प्रधान था।
- माहम अनगा ने दिल्ली के पुराने किले में '**खैरुल मनजिल**' अथवा '**खैर-उल-मनजिल**' नामक मदरसे की स्थापना की, जिसे '**मदरसा-ए-वेगम**' कहा जाता था।
- मुगलकालीन दरबारी भाषा **फारसी** थी।
- अब्दुरहीम ने खानेखाना का मकबरा दिल्ली में है।

मध्यकाल में भारत भ्रमण करने वाले विदेशी यात्री

विदेशी यात्री	देश	भ्रमणकाल	शासनकाल
मार्को पोलो	इटली	1271-98 ई.	पाण्ड्य
इब्नबतूता	मोरक्को (अफ्रीका)	1333-42 ई.	मुहम्मद तुगलक
निकोलो कोण्टी	इटली	1420-22 ई.	देवराय प्रथम

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 81 |



विदेशी यात्री	देश	भ्रमणकाल	शासनकाल
अब्दुर्रज्जाक	ईरान	1442-43 ई.	देवराय द्वितीय
एडुअर्डो बारबोसा	पुर्तगाल	1516-18 ई.	कृष्णदेव राय
डोमिंगो पायस	पुर्तगाल	1520-22 ई.	कृष्णदेव राय
नूनिज	पुर्तगाल	1535-37 ई.	अच्युतदेव राय
एन्थोनी मांसेरात	पुर्तगाल	1578-82 ई.	अकबर
राल्फ पिच	ब्रिटेन	1585-91 ई.	अकबर
सीजर फ्रेडरिक	पुर्तगाल	16वीं शताब्दी	विजयनगर
कैप्टन हॉकिन्स	ब्रिटेन	1608-13 ई.	जहाँगीर
विलियम फिंच	ब्रिटेन	1608-13 ई.	जहाँगीर
निकोलस डाउटन	ब्रिटेन	1615-17 ई.	जहाँगीर
सर टॉमस रो	ब्रिटेन	1615-19 ई.	जहाँगीर
एडवर्ड टेरी	ब्रिटेन	1616-19 ई.	जहाँगीर
पीटर मुण्डी	इटली	1630-34 ई.	शाहजहाँ
ट्रैवर्नियर	फ्रांस	1641-87 ई.	शाहजहाँ, औरंगजेब
मनूची	इटली	1656-87 ई.	औरंगजेब
वर्नियर	फ्रांस	1658-68 ई.	औरंगजेब

सिख धर्म गुरु और उनके कार्य

समय (गुरुकाल)	सिख गुरु	कार्य
1469 से 1538 ई.	गुरु नानक देव	सिख धर्म की स्थापना।
1538 से 1552 ई.	गुरु अंगद	गुरुमुखी लिपि के जनक।
1552 से 1574 ई.	गुरु अमरदास	गुरु प्रसार हेतु 22 गदियों की स्थापना।
1574 से 1581 ई.	गुरु रामदास	अमृतसर की स्थापना (1577), गुरु का पद पैतृक।
1581 से 1606 ई.	गुरु अर्जुन देव	'स्वर्ण मन्दिर' की नींव रखी, 'गुरु ग्रन्थ साहब' का संकलन, सिखों से उनकी आय का 10 प्रतिशत दान के रूप में लेने की प्रथा प्रारम्भ की।
1606 से 1645 ई.	गुरु हरगोविन्द सिंह	'अकाल तख्त' की स्थापना, सिखों को लड़ाकू जाति में बदला।
1645 से 1661 ई.	गुरु हरराय	उत्तराधिकार (मुगलों के) युद्ध में भाग।
1661 से 1664 ई.	गुरु हरकिशन	अल्पवयस्क अवस्था में ही मृत्यु।
1664 से 1675 ई.	गुरु तेग बहादुर	इस्लाम कुबूल न करने के कारण औरंगजेब द्वारा सिर कलम कर दिया गया।
1675 से 1708 ई.	गुरु गोविन्द सिंह	'खालसा' सेना की स्थापना, नाम के अन्त में 'सिंह', आनन्दपुर में अपना मुख्यालय बनाया, अन्तिम गुरु थे। इनका जन्म पटना में हुआ था।

भारतीय इतिहास (मध्यकालीन भारत)

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 82 |



शिवाजी एवं मराठा साम्राज्य

- 17वीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य के विघटन की प्रक्रिया प्रारम्भ होने के साथ ही देश में स्वतन्त्र राज्यों की स्थापना का जो सिलसिला आरम्भ हुआ उनमें राजनीतिक दृष्टि से सर्वाधिक शक्तिशाली राज्य मराठों का था।
- ग्राण्ट डफ के अनुसार सत्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में मराठों का उदय 'आकस्मिक अग्निकाण्ड' की भाँति हुआ।
- मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी थे।

शिवाजी (1627-80 ई.)

- जन्म—19 फरवरी, 1630 ई.
- पिता का नाम—शाहजी भोंसले
- माता का नाम—जीजाबाई
- पत्नी का नाम—तुकाबाई मोहिते, साइबाई निम्बालकर
- धार्मिक गुरु—स्वामी रामदास (धरकरी सम्प्रदाय)
- गुरु व संरक्षक—दादा कोणदेव
- राजधानी—रायगढ़
- व्यक्तित्व पर प्रभाव—माता जीजाबाई
- राज्याभिषेक—14 जून, 1674
- उपाधि—छत्रपति, राजा (औरंगजेब द्वारा दी गयी)
- निधन—3 अप्रैल, 1680
- शिवाजी के व्यक्तित्व पर महत्वपूर्ण प्रभाव माता जीजाबाई का पड़ा।
- शिवाजी ने 'हिन्दू पद पादशाही' अंगीकार की और हिन्दुत्व धर्मोद्धारक की उपाधि धारण की।
- सर्वप्रथम शिवाजी ने 1643 ई. में बीजापुर के सिंहगढ़ के किले पर अधिकार किया। तत्पश्चात् 1646 ई. में उन्होंने तोरण पर अधिकार कर लिया।
- 1656 ई. तक शिवाजी ने चाकन, पुरन्दर, बारामती, सूपा, तिकोना, लोहगढ़ आदि किलों पर अधिकार कर लिया।
- 1656 ई. में शिवाजी की महत्वपूर्ण विजय जावली की थी। जावली एक मराठा सरदार चन्द्रराव मोरे के अधिकार में था। अप्रैल, 1656 ई. में उन्होंने रायगढ़ के किले पर अधिकार कर लिया, जिसे उन्होंने अपनी राजधानी बनाया।
- शिवाजी की विस्तारवादी नीति से बीजापुर शासक सशंकित हो उठा, उसने शिवाजी की शक्ति को दबाने तथा कैद करने के लिए अपने योग्य सरदार अफजल खाँ को भेजा। ब्राह्मण दूत कृष्णाजी भास्कर से अफजल खाँ की मंशा का पता शिवाजी को चला।
- शिवाजी ने 2 नवम्बर, 1659 ई. को अफजल खाँ की हत्या कर दी।
- 1660 ई. में मुगल शासक औरंगजेब ने शाइस्ता खाँ को शिवाजी को समाप्त करने के लिए दक्षिण का गवर्नर बनाकर भेजा। शाइस्ता खाँ ने बीजापुर के शासक से मिलकर शिवाजी को समाप्त करने की योजना बनाई। शिवाजी ने अफजल खाँ पर रात्रि में चुपके से आक्रमण कर दिया। अफजल खाँ घबराकर भाग गया।
- शिवाजी ने 1664 ई. में एवं 1679 ई. में सूरत को लूटा।
- 1665 ई. में शिवाजी की जयसिंह से पुरन्दर की सन्धि हुई थी। जिसके अनुसार 1666 ई. में शिवाजी मुगल दरबार आगरा पहुँचे।
- शिवाजी मुगल दरबार (जयपुर भवन आगरा) में कैद से सफलतापूर्वक निकल कर भागे एवं 22 सितम्बर, 1666 ई. को रायगढ़ पहुँचे।



निम्न जाति आन्दोलन

- ❏ ज्योतिबा फूले ने अपनी पुस्तक 'गुलामगिरी' (1872) तथा 'सत्यशोधक समाज' जैसी पुस्तकों और संगठनों द्वारा निम्न जातियों को ब्राह्मणों और उनके धार्मिक ग्रन्थों से सुरक्षा दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया।
- ❏ डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने हरिजनों या दलितों के कल्याण एवं अछूतोद्धार हेतु 1924 ई. में **अखिल भारतीय दलित वर्ग** की स्थापना की तथा 1927 ई. में उन्होंने '**बहिष्कृत भारत**' नामक पत्रिका का प्रकाशन किया।
- ❏ **राष्ट्रपिता** महात्मा गांधी ने सर्वप्रथम अछूतों को हरिजन (भगवान के जन) का नाम दिया साथ ही इनके कल्याण के लिए 1932 ई. में '**अखिल भारतीय अस्पृश्यता निवारण संघ**' की स्थापना की, इसी संस्था को बाद में '**हरिजन सेवक संघ**' के नाम से जाना गया।
- ❏ 1906 ई. में बी. आर. शिन्दे ने '**डिप्रेस्ड क्लासेज मिशन सोसाइटी**' की स्थापना की।
- ❏ 1925 ई. में **बी. रामास्वामी नायकर** ने दक्षिण भारत में '**आत्मसम्मान आन्दोलन**' चलाया था। यह आन्दोलन दक्षिण भारत में ब्राह्मणों द्वारा जातीय भेदभाव के विरोध में प्रारम्भ किया गया था।
- ❏ **सी. एन. मुदालियर, टी. एम. नायर, पी. टी. चेन्नी** ने दक्षिण भारत में अस्पृश्यता को समाप्त करने के लिए 1916 ई. में '**जस्टिस पार्टी**' की स्थापना की।
- ❏ '**गुरु वायर सत्याग्रह**' दलित जातियों के मन्दिर प्रवेश के मुद्दे पर हुआ। इस आन्दोलन के नेतृत्वकर्ता **के. केलप्पण** थे। इस आन्दोलन में **पी. कृष्णापिल्लै व ए. के. गोपाल** जैसे नेताओं ने भाग लिया।
- ❏ **नदार आन्दोलन** द्वारा 1925 ई. में **तमिलनाडु** में सभाओं के माध्यम से **सामाजिक भेदभाव**, अस्पृश्यता का विरोध करना था तथा नदार जाति के सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देना था।

निम्न जाति आन्दोलन

संस्था	स्थान	संस्थापक	वर्ष
डिप्रेस्ड क्लास मिशन सोसायटी	बम्बई	वी.आर. शिन्दे	1906
बहुजन समान आंदोलन	महाराष्ट्र	शंकर राव जाधव	—
अखिल भारतीय अस्पृश्यता निवारण संघ	बम्बई	महात्मा गाँधी	1932
सत्य शोधक समाज	बम्बई	ज्योतिबा फूले	1873
'दि आल इण्डिया डिप्रेस्ड क्लास फेडरेशन'	बम्बई	डॉ. भीमराव अम्बेडकर	1920
बहिष्कृत हितकारिणी सभा	बम्बई	डॉ. भीमराव अम्बेडकर	1924
समाज समता संघ	बम्बई	डॉ. भीमराव अम्बेडकर	1927
ऑल इण्डिया डिप्रेस्ड क्लास एसोसिएसन	बम्बई	महात्मा गाँधी	1932
अनुसूचित जाति परिसंघ	—	डॉ. भीमराव अम्बेडकर	1942

दक्षिण भारत में निम्न जाति आन्दोलन

संस्था	स्थान	संस्थापक	वर्ष
अरुविप्पुरम आंदोलन	केरल	नारायण गुरु	1888
जस्टिस आन्दोलन (न्याय आन्दोलन)	द. भारत	सी.एन. मुदलियर, टी.एम. नायर, पी. त्यागराज	1916



संस्था	स्थान	संस्थापक	वर्ष
आत्म-सम्मान आन्दोलन	मद्रास	ई.वी. रामास्वामी नायकर उर्फ पेरियार	1920
नायर सर्विस सोसायटी	मद्रास	मन्नार पद्मानाभ पिल्लई	1914
प्रजा मित्र मण्डली	मद्रास	सी.आर. रेड्डी	—
वायकोम सत्याग्रह	त्राणकोर (केरल)	के.पी. केशव 'मेनन' तथा ई.वी. रामास्वामी नायकर	1924
गुरुवायूर सत्याग्रह	केरल	के. केलपन	1931-36

भारत में यूरोपीय आगमन

भारत में यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों के आगमन का क्रम निम्नवत् था—

क्र. सं.	देश	वर्ष	कम्पनी
1.	पुर्तगाली	1498	एस्तादो द इण्डिया
2.	डच	1602	वेरिंगीदे ओस्ट इंडिओ कम्पनी
3.	अंग्रेज	1600	द गवर्नर एण्ड कम्पनी ऑफ मर्चेण्ट्स ऑफ ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इण्डीज
4.	फ्रांसीसी	1664	कम्पनी द इंड ओरिएण्टल
5.	डेन	1616	डेन ईस्ट इण्डिया कम्पनी

पुर्तगाली (Portuguese)

- व्यापारिक उद्देश्य से भारत में आने वाले प्रथम यूरोपीय पुर्तगाली थे।
- भारत आने वाला प्रथम यूरोपीय तथा प्रथम पुर्तगाली **वास्कोडिगामा** था।
- अब्दुल मुनीक नामक गुजराती पथ प्रदर्शक की सहायता से वास्कोडिगामा 1498 ई. में कालीकट तट पर पहुँचा था, वहाँ के शासक जमोरिन ने उसका स्वागत किया।
- भारत आने वाला दूसरा पुर्तगाली **अल्बारेज कैब्राल** (1500 ई.) था।
- दूसरी बार **वास्कोडिगामा** 1502 ई. में भारत आया तथा कोचीन में 1503 ई. में पुर्तगाली फेक्ट्री तथा 1505 ई. में दूसरी फेक्ट्री कन्नूर में स्थापना की।
- फ्रांसिस्को डी अल्मेडा** 1505 ई. में भारत में प्रथम पुर्तगाली वायसराय बनकर आया।
- फ्रांसिस्को डी अल्मेडा ने भारत में **'नीले-पानी की नीति' (Blue Water Policy)** का अनुसरण किया जिसके अन्तर्गत हिन्द महासागर में पुर्तगालियों के प्रभुत्व को स्थापित करना था।
- अल्फ्रान्सो डी अल्बुकर्क** (1509 ई.) को भारत में पुर्तगालियों की शक्ति का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। 1510 ई. में इसने गोवा के समृद्ध बन्दरगाह पर अधिकार कर लिया, उस समय बीजापुर यूसुफ आदिल शाही सुल्तान के अधीन था।
- अल्बुकर्क ने पुर्तगालियों की संख्या भारत में बढ़ाने के लिए भारतीय महिलाओं से विवाह करने को प्रोत्साहित किया।
- निनो डी कुन्हा** (1529-38), अल्बुकर्क के बाद अगला पुर्तगाली गवर्नर बनकर भारत आया उसने मुगल सम्राट हुमायूँ और गुजरात के बहादुरशाह के बीच संघर्ष का लाभ उठाकर 1534 ई. में बेसीन और 1535 ई. में दीव पर अधिकार किया। कुन्हा ने 1530 ई. में शासन का मुख्य केन्द्र 'कोचीन' के स्थान पर 'गोवा' को बना दिया।

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 108 |



- भारत में पहली रेल लाइन का निर्माण 'ग्रेट इण्डियन पेनन्सुला' कम्पनी द्वारा किया था। इस पर पहली रेलगाड़ी ब्लैक ब्यूटी चलाई गयी।
- दूसरी रेल लाइन भारत में 1854 ई. में ईस्ट इण्डिया रेलवे द्वारा कलकत्ता से रानीगंज तक कुल 120 मील तक बनायी गयी तथा तीसरी रेल लाइन 'ग्रेट इण्डिया पेनन्सुला' कम्पनी द्वारा 1854 ई. में बम्बई से कल्याण तक कुल 32 मील दूरी तक बिछाई गयी।
- 1854 ई. में नया पोस्ट ऑफिस एक्ट पारित हुआ और भारत में पहली बार डाक टिकट (2 पैसे का डाक टिकट) का प्रचलन प्रारम्भ हुआ।
- इसी के समय में पहली बार सार्वजनिक निर्माण विभाग (1854 ई.) की स्थापना की गयी।
- 1852 ई. में डलहौजी ने पहली बार तार विभाग की स्थापना की। प्रथम टेलीग्राफ लाइन पेशावर से कलकत्ता, दूसरी कलकत्ता से रंगून तथा तीसरी कलकत्ता से आगरा के बीच शुरू की।
- 1852 ई. में इनाम कमीशन की स्थापना की गयी। इसका उद्देश्य भूमिकर रहित जागीरों का पता करके उन्हें छीनना था।
- द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध 1852 ई. में लोअर बर्मा एवं पीगू को अंग्रेजी राज्य में मिला लिया गया।
- डलहौजी ने भारत के बन्दरगाहों को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए खोल दिया।
- डलहौजी के कार्यकाल में जी.टी. रोड का पुनः निर्माण किया गया तथा गंगा नहर का निर्माण हुआ।

भारत के वायसराय

- 1858 के भारत सरकार अधिनियम द्वारा भारत के गवर्नर जनरल को अब वायसराय कहा जाने लगा। जो भारत में इंग्लैण्ड की सम्राज्ञी के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता था। अतः भारत का अन्तिम गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग था एवं भारत का प्रथम वायसराय भी लॉर्ड कैनिंग ही नियुक्त हुआ।

लॉर्ड कैनिंग (1856-62 ई.)

- कैनिंग के सामान्य सेना भर्ती अधिनियम, 1856 के अन्तर्गत अब भी नये सैनिक भर्ती किये जायेंगे, उन्हें सैन्य सेवा हेतु कहीं भी भेजा जा सकता है।
- इसके समय की सबसे महत्वपूर्ण घटना थी सन 1857 ई. का विद्रोह। इसी विद्रोह के बाद प्रशासनिक सुधार के अन्तर्गत भारत का शासन कम्पनी के हाथों से सीधे ब्रिटिश सरकार के नियन्त्रण में ले लिया गया।
- कैनिंग के समय में ही 1856 ई. में विधवा पुनर्विवाह अधिनियम पारित हुआ।
- व्यपगत सिद्धान्त (Doctrine of Lapse) यानी कि विलय की नीति को समाप्त कर दिया गया।
- 1856 ई. में पैतृक सम्पत्ति सम्बन्धी कानून में यह तय किया गया कि अब धर्म परिवर्तन से व्यक्ति को उसके पैतृक सम्पत्ति से वंचित नहीं किया जायेगा।
- लॉर्ड कैनिंग ने भारत में आर्थिक सुधारों के लिए इंग्लैण्ड के अर्थशास्त्री 'विल्सन' को भारत बुलाया, जिसने 500 रुपये से अधिक आय पर आयकर (Income Tax) लगा दिया तथा आयात कर को 10 प्रतिशत कम करके निर्यात कर 4 प्रतिशत बढ़ा दिया।
- इण्डियन पेनल कोड IPC (भारतीय दण्ड संहिता) का 1861 ई. से प्रारम्भ।
- कैनिंग के समय इण्डियन हाईकोर्ट एक्ट (1861 ई.) पारित हुआ, जिसके द्वारा बम्बई, कलकत्ता तथा मद्रास में एक-एक उच्च न्यायालय की स्थापना की गयी।
- कैनिंग के समय में 1861 ई. का भारतीय परिषद् अधिनियम पारित किया गया, जिसमें गवर्नर जनरल के कौंसिल के सदस्यों की संख्या 4 से बढ़ाकर 5 कर दी गयी तथा लेजिस्लेटिव कौंसिल के सदस्यों की संख्या 4 से बढ़ाकर 12 कर दी गयी।

Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART

search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 110 |



- इसके समय में बम्बई, मद्रास, हैदराबाद, पंजाब, मध्य भारत आदि में भयानक अकाल पड़ा। लिटन ने **रिचर्ड स्टेची** की अध्यक्षता में एक **‘अकाल आयोग’** की स्थापना की।
- 1 जनवरी, 1877 ई. को ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया को **‘कैसर-ए-हिन्द’** की उपाधि से सम्मानित करने के लिए **दिल्ली दरबार** का आयोजन किया गया।

दिल्ली दरबार समारोह

- प्रथम दिल्ली दरबार**—1 जनवरी, 1877 ई. में लॉर्ड लिटन द्वारा **रानी विक्टोरिया** को **‘कैसर-ए-हिन्द’** की उपाधि दी गयी।
- द्वितीय दिल्ली दरबार**—1 जनवरी, 1903 ई. में लॉर्ड कर्जन ने सम्राट **एडवर्ड सप्तम** की ताजपोशी की घोषणा की गयी। यह आयोजन मात्र शक्ति का प्रदर्शन था।
- तृतीय दिल्ली दरबार**—1 जनवरी, 1911 ई. में लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय द्वारा आयोजित जिसमें **जॉर्ज पंचम** तथा **रानी मेरी** ने बंग-भंग समाप्ति की घोषणा की साथ ही भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानान्तरित करने की घोषणा की।

- मार्च, 1878 ई. में लिटन ने **‘सोम प्रकाश’** समाचार-पत्र को प्रतिबन्धित करने के लिए **‘भारतीय समाचार-पत्र अधिनियम’** (वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट) पारित कर भारतीय समाचार-पत्रों पर कठोर प्रतिबन्ध लगा दिये।
- लिटन के ही समय में 1878 ई. में **‘भारतीय शस्त्र अधिनियम’ (Indian Arms Act)** पारित हुआ, इस अधिनियम के तहत बिना लाइसेंस के कोई व्यक्ति न तो शस्त्र रख सकता था, न ही व्यापार कर सकता था।
- लॉर्ड लिटन ने सिविल सेवा परीक्षाओं में प्रवेश की अधिकतम आयु सीमा 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दी।
- द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध (1878-80 ई.) में आरम्भ हुआ तथा युद्ध का अन्त **‘गण्डमक की सन्धि’** के द्वारा समाप्त हुआ।
- लिटन एक प्रतिक्रियावादी वायसराय था। उसकी नीतियों ने भारत की जनता में राष्ट्रीय भावना को जाग्रत कर दिया था।
- 1879 ई. में लिटन ने वैधानिक जनपद सेवा के अन्तर्गत ऐसे नियम बनाये जिसमें सरकार को कुछ उच्च कुल के भारतीयों को वैधानिक जनपद सेवा (Statutory Civil Services) में नियुक्ति का अधिकार दिया।
- लिटन ने **अलीगढ़** में एक **‘मुस्लिम-ऐंग्लो प्राच्य महाविद्यालय’** की स्थापना की।

लॉर्ड रिपन (1880-84 ई.)

- इसके सुधार कार्यों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य था—**स्थानीय स्वशासन (Local Self Government)**।
- इसने सिविल सेवा में प्रवेश की आयु को 19 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष कर दिया।
- इसके समय में ही भारत में सन् 1881 ई. में **सर्वप्रथम नियमित जनगणना करवायी गयी**। तब से लेकर अब तक प्रत्येक 10 वर्ष के अन्तराल पर जनगणना की जाती है।
- भारतीय मजदूरों की स्थिति में सुधार हेतु **प्रथम कारखाना अधिनियम, 1881** पारित किया। इसके अन्तर्गत 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों के काम करने के घण्टे निर्धारित कर दिये गये।
- रिपन के द्वारा ही शैक्षिक सुधारों के अन्तर्गत **1882 ई. में हण्टर कमीशन** का गठन किया गया। सर विलियम हण्टर को इसका अध्यक्ष बनाया गया। इसमें प्राइमरी व माध्यमिक शिक्षा पर विशेष बल दिया गया।
- अपने सुधार कार्यों के अन्तर्गत रिपन ने सर्वप्रथम समाचार-पत्रों की स्वतन्त्रता को बहाल करते हुए **1882 ई. में वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट** को समाप्त किया।



लॉर्ड वेवेल (1943-47 ई.)

- ❏ ब्रिटेन के आम चुनाव में कन्जर्वेटिव पार्टी की हार हुई तथा **क्लीमेण्ट एटली** के नेतृत्व में **लेबर पार्टी** सत्ता में आयी।
- ❏ 25 जून, 1945 ई. में लॉर्ड वेवेल ने संवैधानिक गतिरोध को दूर करने के लिए **काँग्रेस और मुस्लिम लीग** के प्रतिनिधियों को **"शिमला सम्मेलन"** में बुलाया, परन्तु दोनों की बातचीत असफल रही।
- ❏ 1945 ई. में आजाद हिन्द फौज के सिपाहियों पर दिल्ली के लाल किले में मुकदमा चला, जिसमें बचाव पक्ष के प्रमुख वकील **भूलाभाई देसाई** थे।
- ❏ सितम्बर, 1945 ई. में एटली ने भारत को स्वतन्त्र करने की ऐतिहासिक घोषणा की।
- ❏ बम्बई शाही नौसेना में 18 फरवरी, 1946 को **नौ सैनिकों का विद्रोह** हुआ। जिसे सरदार **बल्लभ भाई पटेल** ने शान्त कराया था।
- ❏ कैबिनेट मिशन मार्च, 1946 ई. में भारत आया। इस मिशन के सदस्य थे—**स्टेफोर्ड क्रिप्स, पैथिक लारेंस, ए. बी. अलेक्जेंडर**। काँग्रेस ने कैबिनेट मिशन प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया।
- ❏ मुस्लिम लीग ने कैबिनेट मिशन योजना को अस्वीकार कर दिया और **"16 अगस्त, 1946 की सीधी कार्यवाही दिवस"** का आयोजन किया।
- ❏ 20 फरवरी, 1947 ई. में **प्रधानमंत्री क्लीमेण्ट एटली** ने हाउस ऑफ कॉमन्स में यह घोषणा की कि **जून, 1948 ई. तक ब्रिटिश सरकार किसी उत्तरदायी सरकार के हाथ में सत्ता सौंप देगी।**

लॉर्ड माउण्टबेटन (1947-48 ई.)

- ❏ **लॉर्ड माउण्टबेटन** भारत का अन्तिम गवर्नर जनरल था तथा यह स्वतन्त्र भारत का प्रथम गवर्नर जनरल बना।
- ❏ स्वतन्त्र भारत के प्रथम एवं अन्तिम भारतीय गवर्नर जनरल **चक्रवर्ती राजगोपालाचारी** हुए। 21 जून, 1948 को पदारूढ़ हुए और 26 जनवरी, 1950 तक अपने पद पर रहे। तदोपरान्त 24 जनवरी, 1950 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद निर्वाचित हुए।
- ❏ 4 जुलाई, 1947 ई. को ब्रिटिश संसद में एटली द्वारा भारतीय स्वतन्त्रता विधेयक प्रस्तुत किया गया, जिसे 18 जुलाई, 1947 ई. को स्वीकृति मिली। विधेयक के अनुसार भारत और पाकिस्तान दो स्वतन्त्र राष्ट्रों की घोषणा की गयी।
- ❏ 15 अगस्त, 1947 ई. को **भारत तथा पाकिस्तान अलग हुए**, जिसमें **14 अगस्त को पाकिस्तान तथा 15 अगस्त, 1947 को भारत स्वतन्त्र हुआ।**
- ❏ 15 अगस्त को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में पं. जवाहरलाल नेहरू ने आकाशवाणी नई दिल्ली से राष्ट्र को सम्बोधित किया।
- ❏ कश्मीर के **महाराजा हरिसिंह ने 26 अक्टूबर, 1947 को कश्मीर का विलय भारत में किये जाने का समर्थन किया था।**
- ❏ 30 जनवरी, 1948 को **महात्मा गांधी की हत्या नाथूराम गोडसे ने कर दी।**

भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

1857 विद्रोह का आरम्भ और विस्तार

- ❏ 1857 के विद्रोह का प्रतीक चिह्न **कमल व रोटी** था।
- ❏ 1857 के विद्रोह के समय भारत के गवर्नर जनरल **लॉर्ड कैनिंग** तथा ब्रिटेन का प्रधानमंत्री **विस्कांण्ट पामर्सटन** था। इस विद्रोह के दौरान लॉर्ड कैनिंग ने अपना आपातकालीन मुख्यालय इलाहाबाद बनाया।



- फैजाबाद में 1857 ई. के विद्रोह को मौलवी अहमदुल्ला ने अपना नेतृत्व प्रदान किया। अहमदुल्ला की गतिविधियों से अंग्रेज इतने चिन्तित थे कि इन्हें पकड़ने के लिए 50,000 रुपये का नकद इनाम घोषित किया।
- 1857 के विद्रोह में भाग लेने वाले सर्वाधिक सिपाहियों की संख्या **अवध** से थी।

1857 का विद्रोह : विभिन्न विद्वानों की नजर में

विद्रोह का स्वरूप	विद्वानों के मत
सैनिक विद्रोह	जॉन लारेंस और सीलें
ईसाई धर्म के विरुद्ध एक धर्म युद्ध	एल. ई. आर. रीज
सभ्यता और बर्बरता का संघर्ष	टी. आर. होम्स
राष्ट्रीय स्वरूप	अशोक मेहता
राष्ट्रीय विद्रोह	डिजरायली
भारत का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम	वीर सावरकर
सामान्य जनता का विद्रोह	शशि भूषण चौधरी
ईश्वर द्वारा भेजी गयी विपत्ति	ईसाई मिशनरी तथा इवेंजिकल विचारधारा
काली और श्वेत जाति का संघर्ष	के. जे. जी. भीडले

- असम में 1857 ई. के विद्रोह का नेतृत्व **दीवान मनीराम दत्त** ने किया था।
- 1857 ई. के विद्रोह के दौरान **नाना साहब** और **बेगम हजरतमहल** भागकर नेपाल चले गये थे।
- 1857 ई. के विद्रोह के प्रमुख नायकों में से **राव तुलाराम** एक था जिसने काबुल में **आजाद हिन्द फौज** की स्थापना की थी।

1857 के विद्रोह के अन्य नेता

क्र. सं.	विद्रोह का केन्द्र	विद्रोही नेता
1.	मेरठ	कदम सिंह
2.	हरियाणा	राव तुलाराम
3.	सुल्तानपुर	शहीद हसन
4.	रामगढ़ (म.प्र.)	रानी अवंतीबाई
5.	गोरखपुर	गजाधर सिंह
6.	मथुरा	देवी सिंह
7.	सतारा	रंगो बापूजी गुरते
8.	हैदराबाद	सोनाजी पंत
9.	कर्नाटक	भीमराव मुंडर्गी
10.	मद्रास	गुलाम गौस, शेख इब्राहिम
11.	कोयम्बटूर	गुलबाग स्वामी
12.	असम	मनिराम दत्त, कदपेश्वर सिंह, पियाली सची कोनजी

Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART

search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 120 |



क्र. सं.	भारतीय नायक (विद्रोह के)	समय (विद्रोह का)	केन्द्र	ब्रिटिश नायक	दमन का समय
6.	कुँवर सिंह	अगस्त, 1857	जगदीशपुर (बिहार)	कर्नल नील	1858
7.	खान बहादुर खाँ	1857	बरेली	विलियम टेलर	1858
8.	मौलवी अहमद उल्ला	1857	फैजाबाद	जनरल रेनार्ड	1858
9.	अजीजमुल्ला	1857	फतेहपुर	जनरल रेनार्ड	1858

1857 के विद्रोह के दौरान बंगाल, पंजाब, राजपूताना, सिन्धिया (ग्वालियर), हैदराबाद, मद्रास आदि ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ विद्रोह नहीं पनपा था, यहाँ के शासकों ने विद्रोह को कुचलने में अंग्रेजी सरकार की मदद की थी।

1857 पर महत्वपूर्ण पुस्तकें

1. 'फर्स्ट वार ऑफ इण्डियन इण्डिपेण्डेन्स'—**वी. डी. सावरकर**
2. 'द ग्रेट रेबेलियन'—**अशोक मेहता**
3. 'द सिपोय म्यूटनी एण्ड द रिवोल्ट ऑफ 1857'—**आर. सी. मजूमदार**
4. 'अट्टारह सौ सत्तावन'—**सुरेन्द्र नाथ सेन**
5. 'सिविल रिबेलियन इन द इण्डियन म्यूटनीज'—**शशि भूषण चौधरी**
6. 'भारत का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम, 1857-59'—**कार्ल मार्क्स और एंजेल्स**
7. 'ब्रिटिश पैरामाउण्टसी एण्ड इण्डियन रेनेसा'—**आर. सी. मजूमदार**
8. 'रिबेलियन (1857)'—**पी.सी. जोशी**
9. 'हिस्ट्री ऑफ इंडियन म्यूटिनी'—**टी.आर. होक्स**
10. 'द सिपाय म्यूटिनी ऑफ 1857'—**ए.पी. चट्टोपाध्याय**
11. 'असबाब-ए-बगावत-ए-हिन्द व द कॉजेज ऑफ द इंडियन रिवोल्ट'—**सर सैयद अहमद खाँ**

भारतीय भाषा में 1857 के विप्लव के कारणों पर लिखने वाला प्रथम भारतीय **सैयद अहमद खाँ** थे।

1857 के विद्रोह के सरकारी इतिहासकार **सुरेन्द्र नाथ सेन** थे।

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस (1885 ई.)

26 जुलाई, 1876 को **सुरेन्द्र नाथ बनर्जी** ने **आनन्द मोहन बोस** के सहयोग से **इण्डियन एसोसिएशन** या **भारत संघ** की स्थापना कलकत्ता में की। यह तत्कालीन राजनीतिक संस्थाओं में सबसे प्रमुख एवं महत्वपूर्ण थी, जिसे काँग्रेस से पूर्व अखिल भारतीय स्तर की संस्था का सम्मान प्राप्त था।

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना 1885 ई. में अवकाश प्राप्त अंग्रेज अधिकारी **एलन अक्टोवियन ह्यूम** द्वारा की गयी। वही इसके महासचिव थे। इसे ही '**हरमिट ऑफ शिमला**' कहा जाता है।

Call / Whatsapp : 700254055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

127



काँग्रेस के लखनऊ अधिवेशन (1916) में बाल गंगाधर तिलक ने कहा था। "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और इसे मैं लेकर रहूँगा।"

प्रमुख भारतीय क्रान्तिकारी संगठन

संगठन	संस्थापक	स्थान	स्थापना वर्ष (ई.)
इण्डियन एसोसिएशन	सुरेन्द्र नाथ बनर्जी एवं आनन्द मोहन बोस	पूना	1896-97
व्यायाम मण्डल	चापेकर बन्धु	पूना	1896-97
मित्र मेला	सावरकर बन्धु	पूना	1899
ढाका अनुशीलन समिति	पी. मित्रा और पुलिन दास	मिदनापुर	1904
अभिनव भारत	वी. डी. सावरकर	पूना	1904
स्वदेश बान्धव समिति	अश्विनी कुमार दत्त	बारिसाल	1905
भारत माता सोसाइटी	अजीत सिंह व अम्बा प्रसाद	पंजाब	1907
हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन	शचीन्द्र सान्याल	कानपुर	1924
नौजवान सभा	भगत सिंह	लाहौर	1926
हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन	चन्द्रशेखर आजाद	दिल्ली	1928
इण्डियन रिपब्लिक आर्मी	सूर्यसेन	चट्टागाँव (बंगाल)	1930

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का प्रथम सरकारी इतिहास पट्टाभि सीतारमैया ने लिखा।

विदेशों में प्रमुख भारतीय क्रान्तिकारी संगठन

संगठन	संस्थापक	स्थान	स्थापना वर्ष (ई.)
ब्रिटिश इण्डिया सोसायटी	विलियम एडम	1839 ई.	लन्दन (इंग्लैण्ड)
ईस्ट इण्डिया एसोसिएशन	दादा भाई नौरोजी	1866 ई.	लन्दन (इंग्लैण्ड)
नेशनल इण्डिया एसोसिएशन	मेरी कारपेण्टर और मैनिंग	1870-71 ई.	लन्दन (इंग्लैण्ड)
इण्डिया हाउस	श्यामजी कृष्ण वर्मा	1904 ई.	लन्दन (इंग्लैण्ड)
अभिनव भारत	वी. डी. सावरकर	1906 ई.	लन्दन (इंग्लैण्ड)
इण्डियन इण्डिपेण्डेन्स लीग	तारकनाथ	1907 ई.	अमरीका
यूनाइटेड इंडिया हाउस	तारकनाथ दास जी. डी. कुमार	1908 ई.	सिस्टल (यू.एस.ए.)

भारतीय इतिहास (आधुनिक भारत)



व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940 ई.)

- ❧ काँग्रेस के द्वारा अगस्त प्रस्ताव को पूरी तरह से ठुकरा दिया तथा गांधीजी के नेतृत्व में व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू करने का निर्णय लिया गया। यह सत्याग्रह ब्रिटिश सरकार की भारत नीति के प्रति नैतिक विरोध की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति थी।
- ❧ 17 अक्टूबर, 1940 को 'व्यक्तिगत सत्याग्रह' की शुरुआत हुई और गांधीजी ने प्रथम सत्याग्रही के रूप में **विनोबा भावे** को मनोनीत किया तथा दूसरे सत्याग्रही **पं. जवाहर लाल नेहरू** थे।
- ❧ **एलन कैम्बल जौनसन** ने गाँधी-इर्विन समझौते में गाँधी जी के लाभ को '**सांत्वना पुरस्कार**' कहा।
- ❧ इस सत्याग्रह में कुल करीब 25,000 सत्याग्रही जेल गये जिसमें काँग्रेस के वरिष्ठ नेता व विधानमण्डल के सदस्य भी थे।

प्रमुख क्रान्तिकारी पुस्तकें, पत्र व पत्रिकाएँ

बम मैनुआल	—	पी. एन. वापट
बन्दी जीवन	—	शचीन्द्र नाथ सान्याल
भवानी मन्दिर	—	अरविन्द घोष
युगान्तर	—	वारीन्द्र कुमार घोष, भूपेन्द्रनाथ दत्त
सन्ध्या	—	मुखदाचरण
भारतमाता	—	अजीत सिंह
मदर	—	लाला हरदयाल
भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम	—	वी. डी. सावरकर
वन्देमातरम् (पत्रिका)	—	भीकाजी रूस्तम कामा
वन्देमातरम् (पत्र)	—	अरविन्द घोष
पाथेर दावी	—	शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय
इण्डियन सोशियोलॉजिस्ट	—	श्यामजी कृष्ण वर्मा
वर्तमान रणनीति	—	बारीन्द्र कुमार घोष
सक्युलर-ए-आजादी	—	रामनाथपुरी

स्वतन्त्रता आन्दोलन से सम्बन्धित पुस्तकें/पत्र-पत्रिकाएँ

क्र. सं.	पुस्तकें/ पत्र-पत्रिकाओं के नाम	लेखक
1.	असबाबे बगावते हिन्द	सर सैय्यद अहमद खाँ
2.	सत्यार्थ प्रकाश	दयानन्द सरस्वती
3.	पाँवटी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया	दादा भाई नौरोजी
4.	आनन्दमठ, बंग दर्शन, चन्द्रशेखर	बंकिमचन्द्र चटर्जी
5.	वामबोधिनी	केशवचन्द्र सेन
6.	सोशल रिफॉर्मर्स एण्ड राज ऑफ द मराठा पॉवर, एसे इन इण्डियन इकोनोमिक्स	एम. जी. रानाडे
7.	गीतांजलि, गोरा, द हंग्री स्टोन्स	रवीन्द्रनाथ टैगोर
8.	हाउ इण्डिया वॉट फॉर फ्रीडम	एनी बेसेन्ट

Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 148 |

राष्ट्रीय स्वतंत्रता आन्दोलन सम्बन्धी प्रमुख वचन व नाटे



11

11

11

11

11

प्रसिद्ध वचन/नाटे	सम्बन्धित व्यक्ति
"हे राम"	महात्मा गांधी
"करो या मरो"	महात्मा गांधी
"हमने घुटने टेक कर रोटी माँगी, किन्तु उत्तर में पत्थर मिले"	महात्मा गांधी (सविनय अवज्ञा आन्दोलन के पूर्व)
"यह एक ऐसा चैक है, जिसका बैंक पहले ही नष्ट हो जाने वाला था"	महात्मा गांधी
"भारत छोड़ो"	महात्मा गांधी
"स्वराज हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है"	बाल गंगाधर तिलक
"सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है"	रामप्रसाद बिस्मिल
"वन्दे मातरम्"	बंकिमचन्द्र चटर्जी
"सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा"	इकबाल
"जन-गण-मन अधिनायक जय हो"	रवीन्द्रनाथ टैगोर
"इन्कलाब जिन्दाबाद"	भगतसिंह
"दिल्ली चलो"	सुभाषचन्द्र बोस
"जय हिन्द"	सुभाषचन्द्र बोस
"मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के कफन में कील सिद्ध होगी"	लाला लाजपत राय
"पूर्ण स्वराज"	पं. जवाहर लाल नेहरू
"विजयी विश्व तिरंगा प्यारा"	श्यामलाल गुप्ता
"आराम हराम है"	पं. जवाहर लाल नेहरू
"वेदों की ओर लौटो"	दयानन्द सरस्वती
"समूचा भारत एक बन्दीगृह है"	सी. आर. दास

प्रसिद्ध वचन/नाटे	सम्बन्धित व्यक्ति
"हू लिक्स इफ इण्डिया डाइज"	पं. जवाहर लाल नेहरू
"हिन्दी, हिन्दू, हिन्दोस्तान"	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
"जय जवान, जय किसान"	लाल बहादुर शास्त्री
"मारो फिरंगी को"	मंगल पाण्डे
"जय जगत"	विनोबा भावे
"कर मत दो"	सरदार बल्लभभाई पटेल
"सम्पूर्ण क्रान्ति"	जयप्रकाश नारायण
"साम्राज्यवाद का नाश हो"	भगतसिंह
"तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा"	सुभाषचन्द्र बोस
"साइमन कमीशन वापस जाओ"	लाला लाजपत राय
"मुसलमान मूर्ख थे, जो उन्होंने सुरक्षा की माँग की और हिन्दू उनसे भी बड़े मूर्ख थे, जो उन्होंने उस माँग को ठुकरा दिया"	अबुल कलाम आजाद
"दरो-दीवार ये हसरत की नजर करते हैं, खुश रहो अहले-वतन हम तो सफर करते हैं।"	वाजिद अलीशाह

संघ एवं रेलवे, बी.एस.एफ. एर
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000
or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

टेबिल),
विभाग,
में हेतु उपयोगी।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी



100% TO THE POINT

सामान्य विज्ञान

750 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों सहित



-दिवाकर गुप्ता

भौतिक

रसायन

जन्तु

वनस्पति

पृष्ठ-96

पर्यावरण एवं परिस्थितिकी के महत्वपूर्ण तथ्यों सहित

- सामान्य विज्ञान के सभी तथ्यों का **One Liner** व **Tables** द्वारा प्रस्तुतिकरण।
- विज्ञान के **महत्वपूर्ण चित्र** व **चार्ट** सहित।
- विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों पर आधारित।
- परिभाषाओं का सरल व रोचक प्रस्तुतिकरण।

मूल्य-90



100% TO THE POINT

सामान्य हिन्दी

शॉर्ट ट्रिक्स के साथ



विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के हल प्रश्न-पत्र के साथ

-मोहित तेजस



पृष्ठ-72

- सामान्य हिन्दी से सम्बन्धित सभी परिभाषाओं का **सहज, सरल** एवं **रोचक** प्रस्तुतिकरण।
- सामान्य हिन्दी के तथ्यों का **एक पंक्ति व तालिकाओं** द्वारा प्रस्तुतिकरण।
- **हिन्दी परिज्ञान** एवं **हिन्दी गद्य, पद्य का इतिहास** एवं विकास।
- **हिन्दी साहित्य एवं संस्कृत साहित्य** की प्रमुख रचनाएँ एवं उनके रचनाकार।
- विविध प्रतियोगी परीक्षाओं के हल प्रश्न-पत्र के साथ।

मूल्य-70

3

भारतीय राजव्यवस्था

भारतीय संविधान

भारत का संवैधानिक विकास

(Constitutional Development of India)

- प्लासी का युद्ध (1757 ई.) तथा बक्सर का युद्ध (1764 ई.) में अंग्रेजों की सफलता के बाद बंगाल पर ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी के अनुसार शासन को संचालित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।
- भारत में संविधान निर्माण से पूर्व ब्रिटिश संसद द्वारा ऐसे अधिनियम/चार्टर पारित किये गये थे, जिन्हें भारतीय संविधान का आधार कहा जा सकता है। ये निम्नलिखित हैं—
- रेगुलेटिंग एक्ट, 1773**
 - ब्रिटिश प्रधानमंत्री लॉर्ड नार्थ द्वारा 1772 ई. में गठित गुप्त समिति के प्रतिवेदन पर 1773 ई. में ब्रिटिश संसद द्वारा रेगुलेटिंग एक्ट पारित किया गया।
 - बंगाल का शासन गवर्नर जनरल तथा चार सदस्यीय परिषद् में निहित किया गया।
 - मद्रास तथा मुम्बई प्रेसीडेंसी को बंगाल प्रेसीडेंसी के अधीन कर दिया गया तथा बंगाल के गवर्नर को तीनों प्रेसीडेंसियों का गवर्नर बनाया गया।
 - कलकत्ता में उच्चतम न्यायालय की स्थापना का प्रावधान किया गया। इसमें एक मुख्य न्यायाधीश तथा तीन अपर न्यायाधीश होते थे।
 - सर एलिजा इम्पे को कलकत्ता उच्चतम न्यायालय का प्रथम न्यायाधीश नियुक्त किया गया।
 - कम्पनी के संचालक मण्डल के सदस्यों का कार्यकाल 4 वर्ष कर दिया गया।
 - इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत वारेन हेस्टिंग्स को बंगाल का गवर्नर जनरल बनाया गया, जिसे बंगाल का प्रथम गवर्नर जनरल कहा गया।
- पिट्स इण्डिया एक्ट, 1784**
 - रेगुलेटिंग एक्ट की विसंगतियों, कम्पनी के कुशासन, अन्याय, अत्याचार के कारण कम्पनी की गिरती साख को बचाने के लिए यह अधिनियम पारित किया गया।

**● भारत सरकार अधिनियम, 1858**

- ✚ इस अधिनियम द्वारा भारत का शासन ईस्ट इण्डिया कम्पनी से लेकर ब्रिटिश क्राउन को सौंप दिया गया।
- ✚ इस अधिनियम को "भारतीय स्वतन्त्रता का मैग्नाकार्टा" तथा "एक्ट ऑफ़ दी बेटर गवर्नमेण्ट ऑफ़ इण्डिया" की संज्ञा दी गई।
- ✚ भारत के गवर्नर जनरल को अब वायसराय की उपाधि मिली, जो क्राउन का सीधा प्रतिनिधि था।
- ✚ 1784 ई. को पिट्स इण्डिया एक्ट द्वारा लागू वैध शासन प्रणाली समाप्त कर दी गयी।
- ✚ भारत का शासन अब सम्राज्ञी द्वारा नियुक्त 15 सदस्यीय एक परिषद् को सौंप दिया गया, जिसका अध्यक्ष मुख्य राज्य सचिव या भारत राज्य सचिव के नाम से विभूषित किया गया।
- ✚ भारत के लोगों को लोक सेवाओं में अपनी शिक्षा, योग्यता तथा विश्वसनीयता के आधार पर स्वतन्त्र तथा निष्पक्ष भर्ती के मूलवंश, लिंग, धर्म तथा निवास स्थान के आधार पर विभेद नहीं किया जायेगा।

● भारतीय परिषद् अधिनियम, 1861

- ✚ यह ऐसा पहला अधिनियम था, जिसमें विभागीय प्रणाली एवं मन्त्रिमण्डलीय प्रणाली की नींव रखी गई। इस अधिनियम द्वारा ही भारतवासियों को अपने देश के प्रशासन में कुछ हिस्सा लेना सम्भव बनाया।
- ✚ गवर्नर जनरल को पहली बार अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गई।
- ✚ विधान परिषद् की शक्ति अत्यन्त सीमित थी। सदस्यों को प्रशासन अथवा वित्त सम्बन्धी प्रश्नों को पूछने का कोई अधिकार नहीं था।
- ✚ वायसराय को संकटकालीन अवस्था में विधान परिषद् की सलाह के बिना ही अध्यादेश जारी करने की अनुमति प्राप्त थी।
- ✚ गवर्नर जनरल को बंगाल, उत्तर-पश्चिमी सीमान्त प्रान्त और पंजाब में विधान परिषद् स्थापित करने की शक्ति प्रदान की गई।
- ✚ गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् में विधि निर्माण हेतु 6 से 12 अतिरिक्त सदस्यों की नियुक्ति की गई जिनमें आधे गैर-सरकारी हो सकते थे, किन्तु इन्हें वास्तविक अधिकार प्राप्त नहीं थे।
- ✚ मुम्बई, चेन्नई तथा कोलकाता में उच्च न्यायालयों की स्थापना हुई।

● भारतीय परिषद् अधिनियम, 1892

- ✚ इस अधिनियम द्वारा अप्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली की शुरुआत हुई।
- ✚ इसके द्वारा राजस्व एवं व्यय बजट पर बहस करने तथा कार्यकारिणी से प्रश्न पूछने की शक्ति दी गई, परन्तु मत डालने का अधिकार नहीं दिया गया था।
- ✚ इस अधिनियम द्वारा केन्द्रीय तथा प्रान्तीय विधान परिषदों की सदस्य संख्या में वृद्धि की गई।

● भारत सरकार अधिनियम, 1909

- ✚ इस अधिनियम को मार्ले-मिण्टो सुधार के नाम से भी जाना जाता है।
- ✚ इस अधिनियम में पहली बार मुस्लिम समुदाय के लिए पृथक् प्रतिनिधित्व का उपबन्ध किया गया, यही अधिनियम अन्ततः भारत विभाजन का कारण बना।
- ✚ इस अधिनियम द्वारा विधान परिषदों के अधिकारों में वृद्धि हुई, उसे सामान्य सार्वजनिक हितों से सम्बन्धित प्रस्तावों पर बहस करने तथा पूरक प्रश्न पूछने और मत देने का अधिकार मिला।



समिति	अध्यक्ष
संघीय संविधान समिति	पं. जवाहर लाल नेहरू
परामर्श समिति	सरदार बल्लभ भाई पटेल
कार्य संचालन समिति	के. एम. मुंशी
राज्य समिति	पं. जवाहर लाल नेहरू
सर्वोच्च न्यायालय समिति	एस. वारदाचारियार
मूल अधिकार उपसमिति	जे. बी. कृपलानी
अल्पसंख्यक उपसमिति	एच. सी. मुखर्जी

भारतीय संविधान के प्रमुख स्रोत

- **संयुक्त राज्य अमरीका**—मौलिक अधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन, संविधान की सर्वोच्चता, स्वतन्त्र न्यायपालिका का गठन व शक्तियाँ, निर्वाचित राष्ट्रपति व उस पर महाभियोग, उपराष्ट्रपति का पद, उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया।
- **ब्रिटेन**—मंत्रिमंडलीय सरकार, संसदीय शासन प्रणाली, एकल नागरिकता एवं विधि निर्माण प्रक्रिया।
- **कनाडा**—संघात्मक शासन व्यवस्था, अवशिष्ट शक्तियाँ (Residual Power) केन्द्र के पास, केन्द्र-राज्य सम्बन्ध, राज्यपाल की नियुक्ति विषयक प्रक्रिया, विधेयक सुरक्षित रखना।
- **आयरलैण्ड**—राज्य के नीति निर्देशक तत्त्व, राष्ट्रपति निर्वाचन के लिए निर्वाचक मण्डल की व्यवस्था, राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में 12 सदस्यों का मनोनयन।
- **जर्मनी**—आपात-उपबन्ध।
- **ऑस्ट्रेलिया**—समवर्ती सूची, केन्द्र-राज्य के बीच शक्तियों का विभाजन, प्रस्तावना की भाषा।
- **दक्षिण अफ्रीका**—संविधान संशोधन की प्रक्रिया।
- **जापान**—कानून (विधि) द्वारा स्थापित प्रक्रिया।
- **रूस**—मौलिक कर्तव्य, पंचवर्षीय योजना।
- **फ्रांस**—गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था।

भारतीय संविधान की विशेषताएँ

1. **लिखित एवं निर्मित संविधान**—भारत का संविधान, संविधान सभा द्वारा लिखित रूप से निर्मित किया गया है, जबकि ब्रिटेन का संविधान अलिखित है।
2. **विशाल संविधान**—हमारे संविधान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद तथा 12 अनुसूचियाँ हैं, परन्तु संख्या के आधार पर अब इसमें 444 अनुच्छेद और 26 भाग हैं।
3. **संघात्मक एवं एकात्मक तत्त्वों का समन्वय**—भारतीय संविधान में संघात्मक और एकात्मक दोनों गुण पाये जाते हैं। इसलिए इसे अर्द्ध-संघात्मक (Quasi federal) कहते हैं।
 - (i) **संघात्मक लक्षण**—लिखित संविधान, संविधान की सर्वोच्चता, सर्वोच्च न्यायालय, शक्तियों का विभाजन (केन्द्र व राज्य के बीच), कठोर संविधान।
 - (ii) **एकात्मक लक्षण**—शक्तियों का विभाजन केन्द्र के पक्ष में, इकहरी नागरिकता, राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा, राष्ट्रपति की संकटकालीन शक्तियों, आर्थिक दृष्टि से राज्यों का केन्द्र पर निर्भर रहना।
4. **वयस्क मताधिकार**—संविधान के 61वें संशोधन के द्वारा यहाँ वयस्क मताधिकार की आयु 18 वर्ष कर दी गयी है।



मूल कर्तव्य (भाग 4 (क) अनुच्छेद 51 (क)) (Fundamental Duties)

स्वर्ण सिंह समिति की रिपोर्ट के आधार पर 42वें संविधान संशोधन 1976 द्वारा संविधान के भाग 4 में एक नया अध्याय भाग 4 (क) जोड़ा गया है, जिसमें नागरिकों के मूल कर्तव्यों का उल्लेख किया गया है। अनुच्छेद 51 (क) के अनुसार भारत के प्रत्येक नागरिक के 10 मूल कर्तव्य होंगे। 86वें संविधान संशोधन के द्वारा 11वाँ मूल कर्तव्य जोड़ा गया है।

- (1) संविधान का पालन करें, राष्ट्र-ध्वज, राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान का आदर करें।
- (2) स्वतन्त्रता आन्दोलन को प्रेरित करने वाले आदर्शों को हृदय में सँजोयें।
- (3) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण रखें।
- (4) देश की रक्षा तथा राष्ट्र की सेवा करें।
- (5) भ्रातृ भावना का निर्माण करें।
- (6) सामाजिक, सांस्कृतिक परम्परा के महत्त्व को समझें।
- (7) प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करें।
- (8) मानववाद तथा सुधार की भावना का विकास करें।
- (9) सार्वजनिक सम्पत्ति की सुरक्षा करें।
- (10) सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ें, जिससे राष्ट्र की प्रगति हो।
- (11) माता-पिता या अभिभावकों का कर्तव्य है कि 6 से 14 वर्ष के बच्चों हेतु प्राथमिक शिक्षा प्रदान कराना (86वें संविधान संशोधन)।

जहाँ तक मौलिक कर्तव्यों को न्यायालय द्वारा लागू करवाने की बात है, यह कठिन नहीं, असम्भव है। मौलिक कर्तव्यों को न्यायालय द्वारा लागू नहीं करवाया जा सकता।

- ❖ 42वें संविधान संशोधन (1976) द्वारा संविधान के भाग IV के अनुच्छेद 51 (क) में दस मौलिक कर्तव्यों का समावेश किया गया है, लेकिन इन्हें लागू करवाने के लिए कोई भी उपबन्ध नहीं किया है।
- ❖ संविधान के भाग 4 के अधीन अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों का उल्लेख किया गया है। ये न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं होते।
- ❖ अधिकांशतः नीति निदेशक तत्त्वों का उद्देश्य आर्थिक तथा सामाजिक लोकतन्त्र स्थापित करना है, अर्थात् कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है, जिसका संकल्प उद्देशिका में लिया गया है।

संघ की कार्यपालिका

राष्ट्रपति (President)

संविधान के अनुच्छेद 52 के अनुसार, देश में एक राष्ट्रपति होगा। संघीय कार्यपालिका की शक्ति राष्ट्रपति में निहित है। (अनुच्छेद 53) जिसका उपयोग वह प्रधानमन्त्री की अध्यक्षता में गठित मन्त्रपरिषद् की सहायता से करता है। राष्ट्रपति कार्यपालिका अध्यक्ष (Executive Head) कहलाता है। राष्ट्रपति का निर्वाचन ऐसे निर्वाचक गण के सदस्य करेंगे जिसमें—

- (क) संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य।
- (ख) राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य होंगे।

(ग) मई, 1992 में 70वें संविधान संशोधन के द्वारा पाण्डिचेरी (पुदुचेरी) तथा दिल्ली की विधान सभाओं को भी इस निर्वाचक मण्डल में सम्मिलित किया गया है।

नोट—राष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल में संसद और विधान सभाओं के मनोनीत सदस्य सम्मिलित नहीं होंगे।



भारत की निधि (Fund of India)

भारत की संघित निधि (Consolidated Fund of India)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 266 (1) में संघित निधि का प्रावधान है। संघित निधि से धन अनुदान माँगों के द्वारा ही व्यय किया जाता है। सरकार को मिलने वाले सभी राजस्वों; जैसे—सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, सम्पदा शुल्क, आयकर व अन्य शुल्क और सरकार द्वारा दिये गये ऋणों की वसूली से जो धन प्राप्त होते हैं, वे संघित निधि में जमा किये जाते हैं। संसद की स्वीकृति के पश्चात् सरकार अपने सभी खर्चों का वहन इसी निधि से करती है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक, सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, राज्यसभा के सभापति, उपसभापति, लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष आदि के वेतन एवं भत्ते संघित निधि पर भारित होते हैं।

भारत की आकस्मिक निधि (Contingency Fund of India)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 267 में आकस्मिक निधि का प्रावधान है। इसमें संसद द्वारा पारित कानूनों द्वारा समय-समय पर धन जमा किया जाता है। यह निधि राष्ट्रपति के नियन्त्रण में होती है तथा देश में उत्पन्न होने वाली आकस्मिक घटनाओं का सामना करने के लिए राष्ट्रपति इस निधि से सरकार को आवश्यक धन देता है। संसद से इस राशि की स्वीकृति लेना अनिवार्य है। विशेष परिस्थितियों में राष्ट्रपति अग्रिम रूप से इस निधि से धन निकाल सकते हैं।

भारत का महान्यायवादी (Attorney General of India)

संविधान के अनुच्छेद 76 में 'भारत का महान्यायवादी' पद की व्यवस्था की गयी है। इस पद पर नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और राष्ट्रपति ऐसे किसी व्यक्ति की नियुक्ति करेगा, जिसमें उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने की योग्यता हो।

महान्यायवादी भारत सरकार का विधि अधिकारी होता है।

महान्यायवादी राष्ट्रपति के प्रसाद-पर्यन्त पद को धारण करेगा तथा उसे वे वेतन, भत्ते प्राप्त होंगे, जो राष्ट्रपति निर्धारित करे।

महान्यायवादी को लोक सभा अथवा राज्य सभा में या संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में भाग लेने और भाषाण देने का अधिकार प्राप्त है, परन्तु वह मतदान में भाग नहीं ले सकता है क्योंकि वह संसद का सदस्य नहीं है।

महान्यायवादी को अपने कर्तव्यों के पालन में भारत के राज्य क्षेत्र में सभी न्यायालयों में उपस्थित होने का अधिकार होगा।

भारत का नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General of India)

इस पद का सृजन सर्वप्रथम 1857 में लॉर्ड कैनिंग के द्वारा किया गया जो तत्कालीन तीनों प्रेसिडेंसियों यथा मुम्बई, कोलकाता तथा चेन्नई के लेखे प्रमाणित करता था।

संविधान के अनुच्छेद 148 में भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षा (CAG) के पद की व्यवस्था की गयी है। यह भारत सरकार के लेखों का लेखा परीक्षण कर अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को प्रस्तुत करता है तथा राज्य सरकारों के लेखों का लेखा परीक्षण कर रिपोर्ट सम्बन्धित राज्य के राज्यपाल को सौंपता है।

नियन्त्रक-महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है तथा नियुक्ति के पश्चात् उसे केवल सिद्ध कदाचार या असमर्थता के आधार पर ही महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पदच्युत किया जा सकता है। पदच्युति के लिए उसी पद्धति को अपनाना होगा, जिस पद्धति को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को पदच्युति के लिए अपनाना होता है।



निर्वाचन आयोग (Election Commission)

- ❏ निर्वाचन आयोग का गठन मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा ऐसे अन्य निर्वाचन आयुक्तों से किया जाता है। **निर्वाचन आयुक्त तथा अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति 'राष्ट्रपति' द्वारा की जाती है।** निर्वाचन आयोग का गठन 25 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने से एक दिन पूर्व किया गया था। इसी कारण वर्ष 2011 से 25 जनवरी को **राष्ट्रीय मतदाता दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- ❏ संविधान के **भाग 15 के अनुच्छेद 324 से 329** के बीच निर्वाचन से सम्बन्धित उपबन्ध किया गया है।
- ❏ मुख्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल **6 वर्षों या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो तब तक होगा। अन्य आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्षों या 62 वर्ष जो भी पहले हो, तब तक रहता है।**
- ❏ भारतीय संविधान के प्रवर्तन के बाद 1950 में जब निर्वाचन आयोग का गठन किया गया था, तब से लेकर **16 अक्टूबर, 1989 तक निर्वाचन आयोग एक सदस्यीय आयोग के रूप में ही कार्य करता रहा।**
- ❏ **16 अक्टूबर, 1989 को निर्वाचन आयोग को व्यापक रूप देने के उद्देश्य से दो अन्य निर्वाचन आयुक्तों की स्थापना की गयी।** लेकिन 2 जनवरी, 1990 को एक आदेश जारी करके निर्वाचन आयोग फिर से एक सदस्यीय बना दिया गया और यह 1992 तक रहा।
- ❏ **दिनेश गोस्वामी समिति की सिफारिशों पर अक्टूबर, 1993 से निर्वाचन आयोग को 'तीन सदस्यीय आयोग' बना दिया गया।**
- ❏ मुख्य निर्वाचन आयुक्त अपनी पदावधि के दौरान राष्ट्रपति को त्यागपत्र देकर पदमुक्त हो सकता है या संसद द्वारा पारित संकल्प (महाभियोग) से हटाया जा सकता है।
- ❏ मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने के लिए संसद द्वारा उसी प्रकार महाभियोग की कार्यवाही की जाती है, जैसे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के विरुद्ध की जाती है।
- ❏ **भारत में पहली बार 1952 में चुनाव सम्पन्न कराया गया,** जब 6 महीने की अवधि के लिए दो प्रादेशिक निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की गयी थी, जिनके मुख्य कार्यालय **पटना** तथा **मुम्बई** में थे।
- ❏ भारत की निर्वाचन प्रणाली **ब्रिटेन** के अनुरूप है।

निर्वाचन आयोग के कार्य

- (i) प्रत्येक 10 वर्ष बाद होने वाली प्रत्येक जनगणना के बाद निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन किया जाना चाहिए।
- (ii) निर्वाचन आयोग द्वारा **लोक सभा तथा विधान सभा के प्रत्येक सामान्य चुनाव या मध्यावधि चुनाव के पूर्व निर्वाचन नामावली तैयार करायी जाती है।** जिससे 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका व्यक्ति मताधिकार से वंचित न रह जाये।
- (iii) निर्वाचन आयोग विभिन्न **राजनीतिक दलों को मान्यता प्रदान** करता है।
- (iv) निर्वाचन आयोग मान्यता प्राप्त **राष्ट्रीय या राज्यस्तरीय राजनीतिक दल को आरक्षित चुनाव चिह्न** प्रदान करता है।
- (v) निर्वाचन आयोग चुनाव में धाँधली होने की स्थिति में चुनाव रद्द कर सकता है तथा पुनः मतदान की आज्ञा दे सकता है।
- (vi) जब कभी संसद या विधान-मण्डल का पद रिक्त हो जाता है, तब निर्वाचन आयोग उस रिक्त पद को भरने के लिए उपचुनाव कराता है।
- (vii) यदि चुनाव के पश्चात् चुनाव में कोई उम्मीदवार **निर्वाचन आयोग द्वारा नियत अवधि के अन्तर्गत अपने चुनाव से सम्बन्धित व्यय का विवरण नहीं देता,** तो निर्वाचन आयोग उसे **अयोग्य घोषित कर सकता है।**



क्र.सं.	मुख्य निर्वाचन आयुक्त	कार्यालय
14.	बी. बी. टण्डन	17 मई, 2005–29 जून, 2006
15.	एन. गोपालस्वामी	30 जून, 2006–20 अप्रैल, 2009
16.	नवीन चावला	21 अप्रैल, 2009–29 जुलाई, 2010
17.	एस. वाई. कुरैशी	30 जुलाई, 2010–10 जून, 2012
18.	वी. एस. सम्पत	11 जून, 2012 से–15 जनवरी, 2015
19.	एच. एस. ब्रह्मा	15 जनवरी, 2015–18 अप्रैल, 2015
20.	नसीम जैदी	19 अप्रैल, 2015 से 6 मई 2015
21.	अचल कुमार ज्योति	6 जुलाई, 2017 से 22 जनवरी, 2018
22.	ओम प्रकाश रावत	23 जनवरी, 2018 से अब तक

चुनाव से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य

आम चुनाव—नियमित अन्तराल अर्थात् हर 5 वर्ष में होने वाले लोक सभा के चुनावों को आम चुनाव कहते हैं।

मध्यावधि चुनाव—कार्यकाल के पहले ही लोक सभा, विधान सभा भंग हो जाने पर कराये जाने वाले चुनाव।

उप-चुनाव—किसी लोक सभा/विधान सभा सदस्य की मृत्यु या किसी अन्य कारणवश सीट खाली होने के कारण कराये जाने वाले चुनाव।

चुनावी घोषणा पत्र—चुनाव के समय विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा जनता को दिये गये आश्वासनों का एक दस्तावेज।

चुनाव क्षेत्रों का सीमांकन—समान आबादी पर समान प्रतिनिधित्व की दृष्टि से किया गया चुनाव क्षेत्र निर्धारण। 84वें संविधान संशोधन, 2010 द्वारा 2026 तक के लिए सदस्य संख्या की वृद्धि पर रोक लगा दी गयी है।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई. वी. एम.)

- ❏ इलेक्ट्रॉनिक कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा निर्मित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) का **प्रथम प्रदर्शन** 1979 में किया गया था।
- ❏ वर्ष 1982 में केरल विधानसभा चुनाव में थरूर विधान विधानसभा क्षेत्र के कुछ पोलिंग स्टेशनों पर प्रायोगिक तौर पर EVM का इस्तेमाल सर्वप्रथम हुआ।
- ❏ जनप्रतिनिधित्व कानून, 1991 में सन् **1989 में संशोधन करके चुनाव के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के इस्तेमाल का प्रावधान किया गया था।**
- ❏ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन **नवम्बर, 1998 में विभिन्न विधान सभा के निर्वाचन क्षेत्रों राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा दिल्ली में पहली बार कुछ क्षेत्रों में इस्तेमाल की गयी।**
- ❏ **सर्वप्रथम 1999 में गोवा विधान सभा के सम्पूर्ण चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) का इस्तेमाल किया गया।**
- ❏ वर्ष 2004 में (14वीं लोक सभा) सम्पन्न हुए आम चुनावों में सभी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया।

- ❏ **नवम्बर, 2009 में निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव में किन्नरों के लिए स्त्री व पुरुष से इतर एक तीसरी अन्य श्रेणी के प्रावधान का निर्धारण किया गया है।** इससे चुनाव लड़ने व मतदान करने हेतु किन्नरों के लिए स्त्री व पुरुष में से ही किसी एक विकल्प चुनने की बाध्यता समाप्त हो गयी है।



- ❖ वर्ष 2010 विश्व के सबसे बड़े लोकतन्त्र भारत के निर्वाचन आयोग का **हीरक जयन्ती (Diamond Jubilee)** वर्ष है। अपनी स्थापना के 60 वर्ष होने के उपलक्ष्य में आयोग ने 2010 में हीरक जयन्ती मनायी।
- ❖ न्यायालय द्वारा अपराधी घोषित किये गये व्यक्ति को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करार देने का निर्णय संसद द्वारा किया जाता है। संसद द्वारा बनाये गये जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 की धारा 8 (3) के अनुसार यदि किसी व्यक्ति को न्यायालय द्वारा अपराधी करार देते हुए 2 वर्ष या अधिक की सजा सुनाई गई है तो वह सजा के दौरान तथा इसके पश्चात् अगले 6 वर्षों की अवधि के लिए चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाता है।
- ❖ सिल्वर नाइट्रेट का प्रयोग मतदाता की अँगुलियों पर **मतदाता निशान** लगाने वाली स्याही बनाने में किया जाता है।
- ❖ श्रीमती रमा देवी एकमात्र महिला मुख्य निर्वाचन आयुक्त (कार्यवाहक) रही हैं।
- ❖ किसी चुनाव में यदि कोई प्रत्याशी कुल पड़े वैध मतों का न्यूनतम 1/6 मत प्राप्त नहीं करता है तो वह अपनी जमानत राशि खो देता है।
- ❖ भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त **टी. एन. शोषन** थे, जिन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा था, परन्तु हार गए।

नोटा : (NOTA : None of the Above)

भारत निर्वाचन आयोग ने 18 सितम्बर, 2015 को 'नोटा' के लिए प्रतीक चिह्न जारी किया। नोटा (NOTA : None of the above) विकल्प चिह्न को भारतीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) अहमदाबाद ने डिजाइन किया है। भारत निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय के 27 सितम्बर, 2013 के आदेश का अनुसरण करते हुए 11 अक्टूबर, 2013 को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में दिखाये गये बैलेट पेपरों में तथा अन्य बैलेट पेपरों में 'नोटा'—'उपर्युक्त में से कोई नहीं', विकल्प लागू किया गया था।

'नोटा' विकल्प का मुख्य उद्देश्य ऐसे मतदाताओं की सहायता करना है जो किसी भी उम्मीदवार को वोट देना नहीं चाहते हैं और ऐसे मतदाताओं को अपने निर्णय की गोपनीयता का उल्लंघन किये बिना किसी भी उम्मीदवार को वोट न देने के अधिकार के उपयोग में सहायता देना है।



Symbol for NOTA

सिविल सर्विसेज के गठन से सम्बन्धित आयोग

(1) **एचीशन आयोग (1886)**—इस आयोग ने स्टेच्यूटरी सिविल सर्विसेज को समाप्त करके प्रान्तीय लोक सेवाओं की स्थापना की सिफारिश की। सरकार ने कॉवेनेण्टेड तथा अनकॉवेनेण्टेड सर्विसेज को समाप्त करके दो कैडर इम्पीरियल सेवाएँ तथा प्रान्तीय सेवाएँ बनायीं।

(2) **स्लिंगटन आयोग (1917)**—इसने सेवाओं के कार्य के आधार पर तीन वर्ग फर्स्ट, सेकण्ड तथा थर्ड क्लास बनाने की सिफारिश की।

(3) **ली आयोग (1923)**—इसने लोक सेवाओं के वर्गीकरण, भर्ती के लिए लोक सेवाओं की स्थापना तथा 'कॉडरवाइज' भारतीयकरण को बढ़ावा तथा अच्छे वेतन एवं सुविधाओं की सिफारिश की।

विशेष—भारत सरकार अधिनियम, 1919 वह प्रथम अधिनियम था, जिसके द्वारा इम्पीरियल सेवाओं को व्यवस्थित रूप प्रदान करने का प्रयास किया गया।



(iii) सहाकारी समितियाँ नाम से एक नया भाग-IX (ख) संविधान में जोड़ा गया।
[अनुच्छेद-243 य ज से 243 य न]

- ❖ 98वाँ संशोधन (2012 ई.)—संविधान में अनुच्छेद-371 (जे) शामिल किया गया। इसका उद्देश्य कर्नाटक के राज्यपाल को हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र के विकास हेतु कदम उठाने के लिए सशक्त करना था।
- ❖ 99वाँ संशोधन अधिनियम (2014 ई.)—राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग की स्थापना।
- ❖ 100वाँ संशोधन अधिनियम (2015 ई.)—भारत-बांग्लादेश भूमि हस्तांतरण।
- ❖ 101वाँ संशोधन अधिनियम (2017 ई.)—इसके द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (GST) को लागू किया गया।

भारतीय संविधान के प्रमुख अनुच्छेद

- ❖ अनुच्छेद 1—यह घोषणा करता है कि 'भारत अर्थात् इण्डिया राज्यों का संघ' है।
- ❖ अनुच्छेद 3—संसद विधि द्वारा नये राज्य बना सकती है तथा पहले से अवस्थित राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं एवं नामों में परिवर्तन कर सकती है।
- ❖ अनुच्छेद 5—संविधान के प्रारम्भ होने के समय प्रत्येक व्यक्ति जिसका भारत के राज्य क्षेत्र में अधिवास है, वह भारत का नागरिक होगा।
- ❖ अनुच्छेद 14—राज्य भारत के किसी राज्य क्षेत्र में किसी व्यक्ति को समता से या विधियों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा।
- ❖ अनुच्छेद 17—अस्पृश्यता का उन्मूलन किया जायेगा। अस्पृश्यता से उत्पन्न होने वाली निर्याग्यता को लागू करना अपराध घोषित किया गया है।
- ❖ अनुच्छेद 19—इसमें स्वतन्त्रता के अधिकार की गारण्टी दी गयी है।
- ❖ अनुच्छेद 22—गिरफ्तार और विरोध से संरक्षण।
- ❖ अनुच्छेद 24—14 वर्ष से कम उम्र के किसी बालक को किसी कारखाने या खान में काम करने के लिए नियोजित नहीं किया जायेगा।
- ❖ अनुच्छेद 32—मौलिक अधिकारों के हनन के मुद्दे पर कोई व्यक्ति सीधे उच्चतम न्यायालय में इस अनुच्छेद के अन्तर्गत रखा जा सकता है। इसे 'संविधान की आत्मा' कहा गया है।
- ❖ अनुच्छेद 41—कार्य शिक्षा, लोक सहायकता प्राप्त करने का अधिकार।
- ❖ अनुच्छेद 42—राज्य काम की न्यायसंगत तथा मानवोचित दशाओं को सुनिश्चित करने के लिए तथा प्रसूति सहायता के लिए उपबन्ध करेगा।
- ❖ अनुच्छेद 43—मनरेगा कार्यक्रम इसी अनुच्छेद के अन्तर्गत लागू करने हेतु लगाया गया है।
- ❖ अनुच्छेद 43 (क)—उद्योगों के प्रबंध में कर्मचारियों के भाग लेने का अधिकार।
- ❖ अनुच्छेद 45—राज्य की नीति निदेशक तत्त्वों के तहत 14 वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा देने का प्रावधान है।
- ❖ अनुच्छेद 50—कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण।
- ❖ अनुच्छेद 51—भारत की विदेशी नीति से सम्बन्धित है।
- ❖ अनुच्छेद 51 ए (जी)—प्राकृतिक पर्यावरण का जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करें और संवर्द्धन करें तथा प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखें।
- ❖ अनुच्छेद 53—संघ की कार्यपालिका सम्बन्धी शक्ति राष्ट्रपति में निहित रहेगी।
- ❖ अनुच्छेद 54—भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन।
- ❖ अनुच्छेद 57—भारतीय संविधान राष्ट्रपति पद के लिए पुनः निर्वाचन के लिए पात्रता निर्धारित करता है।
- ❖ अनुच्छेद 64—उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष होगा।
- ❖ अनुच्छेद 74—राष्ट्रपति को सहायता और सलाह देने के लिए मन्त्रि-परिषद् होगी, जिसके शीर्ष पर प्रधानमन्त्री रहेगा, जिसकी सहायता एवं सुझाव पर राष्ट्रपति अपने कार्य सम्पन्न करेगा।

Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART

search "PUJA SAMANYA GYAN"

251



- ❧ अनुच्छेद 368—संविधान का संशोधन करने की संसद की शक्ति और उसके लिए प्रक्रिया।
- ❧ अनुच्छेद 370—इसके अन्तर्गत जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति का वर्णन है।
- ❧ अनुच्छेद 371—कुछ राज्यों के विशेष क्षेत्रों के विकास के लिए राष्ट्रपति बोर्ड स्थापित कर सकता है; जैसे—गुजरात, महाराष्ट्र, नगालैण्ड, मणिपुर इत्यादि।
- ❧ अनुच्छेद 394 (क)—राष्ट्रपति अपने अधिकार के अन्तर्गत इस संविधान का हिन्दी भाषा में अनुवाद करायेगा।
- ❧ अनुच्छेद 395—भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम, 1947, भारत सरकार अधिनियम, 1953 तथा इसके अन्य पूरक अधिनियमों को जिसमें प्रिवी कौंसिल क्षेत्राधिकार अधिनियम शामिल हैं, यहाँ रद्द किया जा सकता है।

महत्वपूर्ण विभाग

सूचना का अधिकार (आर. टी. आई.)

- ❧ केन्द्र व राज्य सरकारों के कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए भारतीय संसद द्वारा **जून, 2005 में पारित सूचना के अधिकार का अधिनियम 12 अक्टूबर, 2005 से लागू** हो गया।
- ❧ इस कानून के तहत सरकारी प्रशासनिक अधिकारी सूचना अधिकारियों के माध्यम से आधिकारिक सूचनाएँ देने के लिए बाध्य हो गये हैं।
- ❧ सूचना के अधिकार को संविधान की धारा 19(1) के तहत यह मूलभूत अधिकार का दर्जा दिया गया है। धारा 19(1) जिसके तहत प्रत्येक नागरिक को बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता की गयी है और उसे यह जानने का अधिकार है कि सरकार कैसे चलती है, इसकी क्या भूमिका है, इसके क्या कार्य हैं।
- ❧ आर. टी. आई. कानून जम्मू-कश्मीर को छोड़कर सम्पूर्ण भारत में लागू है, जिसमें सरकार की अधिसूचना के तहत आने वाले सभी निकाय शामिल हैं। इसमें ऐसे गैर-सरकारी संगठन भी शामिल हैं, जिनका स्वामित्व, नियन्त्रण अथवा आंशिक निधिकरण सरकार द्वारा किया गया है।
- ❧ इस कानून की भारत में सबसे पहले शुरुआत राजस्थान राज्य में सूचना के अधिकार के लिए जनान्दोलन की शुरुआत 1994 में भ्रष्टाचार के भण्डाफोड़ के लिए जन सुनवाई कार्यक्रम के रूप में **अरुणारॉय** की अगुवाई में हुई।
- ❧ इसकी परिणति **1 मई, 2000 को राजस्थान सरकार से सूचना के अधिकार को विधिक मान्यता मिली।**
- ❧ केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह वैध आवेदन प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर आवेदक को सूचना उपलब्ध करवाये।
- ❧ यदि माँगी गयी सूचना व्यक्ति के जीवन अथवा स्वतन्त्रता से सम्बन्धित है, तो अनुरोध करने वाले को 48 घण्टे के भीतर सूचना उपलब्ध करायी जायेगी।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीबीसी)

- ❧ 7 अगस्त, 2003 को केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीबीसी) को वैधानिक दर्जा प्रदान करने के लिए सीबीसी विधेयक को लोक सभा के बाद राज्य सभा ने भी पारित कर दिया है।
- ❧ इस कानून से सरकारी कर्मचारियों, निगमों, सोसाइटियों व स्थानीय कर्मचारियों के विरुद्ध मामलों की जाँच का अधिकार सीबीसी को प्राप्त हो गया है।
- ❧ सीबीआई द्वारा संयुक्त सचिव या इससे ऊँचे स्तर के अधिकारियों के विरुद्ध जाँच के लिए सीबीसी की पूर्वानुमति को इस कानून के तहत आवश्यक किया गया है।

4

सामान्य विज्ञान

भौतिक विज्ञान (PHYSICS)

यांत्रिकी (Mechanics)

मात्रक (Unit)

- किसी राशि के मापन के निर्देश मानक को मात्रक (Unit) कहते हैं। मात्रक दो प्रकार के होते हैं—(1) मूल मात्रक (Fundamental Unit), (2) व्युत्पन्न मात्रक (Derived Unit)।
वे सभी मात्रक जो मूल मात्रकों की सहायता से व्यक्त किये जाते हैं, व्युत्पन्न मात्रक कहलाते हैं।

क्र. सं.	भौतिक राशि	S.I. पद्धति के मूल मात्रक
1.	लम्बाई	मीटर (m)
2.	समय	सेकण्ड (s)
3.	द्रव्यमान	किलोग्राम (Kg)
4.	ताप	केल्विन (K)
5.	विद्युत धारा	ऐम्पियर (A)
6.	पदार्थ का परिमाण	मोल (mol)
7.	ज्योति तीव्रता	कैण्डेला (Cd)
सम्पूरक मात्रक		
8.	समतल कोण	रेडियम (rad)
9.	घन कोण	स्टेरेडियम (Sr)



- ☞ **अभिकेन्द्री त्वरण**—वृत्तीय गति करने वाले कण का वेग बदलता रहता है अर्थात् गति में त्वरण होता है, क्योंकि वेग परिवर्तन की दर को ही त्वरण कहते हैं। यदि कण r त्रिज्या के वृत्ताकर मार्ग पर एक समान चाल v से चलता है, तो उस पर केन्द्र की दिशा में $\frac{v^2}{r^2}$ परिमाण का त्वरण काम करता है। इसे अभिकेन्द्री त्वरण कहते हैं। इसकी दिशा केन्द्र की ओर होती है। अभिकेन्द्री त्वरण के बिना वृत्तीय गति असम्भव है।

न्यूटन के गति विषयक नियम (Newton's Law of Motion)

- ☞ सर आइजक न्यूटन ने सबसे पहले 1687 ई. में अपनी पुस्तक 'प्रिंसिपिया' (Principia) में गति के नियमों को प्रतिपादित किया था।
- ☞ **न्यूटन का गति का प्रथम नियम (Newton's first law of motion)**—“यदि कोई वस्तु विराम अवस्था में है, तो वह विराम अवस्था में ही रहेगी और यदि वह एक समान चाल से सीधी रेखा में चल रही है, तो वह वैसे ही चलती रहेगी, जब तक कि उस पर कोई बाह्य बल लगाकर उसकी वर्तमान अवस्था में परिवर्तन न किया जाये।” इसे “**गैलिलियो का नियम**” या “**जड़त्व का नियम**” भी कहते हैं।
- ☞ वस्तुओं की इस प्रवृत्ति को, कि वे स्वतः (बिना बाह्य बल लगाये) अपनी विराम अथवा गति की अवस्था को नहीं बदल सकतीं, जड़त्व (Inertia) कहते हैं।

उदाहरण—

- (1) ठहरी हुई मोटर या रेलगाड़ी के अचानक चल पड़ने पर उसमें बैठे यात्री पीछे की ओर गिर पड़ते हैं।
- (2) कम्बल को हाथ में पकड़कर डण्डे से पीटने पर धूल के कण झड़कर गिर पड़ते हैं।
- (3) चलती हुई मोटरकार के अचानक रुकने पर उसमें बैठे यात्री आगे की ओर झुक जाते हैं।

- ☞ **न्यूटन का गति का द्वितीय नियम (Newton's Second law of motion)**—“किसी वस्तु के संवेग-परिवर्तन की दर उस वस्तु पर आरोपित बल के अनुक्रमानुपाती होती है तथा संवेग परिवर्तन आरोपित बल की दिशा में भी होता है।”

$$\text{बल} = \text{द्रव्यमान} \times \text{त्वरण}$$

$$F = ma$$

किसी वस्तु पर लगने वाले गुरुत्वीय बल को वस्तु का भार (Weight) कहते हैं तथा W से प्रदर्शित करते हैं।

- ☞ **न्यूटन का गति का तृतीय नियम (Newton's third law of motion)**—इस नियम के अनुसार, “प्रत्येक क्रिया की प्रतिक्रिया विपरीत दिशा में होती है।” इसे क्रिया-प्रतिक्रिया का नियम भी कहा जाता है।

उदाहरण—

- (1) बन्दूक से गोली चलाने वाले को पीछे की ओर धक्का लगना।
- (2) नाव से किनारे पर कूदने पर नाव को पीछे की ओर धक्का लगना।
- (3) रॉकेट का आगे बढ़ना।
- (4) कुएँ से पानी खींचते समय रस्सी के टूट जाने पर व्यक्ति का पीछे गिर पड़ना।

संवेग संरक्षण का नियम (Law of Conservation of Momentum)

- ☞ “यदि कणों के किसी समूह या निकाय पर कोई बाह्य बल नहीं लग रहा है, तो उस निकाय का कुल संवेग नियत रहता है अर्थात् संरक्षित रहता है।” इस कथन को ही संवेग संरक्षण का नियम कहते हैं।



☞ **ग्रह की कक्षीय चाल**—माना m द्रव्यमान का उपग्रह r त्रिज्या के वृत्तीय मार्ग पर r_0 वेग से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है, तो

उपग्रह पर अभिकेन्द्रीय बल = गुरुत्वाकर्षण बल

$$\frac{mv^2}{r} = \frac{GM_e m}{r^2}$$

ऊर्जा रूपान्तरित करने वाले कुछ उपकरण

उपकरण	ऊर्जा का स्वरूप परिवर्तन
विद्युत् मोटर	वैद्युत ऊर्जा से यान्त्रिक ऊर्जा में
डायनमो	यान्त्रिक ऊर्जा को वैद्युत ऊर्जा में
लाउडस्पीकर	वैद्युत ऊर्जा को ध्वनि ऊर्जा में
माइक्रोफोन	ध्वनि ऊर्जा को वैद्युत ऊर्जा में
विद्युत बल्ब	वैद्युत ऊर्जा को ऊष्मा एवं प्रकाश ऊर्जा में
विद्युत सेल	रासायनिक ऊर्जा को वैद्युत ऊर्जा में
मोमबत्ती	रासायनिक ऊर्जा को प्रकाश व ऊष्मा ऊर्जा में
सोलर सेल	सौर ऊर्जा को वैद्युत ऊर्जा में
सितार	यान्त्रिक ऊर्जा को ध्वनि ऊर्जा में
इंजन	ऊष्मा को यान्त्रिक ऊर्जा में
ट्यूब लाइट	विद्युत ऊर्जा को प्रकाश ऊर्जा में

गुरुत्वाकर्षण (Gravitation)

- ☞ **न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण का नियम**—किन्हीं दो पिण्डों के बीच कार्य करने वाला आकर्षण बल पिण्डों के द्रव्यमानों के गुणनफल के अनुक्रमानुपाती तथा उनके बीच के दूरी की वर्ग के व्युत्क्रमानुपाती होता है।
- ☞ गुरुत्वाकर्षण बल के सिद्धान्त का प्रतिपादन ब्रिटिश वैज्ञानिक न्यूटन ने अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ 'प्रिंसिपिया' में 1687 ई. में किया, हालाँकि भारत के प्राचीन विद्वान 'ब्रह्मगुप्त' को न्यूटन से बहुत पहले इस बल की जानकारी थी।
- ☞ गुरुत्व एक आकर्षण बल है जिससे पृथ्वी किसी वस्तु को अपने केन्द्र की ओर खींचती है। यही कारण है कि मुक्त रूप से ऊपर की ओर फेंकी गयी वस्तु पृथ्वी की सतह पर आकर गिरती है।
- ☞ सर्वप्रथम आर्यभट्ट ने बताया था कि पृथ्वी सभी वस्तुओं को अपनी ओर खींचती है।
- ☞ गुरुत्वीय त्वरण (Gravitation Acceleration) मुक्त रूप से पृथ्वी की ओर गिरती किसी वस्तु के वेग में प्रति सेकण्ड होने वाली वृद्धि को प्रदर्शित करता है।
- ☞ पृथ्वी के आकर्षण बल के कारण किसी वस्तु के वेग में प्रति सेकण्ड होने वाली वृद्धि को गुरुत्वीय त्वरण g कहते हैं।

$$\text{गुरुत्वीय त्वरण } g = e \frac{GM}{R^2}$$



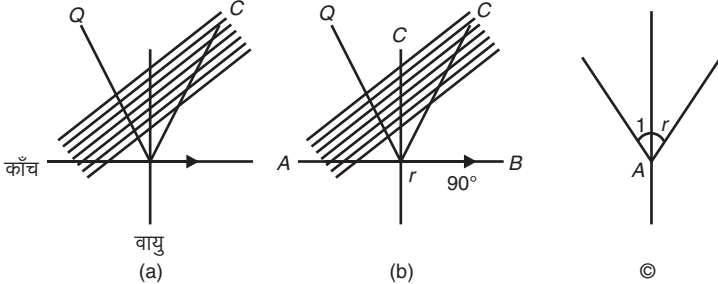
- ❏ प्रकाश की तरंगदैर्घ्य बढ़ने के साथ अपवर्तनांक का मान कम होता जाता है।
- ❏ दृश्य प्रकाश में **लाल रंग का अपवर्तनांक सबसे कम** तथा **बैंगनी रंग का सबसे अधिक होता है**, क्योंकि लाल रंग की तरंगदैर्घ्य सबसे अधिक व बैंगनी रंग की तरंगदैर्घ्य सबसे कम होती है।
- ❏ ताप बढ़ने के साथ अपवर्तनांक का मान कम होता जाता है। अपवर्तन के कारण विभिन्न माध्यमों में प्रकाश की चाल भिन्न-भिन्न होती है।
- ❏ अपवर्तन की क्रिया में **प्रकाश की चाल, तरंगदैर्घ्य** तथा तीव्रता बदल जाती है, जबकि उसकी आवृत्ति वही रहती है।
- ❏ रात्रि के समय **तारों का टिमटिमाना (Twinkling of Stars)** भी अपवर्तन के कारण होता है, क्योंकि वायुमण्डल में वायु की विभिन्न परतों में लगातार अपवर्तन होता रहता है। जिससे तारा टिमटिमाता हुआ प्रतीत होता है।
- ❏ अपवर्तन के कारण जल के अन्दर पड़ी हुई मछली हमें अपनी वास्तविक गहराई से ऊपर उठी हुई दिखायी देती है।

प्रकाश के वैज्ञानिक सिद्धान्त

वैज्ञानिक	सिद्धान्त
न्यूटन	प्रकाश का कणिका सिद्धान्त
हाइगेन्स	प्रकाश का तरंग सिद्धान्त
ग्रेमाल्डी	प्रकाश के विवर्तन का सिद्धान्त
आइन्सटीन	प्रकाश विद्युत सिद्धान्त की व्याख्या
यंग	प्रकाश के व्यतिकरण का सिद्धान्त
प्लांक	प्रकाश का क्वाण्टम सिद्धान्त

प्रकाश का पूर्ण आन्तरिक परावर्तन (Total Internal Reflection of Light)

जब कोई प्रकाश की किरण OA किसी सघन माध्यम से विरल माध्यम में जाती है तो इसका एक छोटा भाग AB, परावर्तित हो जाता है तथा अपवर्तित किरण AB, अभिलम्ब से दूर हटती है। इस दशा में अपवर्तन कोण (r) आपतन कोण (i) से बड़ा होता है। यदि आपतन कोण का मान धीरे-धीरे बढ़ाते जायें, तो अपवर्तन कोण भी बढ़ता है तथा एक विशेष आपतन कोण के लिए अपवर्तन कोण 90° हो जाता है। इस आपतन कोण को '**क्रान्तिक कोण**' कहते हैं तथा C से प्रदर्शित करते हैं। अतः क्रान्तिक कोण C सघन माध्यम में बना वह आपतन कोण है जिसके लिए विरल माध्यम का अपवर्तन कोण 90° होता है।

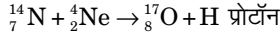


- ❏ प्रकाश का पूर्ण आन्तरिक परावर्तन जल और वायु के माध्यम युग्म के लिए क्रान्तिक कोण 48° तथा हिरा व वायु के लिए 24° होता है।

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"
| 292 |

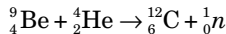


☞ **प्रोटॉन (Proton)**—प्रोटॉन की खोज अंग्रेज वैज्ञानिक **रदरफोर्ड** ने सन् 1920 में नाइट्रोजन पर नाभिकों के α -कणों का प्रहार करके की। इसका आपेक्षित आवेश +1 होता है।



प्रोटॉन का द्रव्यमान 1.67239×10^{-27} किग्रा होता है और आवेश 1.6×10^{-19} कूलॉम धनात्मक होता है। यह एक अतिसूक्ष्म कण है। इनका उपयोग कृत्रिम तत्त्वान्तरण (Artificial Transmutation) में होता है।

☞ **न्यूट्रॉन (Neutron)**—न्यूट्रॉन की खोज अंग्रेज वैज्ञानिक **चैडविक** ने सन् 1932 में बेरीलियम पर α -कणों का प्रहार करके की, इस पर आपेक्षित आवेश शून्य होता है।



यह एक आवेश रहित कण है। इसका द्रव्यमान 1.675×10^{-27} किग्रा होता है। इसकी भेदन क्षमता अत्यधिक होती है। यह कैंसर की चिकित्सा और नाभिकीय विखण्डन में प्रयुक्त किया जाता है।

मूल कण

कण	द्रव्यमान (किग्रा)	आवेश (कूलॉम)	खोजकर्ता
प्रोटॉन	1.672×10^{-27}	$+ 1.6 \times 10^{-19}$	गोल्डस्टीन
न्यूट्रॉन	1.675×10^{-27}	0	चैडविक
इलेक्ट्रॉन	9.108×10^{-31}	-1.6×10^{-19}	जे.जे. थामसन

☞ आज मूल कणों की संख्या 30 से ऊपर पहुँच चुकी है, कुछ प्रमुख मूल कणों का विवरण निम्न है—

कण	द्रव्यमान	आवेश	खोजकर्ता	विशेष
पॉजिटॉन	9.108×10^{-31}	$+ 1.6 \times 10^{-19}$	एण्डरसन	इलेक्ट्रॉन का एंटिकरण
न्यूट्रिनो	0	0	पाउली	—
पाई मैसोन	इलेक्ट्रॉन का 274 गुना	धनात्मक एवं ऋणात्मक दोनों	युकावा	अस्थायी, जीवन काल 10^{-8} सेकण्ड
फोटॉन	0	0	आइन्स्टीन	

☞ **पोजिटॉन (Positron)**—यह एक धनावेशित मूल कण है, जिसका द्रव्यमान व आवेश इलेक्ट्रॉन के बराबर होता है इसलिए इसे इलेक्ट्रॉन का प्रतिकण या एण्टि-कण (Anti-particle) भी कहते हैं। इसकी खोज 1932 में **एण्डरसन** ने की थी।

☞ **फोटॉन (Photon)**—फोटॉन ऊर्जा के बण्डल होते हैं, जो प्रकाश की चाल से चलते हैं। सभी प्रकार की विद्युत चुम्बकीय किरणों का निर्माण इन्हीं मूल कणों से होता है। इनका विराम द्रव्यमान शून्य होता है।

☞ **द्रव्यमान ऊर्जा समतुल्यता**—सम्पूर्ण नाभिकीय ऊर्जा का मूल स्रोत है द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तन। महान् वैज्ञानिक **आइन्सटीन** ने बताया कि प्रत्येक द्रव्यमान (m), ऊर्जा (E) के समतुल्य है, $E = mc^2$, जहाँ c निर्वात में प्रकाश की चाल है जो 3×10^8 मीटर/सेकण्ड होती है। इस प्रकार 1 किलोग्राम द्रव्यमान के समतुल्य ऊर्जा $1 \times (3 \times 10^8)^2 = 9 \times 10^{16}$ जूल होती है। यह अति विशाल ऊर्जा है। अतः m किलोग्राम द्रव्यमान के लुप्त होने पर

mc^2 जूल ऊर्जा उत्पन्न होती है तथा 1 जूल ऊर्जा के उत्पन्न होने पर $\frac{E}{c^2}$ किलोग्राम द्रव्यमान की क्षति होती है।

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 305 |



रसायन विज्ञान (CHEMISTRY)

- रसायन विज्ञान की उत्पत्ति **मिस्र** के प्राचीन शब्द '**कीमिया** (Chemea) से हुई है, जिसका अर्थ काला रंग था। प्रारम्भ में काली मिट्टी को लोग 'केमि' कहते थे।
- रसायन विज्ञान का जनक **लैवोजियर** को माना जाता है।

पदार्थ एवं उसकी प्रकृति

- तत्व (Element)**—वह सरल पदार्थ जो न तो अपने से सरलतर पदार्थ में विभक्त हो सके और न ही अन्य पदार्थों के योग से बनाया जा सके; यथा—सोना, चाँदी, लोहा, गन्धक, कार्बन, ऑक्सीजन आदि।
- टेक्नीशियम** एक रासायनिक तत्व है जिसका परमाणु क्रमांक 43 है। **टेक्नीशियम कृत्रिम रूप से उत्पादित प्रथम तत्व है।** वर्ष 1937 में इस तत्व का सर्वप्रथम निर्माण किया गया था।
- धातु (Metal)**—सामान्यतः धातुएँ विद्युत की सुचालक होती हैं तथा अम्लों से क्रिया करके हाइड्रोजन गैस विस्थापित करती हैं।
- अधातु (Non-Metal)**—ये ठोस, द्रव और गैस तीन अवस्थाओं में पायी जाती है। कार्बन, गन्धक आदि ठोस अधातु हैं, जबकि ब्रोमीन द्रव व ऑक्सीजन, नाइट्रोजन आदि गैस हैं।
- यौगिक (Compound)**—जो द्रव दो या दो से अधिक तत्वों के निश्चित अनुपात में परस्पर क्रिया के संयोग से बनते हैं तथा साधारण विधि से पुनः अपने निर्माणी तत्वों में विभाजित किये जा सकते हैं, यौगिक कहलाते हैं।
- मिश्रण (Mixture)**—दो या दो से अधिक तत्वों अथवा यौगिकों को किसी भी अनिश्चित अनुपात में मिलाने से जो द्रव्य प्राप्त होता है उसे मिश्रण कहते हैं।
- आसवन (Distillation)**—इसमें द्रवों के मिश्रण को पृथक् किया जाता है। जब दो द्रवों के क्वथनांकों में अन्तर अधिक होता है, तो उनके मिश्रण को इसी विधि से अलग किया जाता है।
- प्रभाजी आसवन (Fractional Distillation)**—इसके द्वारा उन मिश्रित द्रवों को पृथक् करते हैं, जिनके क्वथनांकों में अन्तर बहुत कम होता है।
- ऊर्ध्वपातन (Sublimation)**—सामान्यतः ठोस पदार्थ गर्म करने पर पहले द्रव अवस्था में परिवर्तित होते हैं, उसके पश्चात् गैस अवस्था में। लेकिन कुछ पदार्थ ऐसे भी होते हैं जिन्हें गर्म किये जाने पर वे द्रव अवस्था में आने के बजाय सीधे वाष्प में बदल जाते हैं और वाष्प को ठण्डा किये जाने पर ये पुनः सीधे ठोस अवस्था में हो जाते हैं। ऐसे पदार्थों को ऊर्ध्वपातन व इस क्रिया को ऊर्ध्वपातन कहते हैं।
- बॉयल का नियम**—स्थिर ताप पर किसी गैस की निश्चित मात्रा का आयतन उसके दाब के व्युत्क्रमानुपाती होता है। स्थिर ताप पर किसी गैस के निश्चित द्रव्यमान का आयतन 'V' व दाब 'P' हो, तो

$$V \propto \frac{1}{P} \text{ या } PV = \text{नियतांक}$$

- चार्ल्स का नियम**—स्थिर ताप पर किसी गैस की निश्चित मात्रा का आयतन उसके परमताप के अनुक्रमानुपाती होता है।
- यदि स्थिर दाब पर किसी गैस के निश्चित द्रव्यमान का आयतन 'V' एवं परम ताप 'T' हो, तो

$$V \propto T$$

सामान्य विज्ञान (रसायन)

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

311



क्र. सं.	पदार्थ/यौगिक	उपयोग
47.	जिंक (Zn)	(i) बैटरी बनाने में
		(ii) हाइड्रोजन बनाने में
48.	जिंक ऑक्साइड (ZnO)	(i) मलहम बनाने में
		(ii) पोर्सलिन में चमक लाने में
49.	जिंक सल्फाइड (ZnS)	(i) श्वेत पिगमेण्ट के रूप में
50.	जिंक क्लोराइड (ZnCl ₂)	(i) टेक्सटाइल उद्योग में
		(ii) कार्बनिक संश्लेषण में
		(iii) ताम्र, काँच आदि की सतहों को जोड़ने में
51.	जिंक सल्फेट (ZnSO ₄ ·7H ₂ O)	(i) आँखों के लिए लोशन बनाने में
		(ii) चर्म उद्योग में
		(iii) लिथेपेन के निर्माण में

सामान्य मिश्र धातुएँ, उनके घटक तथा उपयोग

मिश्र धातु	अवयव घटक	उपयोग
जर्मन सिल्वर (German Silver)	Cu + Zn + Ni 60% + 20% + 20%	बर्तन निर्माण में
रोल्ड गोल्ड (Rolled Gold)	Cu + Al 90% + 10%	सस्ते आभूषण निर्माण में
डेल्टा मेटल (Delta Metal)	Cu + Zn + Fe 60% + 38% + 2%	जहाज के पंखे बनाने में
गन मेटल (Gun Metal)	Cu + Zn + Sn 90% + 2% + 8%	तोप, गेयर, बेयरिंग बनाने में
डच मेटल (Dutch Metal)	Cu + Zn 80% + 20%	आभूषण निर्माण में
मुंज मेटल (Munz Metal)	Cu + Zn 60% + 40%	सिक्का बनाने में
मोनेल मेटल (Monel Metal)	Cu + Ni 70% + 30%	क्षार रखने वाले बर्तन बनाने में
टाँका (Solder)	Sn + Pb 67% + 33%	जाँड़ों में टाँका लगाने में
रोज मेटल (Rose Metal)	Bi + Pb + Sn 50% + 28% + 22%	स्वचालित फ्यूज बनाने में
मैगनेलियम (Magnesium)	Al + Mg 95% + 5%	हवाई जहाज का ढाँचा बनाने में

सामान्य विज्ञान (सायन)



(14) पी.ई.टी.एन. (P.E.T.N.)—यह एक संवेदनशील विस्फोटक है, जिसके गुण आर.डी.एक्स. (R.D.X.) के समान हैं। इस विस्फोटक का रासायनिक नाम **पेप्टा एराइथ्रिटोल टेट्रानाइट्रामाइन** है।

(15) **टेट्राइल (Tetryl)**—यह एक शक्तिशाली विस्फोटक है। इसकी ध्वनियुक्ति विस्फोटक दर 7,500 मी/से. हो जाती है।

(16) **बराटोल्स (Baratols)**—इसका निर्माण बेरियम नाइट्रेट और टी.एन.टी. के मिश्रण के द्वारा किया जाता है। इसे प्रायः ग्रेनेड और टैंक नाशक माइन्स की खोलों में भरा जाता है।

(17) **माइनोल-2 (Minol-2)**—इस विस्फोटक में **80% अमाटोल** और **20% ऐलुमिनियम** का मिश्रण है। इसका उपयोग उच्च क्षमता वाले जहाज द्वारा गिराये जाने वाले बमों में होता है। खदानों (Mines) में अधिकांश विस्फोट एसिटिलीन के साथ ऑक्सीजन के मिश्रण से होता है।

(18) खानों में अधिकतम विस्फोट **मीथेन के साथ वायु** मिलने से होता है।

रेडियोसक्रियता (Radioactivity)

यह किसी पदार्थ का वह गुण है जिसके कारण उसके नाभिक से **अल्फा (α)**, **बीटा (β)** तथा **गामा (γ)** किरणें निकलती हैं। इसकी खोज 1896 ई. में फ्रांस के वैज्ञानिक **हेनरी बेक्वेरल** ने की थी। यदि यह क्रिया स्वतः होती है, तो इसे प्राकृतिक रेडियोसक्रियता, जबकि मनुष्य द्वारा कराये जाने पर कृत्रिम रेडियोसक्रियता कहते हैं।

यूरेनियम (${}_{92}\text{U}^{238}$) पहला खोजा गया प्राकृतिक रेडियोसक्रिय तत्व है।

कृत्रिम रेडियोसक्रियता की खोज 1934 ई. में **आइरीन क्यूरी** तथा उनके पति **एफ. जोलियो (क्यूरी)** ने की थी।

प्रथम कृत्रिम रेडियोसक्रिय तत्व फॉस्फोरस (${}_{15}\text{P}^{40}$) है जिसे ऐलुमिनियम (${}_{13}\text{Al}^{27}$) पर अल्फा (α) कणों के प्रहार द्वारा प्राप्त किया गया है।

रेडियोसक्रिय किरणों की माप **गीगर मूलर काउण्टर** (जी. एम. काउण्टर) के द्वारा की जाती है।

कार्बन डेटिंग विधि की खोज अमेरिकी वैज्ञानिक **एफ. लीबी** ने 1940 में की थी। इसके द्वारा किसी पदार्थ की आयु की गणना कार्बन ${}_{6}\text{C}^{14}$ की विघटित मात्रा के आधार पर की जाती है। चट्टानों की आयु का निर्धारण उसमें उपस्थित यूरेनियम तथा शीशे की प्रतिशत मात्रा के आधार पर उसकी आयु की गणना की जाती है।

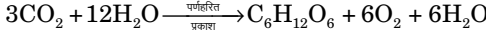
चिकित्सा में रेडियोसक्रिय तत्वों का उपयोग

तत्व	उपयोग
${}_{11}\text{Na}^{24}$ (सोडियम-24)	रक्त परिसंचरण तन्त्र की जाँच में उपयोगी
${}_{15}\text{P}^{30}$ (फॉस्फोरस-30)	रक्त कैंसर की जाँच में उपयोगी
${}_{27}\text{Co}^{60}$ (कोबाल्ट-60)	कैंसर के उपचार में
${}_{33}\text{As}^{74}$ (आर्सेनिक-74)	ट्यूमर की जाँच में
${}_{26}\text{Fe}^{59}$ (लोहा-59)	रक्ताल्पता (Anaemia) की जाँच व उपचार में
${}_{53}\text{I}^{131}$ (आयोडीन-131)	घेंघा रोग की जाँच एवं उपचार में



प्रकाश संश्लेषण (Photosynthesis)

पौधे में जल, प्रकाश, पर्णहरित तथा कार्बन डाइऑक्साइड की उपस्थिति में कार्बोहाइड्रेट्स के निर्माण की प्रक्रिया को **प्रकाश-संश्लेषण** कहते हैं।



ग्लूकोज ऑक्सीजन पानी

पर्णहरित (Chloroplast)—प्रकाश संश्लेषण का केन्द्र होता है, क्लोरोफिल में 4 पाइरोल रिंग का बना चपटा पोरफारिन हेड जिसके केन्द्र में **मैग्नीशियम का एक परमाणु** तथा एक रिंग पर **हाइड्रोजेकार्बन चैन** होती है।

प्रकाश संश्लेषण केवल **दृश्य प्रकाश वर्ण (VIBGYOR)** में होता है। बैंगनी रंग के प्रकाश में सबसे कम तथा लाल रंग के प्रकाश में सबसे अधिक प्रकाश संश्लेषण होता है।

प्रकाश संश्लेषण हेतु सर्वाधिक क्रियाशील **नीला प्रकाश** होता है।

क्लोरोफिल प्रकाश में **बैंगनी, नीला** तथा **लाल रंग** का तीव्र अवशोषण करता है।

क्लोरोफिल पत्तियों में हरे रंग का वर्णक है। इसके 4 घटक हैं—**क्लोरोफिल ए, क्लोरोफिल बी, कैरोटीन** तथा **जेन्थोफिल**। इसमें क्लोरोफिल 'ए' तथा 'बी' हरे रंग का होता है।

सूर्य के प्रकाश के अदृश्य भाग से बैक्टीरिया द्वारा प्रकाश संश्लेषण किया जाता है।

सब्जियों एवं फलों में रंग होने का कारण

उत्पाद	रंग होने का कारण
लाल मिर्च	कैप्सेशिन
हरा आलू	सोलेनिन
लाल टमाटर	लाइकोपिन
प्याज का पीला रंग	क्वेरसिटिन
हल्दी का पीला रंग	करकुमिन
गाजर का लाल रंग	एन्थोसायनिन
पपीते का पीला रंग	केरिकाजेन्थिन
गाजर का नारंगी रंग	कैरोटिन

पादप हॉर्मोन्स (Plant Hormones)

हॉर्मोन विशेष कार्बनिक यौगिक हैं, जो लघु मात्रा में वृद्धि एवं उपापचयी क्रियाओं को प्रभावित व नियन्त्रित करते हैं।

पौधों में निम्न प्रकार के हॉर्मोन पाये जाते हैं—

(1) **आक्सिन्स (Auxins)**—

आक्सिन्स की खोज 1880 ई. में **डार्विन** ने की थी। यह पौधों की वृद्धि को नियन्त्रित करने वाला हॉर्मोन है।

यह हॉर्मोन पत्तियों का विलगन रोकता है।

यह हॉर्मोन खर पतवार को नष्ट कर देता है।



जन्तु विज्ञान (ZOOLOGY)

मानव शरीर के तन्त्र

(Systems of the Human Body)

पाचन क्रिया (Digestion)

- ☞ भोजन के पाचन की सम्पूर्ण प्रक्रिया पाँच अवस्थाओं में होती है—
(1) अन्तर्ग्रहण, (2) पाचन, (3) अवशोषण, (4) स्वांगीकरण (5) मल परित्याग।
(1) अन्तर्ग्रहण (Ingestion)—भोजन को मुख में ले जाना अन्तर्ग्रहण कहलाता है।
(2) पाचन (Digestion)—भोजन के मुख में पहुँचने पर दाँतों द्वारा चबाया जाता है साथ ही लार ग्रन्थियों से लार (Saliva) का स्राव होता है।
- ☞ मनुष्य में लगभग **1.5 लीटर** लार प्रतिदिन स्रावित होता है। इसकी प्रकृति **अम्लीय (pH 6.8)** होती है।
- ☞ लार में दो प्रकार के एन्जाइम पाये जाते हैं—**टायलिन (एमाइलेज)** एवं **माल्टेज**।
- ☞ टायलिन भोजन में उपस्थित **मण्ड (शर्करा) को माल्टोज शर्करा** में बदल देता है।
- ☞ हाइड्रोक्लोरिक अम्ल भोजन को सड़ने से बचाता है। पेप्सिन को खण्डित कर सरल पदार्थों में परिवर्तित कर देता है।
- ☞ रेनिन एन्जाइम दूध की धुली हुई प्रोटीन केसीन को ठोस प्रोटीन कैल्सियम पैराकेसीनेट में दही के रूप में बदल देता है।
- ☞ **लाइपेज** इमल्सीकृत वसाओं को वसा अम्लों तथा ग्लिसरॉल में बदल देता है।
- ☞ **ट्रिप्सिन** प्रोटीन को पचाता है तथा **लाइपेज** वसा का पाचन करता है।
(3) अवशोषण (Absorption)—भोजन का अवशोषण छोटी आँत में होता है। इस छोटी आँत में पाचन होने के बाद भी भोजन शरीर का भाग उस समय तक नहीं बन सकता जब तक यह आहार नाल की दीवारों में शोषित होकर रुधिर परिसंचरण द्वारा शरीर के विभिन्न भागों में न पहुँच जाये।
(4) स्वांगीकरण (Assimilation)—अवशोषित भोजन को शरीर द्वारा उपयोग में लाया जाना स्वांगीकरण कहलाता है।
- ☞ यकृत में पहुँचकर आवश्यकता से अधिक अमीनो अम्ल अमोनिया में विखण्डित हो जाते हैं, जिनसे यूरिया बनता है, जो मूत्र के साथ उत्सर्जित होता है।
(5) मल परित्याग (Defaecation)—बड़ी आँत में भोजन का अवशोषण नहीं होता बल्कि यह कोलन के द्वारा बाहर निकाल दिया जाता है।
- ☞ मल में अनेक लवण; जैसे—आयरन, सोडियम, पोटैशियम, कैल्सियम, मैग्नीशियम तथा अनेक गैसों; जैसे—अमोनिया, मीथेन, हाइड्रोजन, सल्फाइड, नाइट्रोजन, कार्बन डाइ-ऑक्साइड होती हैं।

दाँत (Teeth)

- ☞ दाँत भोजन को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़कर पाचन योग्य बनाने में मदद करता है।
- ☞ दाँतों के अध्ययन सम्बन्धी विज्ञान को **ओडोण्टोलॉजी** कहते हैं।
- ☞ एक पूर्ण वयस्क नर के मुख में कुल 32 स्थायी दाँत होते हैं। इनमें 4 × 2 **कृतक (Incisors)**, 2 × 2 **रदनक (Canines)**, 2 × 4 **अग्र चवर्णक (Premolars)** तथा 2 × 6 **चवर्णक (Molars)** प्रकार के होते हैं।

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

355



हॉर्मोन्स तथा रक्तके प्रभाव

हॉर्मोन्स	हॉर्मोन्स के प्रभाव	अल्प स्रावण के प्रभाव	अति स्रावण के प्रभाव
1. पीयूष ग्रन्थि (A) न्यूरोहाइपोफाइसिस (i) वैसोप्रेसिन (Vasopressin —ADH) (ii) ऑक्सीटोसिन	वृक्क नलिकाओं में जल के पुनर्वशोषण को बढ़ाना। परिधीय ऊतकों की रुधिर वाहिनियों को सिकोडकर रक्त-दाब बढ़ाना। गर्भाशय की दीवार को सिकोडकर प्रसव पीड़ा का प्रेरक। शिशु जन्म के बाद गर्भाशय को सामान्य दशा में लाना। स्तनों की पेशियों को सिकोड़ना।	मूत्र तनु व रक्त गाढ़ा हो जाता है। मूत्र की मात्रा बढ़ जाती है। Diuresis diabetes insipidus)	मूत्र गाढ़ा व रक्त तनु
(B) ऐहीनोहाइपोफाइसिस (i) सोमैटोटोपिन (STH) या वृद्धि हॉर्मोन्स (GH)	शरीर-कोशाओं में DNA, RNA एवं प्रोटीन के तथा यकृत में अमीनो अम्लों से ग्लूकोज के संश्लेषण का प्रेरण। उक्त कक्ष को रोकना।	बचपन में वृद्धि का रुकना (dwarfism, midgets). वृद्धि के बाद पीयूष भिकसीडीमा (Pituitary Myxoedema)।	बचपन में अनुपातिक भीमकाय शरीर (Proportionate gigantism); वयस्क में कुरूप भीमकाय शरीर (acromegaly)।
(ii) प्रोलैक्टिन (PRL) या LTH या MTH	हल्का वृद्धि हॉर्मोन; गर्भकाल में स्तनों की वृद्धि और दूध के स्रावण का प्रेरक।	—	—
(iii) मिलेनेसाइट प्रेरक हॉर्मोन (MSH)	त्वचा के कांस्यवर्ण तथा तिलों व चकत्तों के निर्माण का प्रेरक।	—	—

सामान्य विज्ञान (जन्तु)



- इस पूरे चक्र में पाइरुविक अम्ल के दो अणु होते हैं, अतः कुल 6 अणु कार्बन डाइ-ऑक्साइड के बनते हैं।
- श्वसन क्रिया के दौरान उपभोग में लायी गयी सम्पूर्ण ऑक्सीजन एवं इस दौरान उत्पन्न हुई कुल कार्बन डाइ-ऑक्साइड के गैसीय विनिमय अनुपात को **श्वसन भागफल (Respiration Quotient)** कहते हैं।

महत्वपूर्ण जानकारियाँ

- | | |
|----------------------------|--------------------------|
| सबसे बड़ा जीवित पक्षी | —शतुरमुर्ग |
| सबसे बड़ा कृपि | —गोरिल्ला |
| सबसे बड़ा व भारी स्तनी | —नीली व्हेल |
| सबसे छोटा स्तनी | —छछूंदर |
| सबसे व्यस्त मानव अंग | —हृदय |
| सबसे बड़ा जीवित सरीसृप | —टर्टल (कछुआ) |
| सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी | —कटिपुञ्ज पक्षी |
| सबसे तेज दौड़ने वाला जन्तु | —चीता |
| सबसे बड़ा सर्प | —पाइथन |
| सबसे छोटा पक्षी | —हमिन पक्षी |
| सबसे बड़ा अण्डा | —शतुरमुर्ग |
| सबसे ऊँचा स्तनी | —जिराफ (अफ्रीका) |
| सबसे बड़ा स्थली स्तनी | —अफ्रीकन हाथी |
| अंडप्रजक स्तनी | —एकिडना तथा डकबिल्लेटीपस |

पोषण एवं स्वास्थ्य (Nutrition and Health)

वे पोषक पदार्थ जिनके प्रयोग द्वारा जीव ऊर्जा प्राप्त करते हैं और अपने कोशिकाद्रव्य का निर्माण करते हैं, भोजन कहलाता है। सभी जीवों को अपनी शारीरिक वृद्धि, टूट-फूट एवं मरम्मत तथा आवश्यक जैविक क्रियाओं के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जो उसे भोजन द्वारा प्राप्त होती है।

- रासायनिक आधार पर पोषक तत्वों का वर्गीकरण दो प्रकार से किया जा सकता है—
- (A) कार्बनिक पोषक तत्व,
(B) अकार्बनिक पोषक तत्व।

(A) कार्बनिक पोषक तत्व

इसमें प्रमुख पाँच तत्व होते हैं—(i) कार्बोहाइड्रेट, (ii) प्रोटीन, (iii) वसा, (iv) विटामिन, (v) पानी।

(i) **कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrates)**—कार्बोहाइड्रेट शर्करा, मण्ड के जटिल तथा बड़े तन्तुओं के रूप में होते हैं। कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के 1 : 2 : 1 के अनुपात से मिलकर बने कार्बनिक पदार्थ कार्बोहाइड्रेट कहलाते हैं। यही पदार्थ शरीर की 50-75% ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति करते हैं।

- कार्बोहाइड्रेट तीन प्रकार के होते हैं—
- (i) मोनो सैकेराइड,
(ii) डाइ सैकेराइड्स,
(iii) पॉली सैकेराइड्स।



- 1 ग्राम ग्लूकोज के पूर्ण ऑक्सीकरण से 4.2 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है।
स्रोत—गेहूँ, मक्का, चावल, बाजरा, जौ, शक्कर, शहद, फल, दूध, आलू, शकरकन्द, चुकन्दर, रसीले फल, गन्ना, गुड़ आदि।
(ii) प्रोटीन (Protein)—सर्वप्रथम प्रोटीन शब्द का प्रयोग **जे. बर्जेलियस** ने किया था। यह एक जटिल कार्बनिक यौगिक है, जो 20 अमीनो अम्लों से मिलकर बने होते हैं।
मानव शरीर का 15% भाग प्रोटीन का बना होता है। प्रोटीन शरीर की ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्रोत है।
जीवों के भोजन में सर्वाधिक मात्रा प्रोटीन की होती है। प्रोटीनों के पाचन में सहायक एन्जाइम **ट्रिप्सिन** होता है।
प्रोटीन शरीर की वृद्धि के लिए आवश्यक है। इसकी कमी से शरीर का विकास रुक जाता है। बच्चों में प्रोटीन की कमी से **क्वाशियोरकर (Kwashiorkor)** तथा **मरास्मस (Marasmus)** नामक रोग हो जाते हैं।
क्वाशियोरकर रोग से बच्चों के हाथ-पैर दुबले हो जाते हैं तथा पेट बाहर की ओर निकल आता है।
क्वाशियोरकर रोग से बच्चों की मांसपेशियाँ ढीली तथा कमजोर हो जाती हैं।
दूध पिलाने वाली महिला को प्रतिदिन **70 ग्राम प्रोटीन** की आहार में आवश्यकता होती है।

मुख्य प्रोटीन्स एवं उनके कार्य

मुख्य प्रोटीन्स	उनके कार्य
कोलेजन	तन्तुमय संयोजी ऊतक के निर्माण में प्रयुक्त। अस्थि व कार्टिलेज के आधार पदार्थ का निर्माण करना।
फ्राइबोइन	रेशम तथा मकड़ियों के धागे का निर्माण करना।
केराटिन	त्वचा, बाल, नाखून, सींग, खुर के निर्माण में सहायक होते हैं।
इलास्टिन	यह भी तन्तुमय प्रोटीन है, जो लिगामेण्ट्स व रुधिर वाहिनियों के पीले ऊतक में मिलता है।
गोसिपिन (Gossypin)	कपास प्रोटीन है, जो कीटनाशक के रूप में प्रयुक्त होता है।
एक्टिन एवं मायोसिन	सभी कंकालीय पेशियों में संकुचनशीलता का हेतु हैं।
ग्लाइडिन (Gliadin)	गेहूँ में पाया जाता है।
जिन (Zein)	मक्का में पाये जाने वाला प्रोटीन है।
ग्लोब्युलिन	अण्डे में पाया जाता है।
केसीन	दूध में पाया जाता है।
ग्लूटेलिन्स (Glutelins)	अनाज में पाये जाने वाला प्रोटीन है।
प्रोलैमीन्स	दालों में पायी जाने वाली प्रोटीन है।
फाइब्रिनोजन तथा थ्रोम्बि	चोट लगने पर रुधिर का थक्का बनाकर रक्तस्राव को रोकती है।
हिस्टोन	यह न्यूक्लियो प्रोटीन है जो आनुवंशिक लक्षणों के विकास एवं वंशागति का नियन्त्रण करती है।
ग्लोबिन	यह रुधिर में पाये जाने वाला प्रोटीन है, जो हीमोग्लोबिन के रूप में ऑक्सीजन का संवहन करती है।
साइटोक्रोम	यह माइट्रोकाण्ड्रिया में पाये जाने वाला प्रोटीन है जो श्वसन-प्रक्रिया को पूर्ण करने में सहायता करता है।
एण्टीबॉडीज	यह सुरक्षात्मक प्रोटीन्स होती है जो हानिकारक पदार्थों तथा आक्रमणकारी जीवाणुओं आदि से शरीर की सुरक्षा करती है।



- ❖ विटामिन से कोई कैलोरी प्राप्त नहीं होती, परन्तु ये शरीर के उपापचय (Metabolism) और रासायनिक प्रतिक्रियाओं के नियमन के लिए अत्यन्त आवश्यक हैं।
- ❖ जल में घुलनशील विटामिन B एवं C होते हैं तथा वसा में घुलनशील विटामिन A, D, E, K होते हैं।
- ❖ विटामिनों का संश्लेषण हमारे शरीर की कोशिकाओं द्वारा नहीं हो सकता एवं इसकी पूर्ति विटामिन युक्त भोजन से होती है तथापि **विटामिन D एवं K का संश्लेषण हमारे शरीर में होता है।**
- ❖ विटामिन D का संश्लेषण सूर्य के प्रकाश में उपस्थित पराबैंगनी किरणों द्वारा त्वचा के कोलेस्टेरोल (इर्गोस्टेरोल) द्वारा होता है।

विटामिनों के कार्य एवं स्रोत

क्र. सं.	विटामिनों के नाम	विटामिनों के कार्य	विटामिनों के स्रोत	विटामिनों की कमी के लक्षण
1.	विटामिन 'ए' (रेटिनॉल)	संक्रामक रोगों तथा त्वचा और आँख की रोगों से रक्षा करता है।	फल, टमाटर, मक्खन, अण्डे की जर्दी, कॉड लिवर ऑयल आदि।	शारीरिक वृद्धि में रुकावट, रतोंधी व जीरोथैल्मिया, दाँतों में पायरिया। संक्रमण रोधी विटामिन कहलाता है।
2.	विटामिन 'बी ₁ ' (थायमीन)	यह शरीर की लगभग प्रत्येक जैव रासायनिक क्रिया में भाग लेता है। (विशेषकर कार्बोहाइड्रेट के उपापचय में)। शारीरिक विकास में सहायता करता है और पाचन शक्ति को स्थिर रखता है। इसके अलावा केन्द्रीय तन्त्रिका क्षेत्र को सुचारु रूप से काम करने में मदद करता है।	अंकुरित अनाज, मांस, दूध, बीज वाले अन्न, अण्डे, यीस्ट आदि।	बेरी-बेरी रोग , वृद्धि रुकना, थकान होना, केन्द्रीय तन्त्रिका तन्त्र का ठीक से कार्य न करना, मांसपेशियाँ ढीली पड़ जाना, आमाशय की गड़बड़ियाँ होना।
3.	विटामिन 'बी ₂ ' (राइबोफ्लेविन)	कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा के उपापचय में मदद करता है। मांसपेशियों को स्वस्थ रखता है।	मुर्गे, अण्डे, मांस, हरी सब्जियाँ, दूध, सोयाबीन आदि।	दृष्टि धुँधली होना, वृद्धि का रुकना, जीभ पर छाले पड़ना, असमय बुढ़ापा, नींद में कमी, पेट दर्द और त्वचा पर धब्बे की शिकायत तथा कीलोसिस होना।
4.	विटामिन 'बी ₃ ' (पैण्टोथेनिक एसिड)	नाड़ी तन्त्र का पोषण करता है। त्वचा व बालों को स्वस्थ बनाये रखता है और उनकी वृद्धि में मदद करता है।	दूध, अण्डे, गुर्दा, कलेजी, यीस्ट, मांस आदि।	पेशियों में लकवा, बालों का रंग सफेद होना, पैरों में जलन महसूस होना तथा चर्म रोग होना।



- ❧ यह रोग स्त्रियों में तभी होता है, जब इसके दोनों गुणसूत्र (xx) प्रभावित हों। यदि केवल एक गुणसूत्र (x) पर वर्णान्धता के जीन हैं, तो स्त्रियाँ वाहक का कार्य करेंगी।
- ❧ **पटाऊ सिण्ड्रोम (Patau's Syndrome)**—इसमें रोगी का ऊपर का होंठ बीच से कट जाता है। तालू में दरार, मन्दबुद्धि, नेत्ररोग आदि अन्य लक्षण इस रोग में होते हैं।
- ❧ **टर्नर सिण्ड्रोम (Turner's Syndrome)** इस रोग में शरीर अल्पविकसित, कद छोटा, वक्ष चपटा तथा जननांग अविकसित होता है। यह रोग स्त्रियों में होता है।
- ❧ इस रोग से ग्रस्त स्त्रियाँ **बाँझ (Sterile)** हो जाती हैं।
- ❧ **क्लीनेफेल्टर सिण्ड्रोम**—यह रोग पुरुषों में होता है। इसमें गुणसूत्रों की संख्या 46 से बढ़कर 47 हो जाती है। इसमें पुरुषों में वृषण (Testes) अल्पविकसित होते हैं।
- ❧ इस रोग से ग्रस्त पुरुष में स्त्रियों के समान स्तन विकसित हो जाते हैं। इस तरह पुरुष **नपुंसक (Sterile)** हो जाता है।
- ❧ **डाउन्स सिण्ड्रोम (Downs Syndrome)**—इस प्रकार के रोगी मन्दबुद्धि होते हैं। इसमें आँखें टेढ़ी, जीभ मोटी, अनियमित शरीर का ढाँचा होता है।
- ❧ **मायलोजिनस ल्यूकीमिया (Myelogenous Leukemia)**—इसे **फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम** रोग कहते हैं। इससे मनुष्य को **रुधिर कैंसर** हो जाता है।

मानव रोग

परजीवी (Protozoa) द्वारा होने वाला रोग

क्र. स.	रोग	प्रभावित अंग	परजीवी	वाहक मच्छर	लक्षण
1.	मलेरिया	तिल्ली एवं RBC	प्लाज्मोडियम	मादा एनाफ्लीज	ठंड के साथ बुखार
2.	पायरिया	मूसदों	एन्टी अमीबा जिन्जिवेलिस	—	मसूदों से रक्त का निकलना
3.	सोने की बीमारी	मस्तिष्क	ट्रिपेनोसोमा	सी-सी मक्खी (Tsa-Tse)	बहुत नींद के साथ बुखार
4.	पेचिस	आँत	एन्टी अमीबा हिस्टोलिटिका	—	श्लेष्मा एवं खून के साथ दस्त
5.	काला जार	अस्थि-मज्जा	लीशमैनिया जेनावानी	बालू-मक्खी	तेज बुखार

जीवाणु (Bacteria) के द्वारा होने वाला रोग

बीमारी	प्रभावित अंग	जीवाणु के नाम	लक्षण
टिटेनेस	तंत्रिका तंत्र	क्लोस्ट्रीडियम टेटेनी	तेज बुखार, शरीर में ऐंठन, जबड़ा बन्द होना
हैजा	आँत	विब्रियो कॉलेरी	लगातार दस्त और उल्टियाँ

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 378 |



बीमारी	प्रभावित अंग	जीवाणु के नाम	लक्षण
टायफाइड	आँत	सालमानेला टाइफी	तेज बुखार, सिरदर्द
क्षय रोग	फेफड़ा	माको बैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस	बार-बार खाँसी के साथ कफ, रक्त निकलना
डिप्थीरिया	श्वास नली	कोरीनी बैक्टीरियम डिप्थीरी	साँस लेने में कठिनाई एवं दम घुटना
प्लेग	फेफड़ा, कांरव दोनों पैर के बीच	पाश्चुरेला पेस्टिस	बहुत तेज बुखार, शरीर पर गिल्टियाँ
काली खाँसी	श्वासन तंत्र	हीमोफिलस परटूसिस	लगातार खाँसी आना
निमोनिया	फेफड़ा	डिप्लोकोकस न्यूमोनी	तेज बुखार, फेफड़ों में सूजन
कोद	तंत्रिका-तंत्र त्वचा	माइकोबैक्टीरियम लेप्री	शरीर पर चकते, तंत्रिकाएँ प्रभावित
गोनोरिया	मूत्र मार्ग	नाइसेरिया गोनोरियाई	मूत्र-मार्ग में सूजन
सिफलिस	शिश्न	टैपोनमा पैलिडम	शिश्न में घाव

विषाणु (Virus) के द्वारा होने वाली बीमारी

क्र. स.	बीमारी	प्रभावित अंग	विषाणु के नाम	लक्षण
1.	एड्स (AIDS)	प्रतिरक्षा प्रणाली (WBC)	HIV	रोग-प्रतिरोधक क्षमता का नष्ट होना
2.	डेंगू ज्वर (हड्डी तोड़ बुखार)	सम्पूर्ण शरीर खास कर सिर आँख एवं जोड़	अरबो वायरस	आँखों, पेशियों, सिर तथा जोड़ों में दर्द
3.	पोलियो	गला, रीढ़, नाड़ी संस्थान	पोलियो	ज्वर, बदन में दर्द, रीढ़ की हड्डी आँत की कोशिकाएँ नष्ट हो जाती हैं।
4.	डन्फ्लूएंजा	सम्पूर्ण शरीर	मिक्सो वायरस (ABC)	गलशोथ, छींक, बैचेनी
5.	चेचक	सम्पूर्ण शरीर	वैरिओला वायरस	तेज-बुखार, शरीर पर लाल-लाल दाने
6.	छोटी माता	सम्पूर्ण शरीर	वैरिसेला वायरस	हल्का बुखार, शरीर पर पित्तिकाएँ
7.	गलशोथ	पैराथाराइड ग्रंथि	—	ज्वर के साथ मुँह खोलने में कठिनाई
8.	खसरा	सम्पूर्ण शरीर	मोर्बिली वायरस	शरीर पर लाल दाना
9.	टेकोमा	आँख	—	आँख लाल होना, आँख में दर्द



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (Science and Technology)

प्रतिरक्षा प्रौद्योगिकी (Defence Technology)

- रक्षा क्षेत्र में अनुसन्धान एवं विकास के लिए रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (DRDO) की स्थापना 1958 में की गयी।
- डी. आर. डी. ओ. के प्रमुख एवं महानिदेशक रक्षा मन्त्री के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार होते हैं। इस संगठन का मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- रक्षा उत्पादन एवं आपूर्ति विभाग की स्थापना 1948 ई. में की गयी।
- भारत की तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने 1983 में 'समेकित निर्देशित प्रक्षेपास्त्र विकास कार्यक्रम' (Integrated Guided Missile Development Programme) की स्थापना की।
- वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसन्धान परिषद् (CSIR) का अध्यक्ष भारत का प्रधानमन्त्री होता है। इसकी स्थापना 1942 में नई दिल्ली (मुख्यालय) में की गयी थी।
- विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र की स्थापना 1963 ई. में तिरुवनन्तपुरम् के थुम्बा गाँव में की गयी है। यह केन्द्र भू-चुम्बकीय विषुवत् रेखा पर स्थित होने के कारण इस स्थान का चुनाव किया गया।
- 6 मार्च, 2009 को भारतीय वायुसेना से मिग-23 बीएन लड़ाकू विमानों की विदाई कर दी गयी। 1981 में वायुसेना में शामिल इन विमानों में से कुछ ही अब शेष बचे थे।
- प्रशिक्षण पोत आईएनएस 'कृष्णा' जनवरी, 2012 में सेवानिवृत्त हो गया है। दिसम्बर, 1968 में एचएमएस एण्ड्रोमेडा नाम से ब्रिटिश नौसेना से 1994 में खरीदा था। 22 अगस्त, 1995 को इस पोत को कैडेट्स ट्रेनिंगशिप के रूप में 'आईएनएस कृष्णा' नाम से भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।
- स्व. राष्ट्रपति अबुल कलाम को 'मिसाइल मैन' कहा जाता था।
- टैसी थॉमस को 'मिसाइल वुमेन' कहा जाता है।

भारतीय लड़ाकू विमान

मानव रहित विमान : निशान्त—

- राडार की नजरों में न आने वाले 'निशान्त' विमान का सफल परीक्षण 21 अगस्त, 1996 को बंगलुरु के पास कोलार में किया गया।
- शुरुआत में निशान्त विमान में अमेरिकी लिम्बैक इंजन लगाया गया था, बाद में इस इंजन का भारत में ही उत्पादन होने लगा।
- निशान्त दुश्मन के इलाके पर 140 किमी प्रति घण्टे की गति से 4 किमी की ऊँचाई पर 5 घण्टे से अधिक समय तक उड़ सकता है।

मानव रहित विमान : नेत्र—

- 1.5 किग्रा. वजन वाले स्वदेशी मानव रहित विमान 'नेत्र' का सफल परीक्षण रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा एक निजी कम्पनी के सहयोग से किया गया।
- यह रिमोट कण्ट्रोल के जरिए 200 मीटर की ऊँचाई तक ऊर्ध्वार उड़ान भर सकता है।
- इसे दिसम्बर, 2010 को भारतीय सेना में शामिल किया गया।



आईएनएस 'सतपुड़ा'

- ✚ खतरनाक मिसाइलों से लैस स्वदेशी युद्धपोत **आईएनएस 'सतपुड़ा'** को 20 अगस्त, 2011 को मुम्बई में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।
- ✚ आईएनएस 'सतपुड़ा' स्वदेशी तकनीक से विकसित दूसरा बहुउद्देशीय **स्टेल्थ युद्धपोत** है। इस श्रेणी का पहला युद्धपोत **'आईएनएस शिवालिक'** है।
- ✚ अत्याधुनिक तकनीक से लैस यह पोत 142.5 मीटर लम्बा और इसका वजन 6200 टन है।

आईएनएस 'शक्ति'

- ✚ इस पोत का निर्माण इटली की एक कम्पनी ने किया था।
- ✚ 18 अक्टूबर, 2011 को भारतीय नौसेना के बेड़े में 'आईएनएस शक्ति' को शामिल किया गया।

आईएनएस 'तलवार'

- ✚ **आईएनएस 'तलवार'** को भारतीय नौसेना के बेड़े में **12 अगस्त, 2003** को शामिल किया गया।
- ✚ यह **भारत का पहला स्टील्थ पोत** है।
- ✚ रूस द्वारा निर्मित यह युद्धपोत 200 किमी से अधिक दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों एवं अत्याधुनिक हथियार प्रणाली से लैस है।

आईएनएस 'सरयू'

- ✚ भारतीय नौसेना ने अपने सबसे बड़े अपतटीय गश्ती पोत **'आईएनएस सरयू'** का जलावतरण 21 जनवरी, 2013 को किया।
- ✚ गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में निर्मित 105 मीटर का यह समुद्रतटीय निरीक्षण पोतों के नये वर्ग के चार पोतों में से एक है।
- ✚ यह युद्धपोत अण्डमान निकोबार द्वीप समूह के आस-पास समुद्री निरीक्षण के लिए तैनात रहेगा।

युद्धपोत 'घड़ियाल'

- ✚ युद्धपोत 'घड़ियाल' का जलावतरण 14 फरवरी, 1997 को कोलकाता में नौसैनिक गोदी गार्डन रीच में किया गया।
- ✚ यह लोडिंग शिप टैंक वर्ग का युद्धपोत 5500 टन विस्थापन क्षमता वाला है।

अन्य प्रमुख युद्धपोत व पनडुब्बी

नाम	विशेषता
आईएनएस 'ब्रह्मपुत्र'	रूसी 'उरन' प्रक्षेपास्त्रों से लैस एक गाइडेड मिसाइल युद्धपोत।
आईएनएस 'विक्रमादित्य'	देश में निर्माणाधीन पहला विमान वाहक पोत।
आईएनएस 'मैसूर'	स्वदेशी तकनीक से निर्मित इस युद्धपोत का निर्माण मझगाँव डॉक्स लिमिटेड में किया गया।
आईएनएस 'बेतवा'	स्वदेश निर्मित ब्रह्मपुत्र श्रेणी का युद्धपोत।
आईएनएस 'दिल्ली'	स्वदेशी तकनीक पर आधारित सबसे बड़ा युद्धपोत।
आईएनएस 'मुम्बई'	भारतीय नौसेना में शामिल आईएनएस दिल्ली की श्रेणी का युद्धपोत है।
आईएनएस 'आदित्य'	स्वदेश निर्मित देश का सबसे बड़ा टैंकर पोत।

Call / Whatsapp : 700254055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART

search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 396 |



- 1 अगस्त, 1955 को परमाणु ऊर्जा आयोग का नाम बदलकर **भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र (Bhabha Atomic Research Centre—BARC)** किया गया।
- 1971 में **चेन्नई** के निकट **इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसन्धान केन्द्र** की स्थापना की गयी।
- 31 दिसम्बर, 2010 से मुम्बई में देश के दूसरे सबसे पुराने परमाणु अनुसन्धान संयन्त्र **'साइरस' (CIRUS—Canada India Reactor Utility Service)** को **बन्द कर दिया गया**। इस परमाणु अनुसन्धान केन्द्र की स्थापना 50 वर्ष पूर्व **कनाडा** के सहयोग से की गयी थी।

भारत में गुरुजल के संयंत्र

स्थान	सम्बन्धित राज्य	क्षमता मेगावाट/प्रतिवर्ष
मानगुरु	आन्ध्र प्रदेश	185
कोटा	राजस्थान	85
नांगल	पंजाब	14
थाल	महाराष्ट्र	100
हजीरा	गुजरात	100
तूतीकोरिन	तमिलनाडु	49
वड़ोदरा	गुजरात	45

- डॉ. टेसी थॉमस** भारत की पहली महिला हैं जिन्होंने देश के महत्वपूर्ण मिसाइल प्रोजेक्ट की कमान सँभाली है। अग्नि-II के प्रोन्नत रूप अग्नि-IV का 15 नवम्बर, 2011 को किया गया परीक्षण पूर्णतः सफल रहा। टेसी थॉमस अग्नि-IV की परियोजना निदेशक हैं। उन्हें **'मिसाइल वोमेन'** तथा **'अग्नि पुत्री'** जैसे नाम दिये गये हैं।

भारत के भूमिगत परमाणु परीक्षण

प्रथम

- 18 मई, 1974 को राजस्थान के **जैसलमेर जिले के पोखरन** नामक स्थान पर 12 किलो टन के समतुल्य ऊर्जा **प्लूटोनियम बम का भूमिगत परीक्षण** सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। इसका आधिकारिक कोड **स्माइलिंग बुद्ध** था।
- भारत परमाणु शक्ति विकसित करने वाला **विश्व का छठा देश (सं. रा. अमरीका, सोवियत संघ, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस एवं चीन के बाद)** बना।

द्वितीय

- भारत ने पोखरन में ही **11 व 13 मई, 1998 को 5 सफल परमाणु परीक्षण** किये। इस ऑपरेशन के **पोखरन-2** के प्रथम चरण में 3 प्रकार के परमाणु परीक्षण किये गये, जिसे **शक्ति-98** नाम दिया गया।
- शक्ति-98 योजना की सफलता का श्रेय तीन वैज्ञानिक **ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, अनिल काकोदकर, आर. चिदम्बरम्** को संयुक्त रूप से दिया जाता है।
- इसमें प्रथम फ्यूजन डिवाइस, द्वितीय लो यील्ड डिवाइस एवं तृतीय थर्मोन्यूक्लियर डिवाइस प्रकृति के थे।
- लो यील्ड डिवाइस कम क्षमता वाला इकाई किलोटन का विस्फोट था। थर्मोन्यूक्लियर डिवाइस को सामान्यतः हाइड्रोजन बम विस्फोट कहा जाता है तथा इसे महाविनाशक के रूप में बदला जा सकता है।



कम्प्यूटर (COMPUTER)

कम्प्यूटर का विकास (Development of Computer)

- ❏ कम्प्यूटर के सन्दर्भ में कहा जाता है कि कम्प्यूटर का आविष्कार चीन में 3000 साल पहले हो गया था। इससे पहले कम्प्यूटर का नाम 'अबेकस' (Abacus) था। अबेकस को कम्प्यूटर का आधार माना जा सकता है। यह आज भी चीन, जापान सहित एशिया के बहुत सारे देशों में अंकों की गणना के लिए काम आता है।
- ❏ अबेकस तारों का एक फ्रेम होता है। जिसमें गोलियाँ, जिनमें छेद होते हैं, पिरोई रहती हैं। आरम्भ में अबेकस को व्यापारी गणनाएँ करने के काम में प्रयोग किया करते थे। यह मशीन अंकों के जोड़, घटाना, गुणा व भाग करने के काम में आती थी। यह फ्रेम दो अलग-अलग भागों में विभाजित होता है, जिसमें एक तरफ प्रत्येक तार में दो-दो गोलियाँ होती हैं, जिनका मान 5 होता है तथा दूसरे भाग में प्रत्येक तार में 5-5 गोलियाँ होती हैं जिनका मान एक होता है।
- ❏ आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है। अतः आवश्यकता के कारण ही कालान्तर में आज के कम्प्यूटर का आविष्कार हुआ। अतः अबेकस के बाद गणना पद्धति में सबसे अधिक योगदान जोन नेपियर का रहा।
- ❏ स्काटिश गणितज्ञ जोन नेपियर ने हाथी दाँत की ग्यारह छड़ें लीं तथा उन पर अंक लिखे। दी हुई संख्या को छड़ों को पास-पास रख कर नेपियर ने जोड़ना, घटाना, भाग देना तथा गुणा करना सरल बनाया। लॉगरिथम (Logarithm) पद्धति का विकास भी बाद में नेपियर ने ही किया था।
- ❏ इसके उपरान्त एक यान्त्रिक कैलकुलेटर प्रचलन में आया, जिसका आविष्कार फ्रांस के ब्लेस पास्कल (Blaise Pascal) ने किया। इसमें कुछ गेयर्स, दाँतेदार पहिये तथा चक्करों का प्रयोग किया गया। पास्कल का अनुसरण करते हुए जर्मनी के प्रो. लिबनिट्स (Prof. Libnits) ने सन् 1677 में अपना यन्त्र बनाया, जिसमें कैलकुलेटर के कुछ अंगों को दायीं या बायीं ओर सरकाया (Shift) जा सकता था।
- ❏ सन् 1823 में चार्ल्स बाबेज (Charles Babbage) ने सर्वप्रथम आधुनिक कम्प्यूटर के आधार पर काम करने वाले यन्त्र का विकास किया। इन्हें कम्प्यूटर का जनक कहा जाता है। इसका नाम 'डिफरेन्स इंजन' रखा गया। यह 20 डिजिट्स तक की सारणी की सही गणना करने की क्षमता रखता था। उनके इस प्रयास की दुनिया भर में तारीफ हुई। अपने 'डिफरेन्स इंजन' की सफलता से उत्साहित होकर बाबेज ने सन् 1833 में 'एनालेटीकल इंजन' का विकास किया। इसमें आगत, निर्गत, नियन्त्रण, गणना तथा मेमोरी की व्यवस्था थी। इस प्रकार यहीं से आधुनिक कम्प्यूटर का सूत्रपात हुआ।
- ❏ ब्रिटेन के एलान टूरिंग ने सर्वप्रथम कृत्रिम बुद्धिमत्ता की विचारधारा रखी पर इस क्षेत्र में अपने योगदान के कारण जॉन मैकार्थी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता का जनक (Father of Artificial Intelligence) कहा जाता है।
- ❏ द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश वैज्ञानिक डॉ. एलन एम. टूरिंग ने 'कॉलोसस' नामक प्रथम इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल कम्प्यूटर को डिजाइन किया था। इन्हें आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान का जनक माना जाता है।
- ❏ 1937 से 1944 के बीच आईबीएम (IBM-International Business Machine) नामक कम्पनी के सहयोग तथा वैज्ञानिक हावर्ड आइकेन के निर्देशन में विश्व के प्रथम पूर्ण स्वचालित विद्युत यांत्रिक (Electro-mechanical) गणना यंत्र का आविष्कार किया। इसे मार्क-I नाम दिया गया।



(9) फोर्थ (Forth)—इस भाषा का विकास 1960 ई. में चार्ल्स एच. भूरे द्वारा किया गया था। इसका विकास चतुर्थ पीढ़ी के कम्प्यूटरों में विकास हेतु किया गया था।

(10) सी (C)—इस भाषा का विकास 1970 ई. में डेनिस रिची द्वारा किया गया था। यह सामान्य उद्देशीय प्रोग्रामिंग भाषा है। इसका डिजाइन तो सिस्टम सॉफ्टवेयर बनाने के लिए हुआ था परन्तु इसका उपयोग **अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर (Application Software)** बनाने में भी काफी होता है।

(11) स्नोबोल (Snobol)—इस भाषा का 1962 ई. में ग्रिस्बोल द्वारा विकास किया गया था। इससे व्यक्ति किसी पुस्तक में यह पता लगा सकता है कि कम्प्यूटर में शब्द कितनी बार प्रयोग हुआ है।

(12) सी++ (C++)—यह सिस्टम प्रोग्रामिंग के साथ सामान्य उद्देश्य प्रोग्रामिंग भाषा है। यह सी भाषा से थोड़ी बेहतर व कठिन प्रोग्रामिंग भाषा है। यूनिक्स (UNIX) आपरेटिंग सिस्टम सी भाषा में लिखा गया पहला महत्वपूर्ण प्रोग्राम है। यह बोलचाल की अंग्रेजी भाषा के करीब है।

(13) प्रोलॉग (Prolog)—इस भाषा का विकास 1973 में फ्रांस में किया गया था। यह Programming is logic का संक्षिप्त रूप है। प्रोलॉग में समस्याओं के हल के लिए तर्क-तकनीक का प्रयोग किया जाता है, जिसे **निर्धारण कलन (Predicate Calculus)** कहा जाता है।

(14) लिस्प (Lisp)—इस भाषा का विकास 1960 के दशक में जॉन मेकार्थी द्वारा कृत्रिम बुद्धि कार्यों के लिए लिस्प का आविष्कार किया गया था। लिस्प एक अनुवादक भाषा है। लिस्प लाजिक थ्योरिस्ट एवं आई. पी. एल. के बाद बनने वाली तीसरी कृत्रिम बुद्धि भाषा मानी जाती है।

(15) जावा (Java)—जावा मुख्य रूप से माइक्रोसिस्टम द्वारा 1995 ई. में जारी किया गया। जावा, सिण्टैक्स सी तथा C++ का डेरीवेटिव है। यह ऑब्जेक्ट ओरिएण्टेड भाषा है। यह सामान्य प्रोग्रामिंग भाषा है। यह इण्टरनेट या वर्ल्ड वेब के लिए उपयुक्त भाषा है। एनीमेशन आधारित वेब पेज, शैक्षिक कार्यक्रम तथा खेल आदि के विकास में भी इसका प्रयोग किया जाता है।

कम्प्यूटर के भाग एवं कार्य प्रणाली

हार्ड डिस्क (Hard Disk)—डेटा स्टोरेज के लिए एक डिवाइस जिसे सामान्यतः कैबिनेट के भीतर रखा जाता है। इस पर काफी अधिक डेटा स्टोर किया जा सकता है। चूँकि हार्ड डिस्क अलग-अलग आकारों में आती है, अतः एक यूजर अपनी आवश्यकता के अनुसार इसका चुनाव कर सकता है। कम्प्यूटर में इसे अक्सर 'सी' (C) ड्राइव नाम दिया जाता है। हार्ड डिस्क 10GB, 20GB, 40GB, 80GB, 500GB, 1TB, 2TB आदि क्षमता में उपलब्ध हैं।

मॉडम (Modem)—वह डिवाइस जो कि डिजिटल सिग्नलों को **ऐनालॉग (टेलीफोन प्रणाली)** में काम आने वाला सिग्नल। सिग्नल एवं ऐनालॉग सिग्नलों को डिजिटल सिग्नल पर परिवर्तित कर सके। इसे **टेलीफोन के माध्यम से कम्प्यूटरों को जोड़ने के काम में लिया जाता है।** इण्टरनेट से जोड़ने के लिए भी मॉडम की जरूरत होती है।

मेगा हर्ट्ज (MHz)—एक मेगाहर्ट्ज 1,00,000 सायकल प्रति सेकण्ड दर्शानी है। माइक्रोप्रोसेसर की गति को क्लॉक स्पीड से मापा जाता है। उदाहरण के लिए यदि एक माइक्रोप्रोसेसर 200 मेगाहर्ट्ज पर कार्य करता है तो वह 200,000,000 सायकल प्रति सेकण्ड रन करता है। इससे यह भी जाना जाता है कि प्रोसेसर कितना पावरफुल है। इसके अतिरिक्त डेटा बेस की क्षमता भी मेगाहर्ट्ज में मापी जाती है।

आइकन—स्क्रीन पर दर्शित छोटे ग्राफिकल चिह्न जो कि किसी प्रोग्राम कमाण्ड या फाइल को इंगित करते हैं। इन्हें चुनने के लिए यूजर को इस आइकन पर माउस-प्वाइण्ट रखते हुए क्लिक करना है।

हार्डवेयर—एक कम्प्यूटर का शारीरिक (Physical) भाग जिसे आप देख सकते हैं। उदाहरण तौर पर मॉनीटर या की-बोर्ड को लिया जा सकता है।

सामान्य विज्ञान (कम्प्यूटर)

5

विश्व का भूगोल

विश्व का भूगोल

- भूगोल के नामकरण एवं इस विषय को प्राथमिक स्तर पर व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने का श्रेय यूनान के निवासियों को जाता है।
- भूगोल को एक अलग अध्ययनशास्त्र के रूप में प्रसिद्ध यूनानी विद्वान् **इरैटोस्थनीज** ने स्थापित किया। अतएव इन्हें '**भूगोल का पिता**' कहा जाता है।
- इरैटोस्थनीज ने भूगोल के लिए सर्वप्रथम **ज्योग्रेफिका** शब्द का प्रयोग किया।

भूगोल का जनक	—हिकेटियस
वर्तमान भूगोल का जनक	—अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट
व्यवस्थित भूगोल का जनक	—इरैटोस्थनीज
ज्योग्रेफिका शब्द का प्रथम प्रस्तावक	—इरैटोस्थनीज
भौतिक भूगोल का जनक	—पोलीडोनियम
सांस्कृतिक भूगोल का जनक	—कार्ल-ओ-सावर
गणितीय भूगोल के संस्थापक	—थेल्स व एनेक्सी मीण्डर
विश्व ग्लोब का निर्माता	—मार्टिन बैहम
विश्व मानचित्र का निर्माणकर्ता	—अनेग्जी मेण्डर
भौगोलिक विश्वकोश का रचनाकार	—स्ट्राबो

ब्रह्माण्ड (Universe)

- जब मानव मन में एक क्रमबद्ध इकाई के रूप में विश्व का चित्र उभरा तो उसे **ब्रह्माण्ड (COSMOS)** की संज्ञा दी गयी। ब्रह्माण्ड का व्यास 10^8 प्रकाशवर्ष है।



- ❏ यह सौरमण्डल का **सातवाँ** तथा **आकार में तृतीय ग्रह** है। इसका तापमान लगभग 215°C है।
- ❏ यह भी शुक्र ग्रह की भाँति सामान्य दिशा के विपरीत पूर्व से पश्चिम दिशा में सूर्य के चारों ओर परिभ्रमण करता है।
- ❏ यह अपनी धुरी पर सूर्य की ओर इतना झुका हुआ है कि लेटा हुआ-सा दिखाई पड़ता है, इसलिए इसे **लेटा हुआ ग्रह** कहा जाता है।
- ❏ यहाँ का वायुमण्डल बृहस्पति तथा शनि की ही भाँति काफी सघन है जिसमें **हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन** तथा **अमोनिया** हैं।
- ❏ इस ग्रह का **सूर्योदय पश्चिम** तथा **सूर्यास्त पूरब दिशा** में होता है।

(8) वरुण (Neptune)

- ❏ इसकी खोज 1846 ई. में जर्मन खगोलशास्त्री **जहाँन गाले** द्वारा की गयी थी।
- ❏ इसका वायुमण्डल अति घना है। इसमें **हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन** तथा **अमोनिया** गैसों विद्यमान रहती हैं।
- ❏ यह **हरे रंग का ग्रह** है। इसके 14 उपग्रह हैं। इसके उपग्रहों में **ट्रिटॉन** प्रमुख है।
- ❏ इसके चारों तरफ अति शीतल मीथेन का बादल छाया रहता है।
- ❏ यह 166 वर्षों में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण करता है और 12-7 घण्टे में अपनी दैनिक गति पूरी करता है।

- ❏ **आकार के आधार पर ग्रहों का अवरोही क्रम**—(1) बृहस्पति, (2) शनि, (3) अरुण, (4) वरुण, (5) पृथ्वी, (6) शुक्र, (7) मंगल, (8) बुध।
- ❏ **द्रव्यमान के अनुसार ग्रहों का अवरोही क्रम**—(1) बृहस्पति, (2) शनि, (3) वरुण, (4) अरुण, (5) पृथ्वी, (6) शुक्र, (7) मंगल, (8) बुध।
- ❏ **घनत्व के आधार पर ग्रहों का क्रम (बढ़ते क्रम में)**—(1) शनि, (2) अरुण, (3) बृहस्पति, (4) वरुण, (5) मंगल, (6) शुक्र।
- ❏ **सूर्य से दूरी के अनुसार ग्रहों का क्रम**—(1) बुध, (2) शुक्र, (3) पृथ्वी, (4) मंगल, (5) बृहस्पति, (6) शनि, (7) अरुण, (8) वरुण।
- ❏ **परिक्रमण काल के अनुसार ग्रहों का क्रम (बढ़ते क्रम में)**—(1) बुध, (2) शुक्र, (3) पृथ्वी, (4) मंगल, (5) बृहस्पति, (6) शनि, (7) अरुण, (8) वरुण।
- ❏ **परिक्रमण काल के अनुसार ग्रहों का क्रम (घटते क्रम में)**—(1) बृहस्पति, (2) शनि, (3) वरुण, (4) अरुण, (5) पृथ्वी, (6) मंगल, (7) बुध, (8) शुक्र।
- ❏ **अपनेअक्षपरझुकावकेआधारपरग्रहोंकाक्रम(बढ़तेक्रममें)**—(1)शुक्र,(2)बृहस्पति,(3)बुध,(4)पृथ्वी,(5)मंगल,(6)शनि,(7)वरुण,(8)अरुण।

चन्द्रमा (Moon)

- ❏ चन्द्रमा पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह है। चन्द्रमा की उत्पत्ति **क्रिटेशियस काल** से मानी जाती है।
- ❏ चन्द्रमा की पृथ्वी से **अधिकतम दूरी 4,06,000 किमी** और **औसतन दूरी 3,84,365 किमी** है।
- ❏ चन्द्रमा का उच्चतम पर्वत **लीबनिटज पर्वत** है, जो **35000 फुट (10668 मी.)** ऊँचा है। यह चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित है।
- ❏ चन्द्रमा पृथ्वी की एक परिक्रमा **27 दिन 7 घण्टे 43 मिनट और 11-47 सेकण्ड** में पूरी करता है। चन्द्रमा का सदैव एक ही भाग दिखाई पड़ता है।
- ❏ चन्द्रमा को **जीवाश्म ग्रह** भी कहा जाता है।
- ❏ चन्द्रमा पर वायुमण्डल एवं पानी अनुपस्थित हैं। **पृथ्वी से चन्द्रमा का 59 प्रतिशत भाग ही देख सकते हैं।**
- ❏ चन्द्रमा के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने में 1-25 सेकण्ड का समय लगता है।
- ❏ जब सूर्य और चन्द्रमा के बीच में पृथ्वी आ जाती है, तो सूर्य की पूरी रोशनी चन्द्रमा पर नहीं पड़ती है। इसे **चन्द्र ग्रहण (Lunar Eclipse)** कहते हैं। चन्द्र ग्रहण हमेशा **पूर्णिमा (Full Moon)** की रात्रि में ही होता है।



कोटोपैक्सी	—	इक्वेडोर
माउण्ट इरेबस	—	अण्टार्कटिका
मोनालोआ	—	हवाई द्वीप (सं. रा. अमेरिका)
ओजल डेल सालाडो	—	अर्जेण्टीना
किलायू	—	हवाई द्वीप (सं. रा. अमेरिका)
बैरन द्वीप	—	अंडमान निकोबार
लांगिला एवं बागाना	—	पापुआ न्यूगिनी
समेरू (जावा)	—	इण्डोनेशिया

(2) प्रसुप्त ज्वालामुखी (Dormant Volcano)

ऐसे ज्वालामुखी जिसमें निकट अतीत में उद्गार नहीं हुआ है, लेकिन कभी भी उद्गार हो सकता है। **उदाहरण—**

विसुवियस	—	इटली
फ्यूजीयामा	—	जापान
क्राकाटाओ	—	इण्डोनेशिया
नारकोण्डम द्वीप	—	अण्डमान-निकोबार
मेयन	—	फिलीपीन्स

(3) शान्त ज्वालामुखी (Extinct Volcano)

ऐसा ज्वालामुखी जिसमें ऐतिहासिक काल से कोई उद्गार नहीं हुआ है और जिसमें पुनः उद्गार होने की सम्भावना भी नहीं है। **उदाहरण—**

पोपा	—	म्यांमार
कोह सुल्तान एवं देवबन्द	—	ईरान
एकांकागुआ	—	एण्डीज पर्वत श्रेणी
चिम्बराजो	—	इक्वेडोर (द. अमरीका)
किलीमंजारो	—	तंजानिया (अफ्रीका)

स्ट्राम्बोली ज्वालामुखी में सदैव प्रज्वलित गैसों निकला करती हैं, जिस कारण इसे **‘भूमध्यसागर का प्रकाश स्तम्भ’** कहते हैं।

विश्व का सबसे ऊँचा ज्वालामुखी **इक्वेडोर का कोटोपैक्सी** है, जिसकी ऊँचाई 19613 फीट है।

विश्व की सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित सक्रिय ज्वालामुखी (Active Volcano) **ओजस डेल सालाडो (6885 मी.)** है जो **एण्डीज पर्वतमाला** में **अर्जेण्टीना-चिली देश** की सीमा पर स्थित है।

विश्व की सर्वाधिक ऊँचाई पर मृत ज्वालामुखी **एकांकागुआ (6960 मी.)** है, जो **एण्डीज पर्वत** पर स्थित है।

बहुत से ज्वालामुखी क्षेत्रों में उद्गार के समय दरारों तथा सुराखों से होकर जल तथा वाष्प कुछ अधिक ऊँचाई तक निकलने लगते हैं। इसे ही गीजर कहते हैं। जैसे—ओल्ड फेथकुल गेसर, यह **यू. एस. ए. के यलोस्टोन पार्क** में स्थित है।

विश्व के **ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप** में एक भी ज्वालामुखी नहीं है।

प्रशान्त महासागर के परिमेखला ज्वालामुखी को **‘अग्नि वलय’** की संज्ञा प्रदान की गई है।

माउण्ट सेण्ट हेलेंस ज्वालामुखी स्केमानिया काउण्टी (अमेरिका) में स्थित है।

संसार का सर्वाधिक सक्रिय **ज्वालामुखी ‘किलायू’** है।

महाद्वीपों की तुलना



क्र. सं.	महाद्वीप का नाम	देशों की संख्या बिन्दु	क्षेत्रफल	सबसे बड़ा देश	सबसे छोटा देश	लम्बी नदी	उच्चतम बिन्दु
1.	एशिया	44-00	29-5%	चीन	मालदीव	यांगटिसीक्यांग	एवरेस्ट
2.	अफ्रीका	53*	20-2%	सूडान	मेओटी	नील	किलिमंजारो
3.	उ. अमेरिका	29	16-5%	कनाडा	सेण्टपीरे	मिसौरी	मैकिले
4.	द. अमेरिका	15	11-8%	ब्राजील	फॉक-लैण्ड	अमेजन	ओजस डेल सेलेडो
5.	अण्टार्कटिका	—	9-6%	—	—	—	बिन्सन मोसिफ
6.	यूरोप	46	6-5%	रूस	वेटिकन सिटी	वोल्गा	एलब्रूस
7.	ओशोनिया	22	5-3%	ऑस्ट्रेलिया	नौरु	मरे-डार्लिंग	कोस्यूसको

एशिया महाद्वीप (Asia Continent)

- ❧ एशिया शब्द की उत्पत्ति हिब्रू भाषा के 'आसू' शब्द से हुई है; जिसका शब्दिक अर्थ है—उदित सूर्य।
- ❧ एशिया विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है। इसका क्षेत्रफल 4,44,44,100 वर्ग किमी है, जो संसार के भू-भाग का लगभग 29-5 प्रतिशत है। यहाँ की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार विश्व की कुल जनसंख्या का लगभग 60 प्रतिशत निवास करती है।
- ❧ एशिया की 37 प्रतिशत जनसंख्या नगरों में तथा 63 प्रतिशत गाँवों में निवास करती है।
- ❧ एशिया में विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर हिमालय पर्वतमाला श्रेणी का माउण्ट एवरेस्ट (8848 मीटर) है, जो नेपाल में स्थित है, जहाँ उसे सागरमाथा के नाम से जाना जाता है।
- ❧ एशिया में विश्व का सबसे ऊँचा पठार 'पामीर' है, जिसकी ऊँचाई 4875 मीटर है। इसी कारण पामीर को विश्व की छत (Roof of the World) भी कहते हैं।
- ❧ एशिया में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश चीन है तथा सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश सिंगापुर है।
- ❧ एशिया में सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला देश चीन तथा क्षेत्रफल में सबसे छोटा देश मालदीव है।
- ❧ एशिया का सबसे बड़ा प्रायद्वीप अरब है। यहाँ के भू-क्षेत्र की औसत ऊँचाई 960 मी. है।
- ❧ एशिया में विश्व का सबसे बड़ा द्वीप समूह इण्डोनेशिया है। इसमें 13000 से भी अधिक द्वीप हैं। एशिया का सर्वाधिक घना बसा द्वीप 'जावा' है।
- ❧ एशिया में सबसे लम्बी नदी यांगटिसिक्यांग (चीन में) तथा अधिकतम गहराई मृतसागर (397 मी.) की है।



- ❖ निश्चित मार्गों पर चलने वाले समुद्री जहाजों को **कार्गो लाइनर** कहते हैं।
- ❖ राइन नदी जलमार्ग विश्व का व्यस्ततम जलमार्ग है।
- ❖ पैन अमेरिकन महामार्ग विश्व की सर्वाधिक लम्बी सड़क परियोजना है।
- ❖ स्टुअर्ट ऑस्ट्रेलिया का महामार्ग है।
- ❖ इरी एवं ओण्टेरियो झीलों के बीच न्याग्रा जल प्रताप स्थित है।
- ❖ सीन नदी के मुहाने पर **मर्सलीज बन्दरगाह** है।
- ❖ विश्व में सर्वाधिक समुद्री व्यापार करने वाला मार्ग **उत्तर अटलाण्टिक मार्ग** है।
- ❖ **राइन नदी को यूरोपीय व्यापार की जीवन रेखा** कहा जाता है। राइन नदी को **कोल नदी (Coal River)** भी कहा जाता है।
- ❖ **ओरिएण्ट एक्सप्रेस** रेलमार्ग यूरोप का है।
- ❖ विश्व में कच्चे तेल का परिवहन करने वाली पाइप लाइनों में सर्वाधिक लम्बाई रूस देश में है।
- ❖ स्वेज नहर के उत्तरी भाग में **मैंजाला झील** स्थित है।
- ❖ हांगकांग **आन्त्रेपी पत्तन (Entropot Port)** है।
- ❖ अमरीका का सबसे बड़ा बन्दरगाह **न्यूयॉर्क** है।

विश्व की नहरें व नदियाँ

विश्व की प्रमुख नहरें

क्र. सं.	नाम	स्थान	स्थिति
1.	स्वेज नहर	मिस्र	लाल सागर एवं भूमध्य सागर के बीच
2.	पनामा नहर	पनामा	कैरीबियन सागर और प्रशान्त महासागर के बीच
3.	कील नहर	जर्मनी	उत्तरी सागर और बाल्टिक सागर के बीच
4.	सू नहर	सं. रा. अमरीका	सुपीरियर झील को ह्यून झील से जोड़ती है
5.	बेलैण्ड नहर	सं. रा. अमरीका	ईरी और ओण्टेरियो के बीच।
6.	ईरी नहर	सं. रा. अमरीका	ईरी झील और मिशीगन झील को जोड़ती है
7.	मैनचेस्टर नहर	ग्रेट ब्रिटेन	मैनचेस्टर और लिवरपूल के बीच
8.	गोटा नहर	स्वीडन	स्टॉकहोम और गुटेनबर्ग के बीच
9.	वोल्गा डॉन नहर	रूस	रोस्तोव और स्टालिनग्राड के बीच
10.	उत्तरी सागर नहर	जर्मनी	उत्तरी सागर और एम्सटर्डम के बीच
11.	न्यू वाटर वे	जर्मनी	उत्तरी सागर और राटरडम के बीच
12.	के. पी. नहर	भारत	आन्ध्र प्रदेश और तमिलनाडु के बीच
13.	अल्बर्ट नहर	प. यूरोप	एण्टवर्प लीग तथा वेनेलक्स को जोड़ती है

- ❖ स्वेज नहर का निर्माण फ्रांस के इंजीनियर **फर्डिनेण्ड डी लैसेटस** ने 1869 में पूर्ण किया। इस नहर की लम्बाई 168 किलोमीटर तथा चौड़ाई 365 मी. है। यह विश्व की सबसे बड़ी कृत्रिम नहर है। यह संसार की सबसे बड़ी पोतवाहक नहर है। इसके दोनों किनारों पर **पोर्ट सईद** तथा स्वेज पत्तन युग्म हैं।
- ❖ स्वेज नहर का 1956 ई. में राष्ट्रीयकरण किया गया।
- ❖ पनामा नहर का निर्माण 1914 ई. में हुआ। इसकी लम्बाई 65 किमी तथा चौड़ाई 120 मीटर है।

Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART

search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 475 |



- ❧ सूचना क्रान्ति के जनक की संज्ञा **अर्थर सी. क्लार्क** को दी गयी।
- ❧ सं. रा. अमरीका के **सैन-फ्रांसिस्को** में **सिलिकन वैली** स्थित है।
- ❧ सर्वप्रथम **रेशमी वस्त्र** का विकास **चीन** में हुआ।
- ❧ **एण्टवर्प (बेल्जियम)** हीरे की कटाई का विश्व प्रसिद्ध क्षेत्र है।
- ❧ **वेनिस (वियना)** शीशा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।
- ❧ पूर्वी द्वीप समूह को **मसालों का द्वीप** कहते हैं।
- ❧ **आइवरी कोस्ट** कहवा का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।
- ❧ चीन में ऊर्जा का प्रमुख साधन कोयला है। देश में खर्च होने वाली ऊर्जा का 80 प्रतिशत कोयले से आता है।
- ❧ सूती व रेशमी वस्त्रों के उत्पादन में चीन का विश्व में प्रथम स्थान है। दक्षिणी चीन में कण्टन सूती वस्त्र का मुख्य केन्द्र है।
- ❧ शंघाई चीन देश का सबसे बड़ा सूती वस्त्रोद्योग केन्द्र और सबसे बड़ा पत्तन है। यह **‘चीन का मानचेस्टर’** कहलाता है।

विश्व के प्रमुख उद्योग

देश	प्रमुख उद्योग केन्द्र	उद्योग
ब्रिटेन	मानचेस्टर लीवरपूल लन्दन डर्बिशायर ब्रेडफोर्ड	सूती वस्त्र उद्योग जलपोत निर्माण व तेल उद्योग इंजीनियरिंग व परिवहन ऊनी वस्त्र ऊनी वस्त्र
फ्रांस	पेरिस शैम्पेन व बोर्डो लियोनविलेज लॉरेनसार क्षेत्र	एयर क्राफ्ट व परिवहन शराब उद्योग लौह-इस्पात लौह-इस्पात
संयुक्त राज्य अमेरिका	डेट्रॉयट पिट्सबर्ग (विश्व की इस्पात राजधानी) शिकागो बर्मिंघम सेन-फ्रांसिस्को (सिलीकॉन वैली) लॉस ऐंजिल्स (हॉलीवुड) सिएटल	मोटर-कार लौह-इस्पात मांस उत्पादन, लौह-इस्पात लौह-इस्पात तेलशोधन, जलपोत, कम्प्यूटर व तकनीकी उद्योग फिल्म व एयरक्राफ्ट वायुयान उद्योग, ऐलुमिनियम प्रगलन
कनाडा	माण्ट्रियल क्यूबेक टोरण्टो हेमिल्टन (कनाडा का बर्मिंघम) ओटावा	जलपोत व एयरक्राफ्ट मेरिन इंजीनियरिंग व जलपोत निर्माण इंजीनियरिंग व ऑटो मोबाइल लौह-इस्पात व इंजीनियरिंग कागज उद्योग
जर्मनी	फ्रैंकफुर्ट डुसलडर्फ डार्टमण्ड हैम्बर्ग म्युनिख	लौह-इस्पात व रसायन इंजीनियरिंग, लौह-इस्पात लौह-इस्पात व रसायन जलयान निर्माण केन्द्र लेंस निर्माण

भूगोल (विश्व)



जल विद्युत

- ❏ पर्यावरण के अनुकूल होने के कारण जल विद्युत को **'श्वेत कोयला'** के नाम से भी जाना जाता है।
- ❏ विश्व में सम्भावित जल विद्युत उत्पादन की दृष्टि से अफ्रीका महाद्वीप का प्रथम (40%) स्थान है। विश्व की सभी नदियों में **कांगो नदी (जायरे नदी)** की सम्भावित जल विद्युत क्षमता अधिकतम है।
- ❏ विश्व में सर्वाधिक जलविद्युत उत्पादन में **चीन का प्रथम स्थान** है तथा उसके बाद क्रमशः **कनाडा, ब्राजील**, का स्थान है। जल विद्युत उत्पादन में भारत का 7वाँ स्थान है।

जल विद्युत उत्पादक क्षेत्र

देश	क्षेत्र
कनाडा	नियाग्रा प्रपात
अमेरिका	सेण्ट एन्थोनी प्रपात, नियाग्रा प्रपात, टेनेसी नदी घाटी प्रोजेक्ट, ग्रैण्ड कूली बाँध व बोनविले बाँध (कोलम्बिया नदी), हूबर बाँध (कोलेरेडो नदी)
अफ्रीका	सेनार बाँध (सूडान), नील नदी पर आस्वान बाँध (मिस्र), करीबा बाँध (जाम्बेजी नदी), ओवेन प्रपात (युगाण्डा)

विविध तथ्य

- ❏ अल्बर्टा कनाडा का सबसे बड़ा खनिज उत्पादक क्षेत्र है।
- ❏ अबादान ईरान का तेल निर्यात बन्दरगाह है।
- ❏ लुटांग (मलेशिया) तेल रिफायनरी के लिए प्रसिद्ध है।

विश्व की प्रमुख फसलें व उत्पादक देश

चावल उत्पादक शीर्ष चार देश

प्रथम	—	चीन
द्वितीय	—	भारत
तृतीय	—	इण्डोनेशिया
चतुर्थ	—	बांग्लादेश

चावल के चार बड़े उपभोक्ता देश

प्रथम	—	चीन (135 मिलियन मीट्रिक टन)
द्वितीय	—	भारत (85.25 मिलियन मीट्रिक टन)
तृतीय	—	इण्डोनेशिया (36.95 मिलियन मीट्रिक टन)
चतुर्थ	—	बांग्लादेश (26.4 मिलियन मीट्रिक टन)

गेहूँ उत्पादन करने वाले शीर्ष चार देश

प्रथम	—	चीन
द्वितीय	—	भारत
तृतीय	—	रूस
चतुर्थ	—	संयुक्त राज्य अमेरिका

Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"



मक्का उत्पादन करने वाले शीर्ष चार देश

प्रथम	—	संयुक्त राज्य अमेरिका
द्वितीय	—	चीन
तृतीय	—	ब्राजील
चतुर्थ	—	अर्जेंटीना

सर्वाधिक चाय उत्पादन करने वाले चार देश

प्रथम	—	चीन
द्वितीय	—	भारत
तृतीय	—	केन्या
चतुर्थ	—	श्रीलंका

सर्वाधिक चाय निर्यातक देश

प्रथम	—	केन्या
द्वितीय	—	श्रीलंका
तृतीय	—	चीन
चतुर्थ	—	भारत

सर्वाधिक कहवा उत्पादन करने वाले देश

प्रथम	—	ब्राजील
द्वितीय	—	वियतनाम
तृतीय	—	कोलंबिया
चतुर्थ	—	इण्डोनेशिया

सर्वाधिक कपास उत्पादन करने वाले देश

प्रथम	—	चीन
द्वितीय	—	भारत
तृतीय	—	संयुक्त राज्य अमेरिका
चतुर्थ	—	पाकिस्तान

सर्वाधिक रबर उत्पादन करने वाले देश

प्रथम	—	थाईलैण्ड
द्वितीय	—	इण्डोनेशिया
तृतीय	—	वियतनाम
चतुर्थ	—	भारत

सर्वाधिक दलहन उत्पादक देश

प्रथम	—	भारत
द्वितीय	—	रूस
तृतीय	—	पोलैण्ड
चतुर्थ	—	ब्रिटेन

सर्वाधिक गन्ना उत्पादक देश

प्रथम	—	ब्राजील
द्वितीय	—	भारत
तृतीय	—	चीन
चतुर्थ	—	थाईलैण्ड

6

भारत का भूगोल

भारत का भूगोल

भारत का भैतिक भूगोल

- भारत एक महान देश है। इसकी सभ्यता एवं संस्कृति उतनी पुरानी है, जितना स्वयं मानव। यह एशिया महाद्वीप के दक्षिण भाग में स्थित है। यह विश्व का अकेला ऐसा देश है। जिसका नाम हिन्द महासागर से जुड़ा है। इसका प्राचीन नाम आर्यावर्त, उत्तर भारत में बसने वाले आर्यों के नाम पर किया गया। इन आर्यों के शक्तिशाली राजा भरत के नाम पर यह **भारतवर्ष** कहलाया।
- वैदिक आर्यों का निवास स्थान सिन्धु घाटी में था जिसे ईरानियों ने **हिन्दू नदी** तथा देश को **हिन्दुस्तान** कहा। यूनानियों ने सिन्धु को '**इण्डस**' तथा देश को '**इण्डिया**' कहा।
- भारत, एशिया के दक्षिणी भाग में 8°4' से 37°6' उत्तरी अक्षांश तक फैला हुआ है और पूर्व से पश्चिम तक यह 68°7' से 97°25' पूर्वी देशान्तर तक स्थित है।
- 82½ पूर्वी देशान्तर इसके मध्य से होकर गुजरती है, जो कि देश का मानक समय है। यह ग्रीनविच समय से 5 घण्टा 30 मिनट आगे है।
- इसकी समस्त **भूमि सीमा 15,200 किलोमीटर** है।
- भारत का कुल **क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी** है।
- विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5% भाग भारत में निवास करता है।
- विश्व के कुल क्षेत्रफल का **2.4% भाग** भारत में है। क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में सातवाँ स्थान है। रूस, कनाडा, चीन, सं. रा. अमरीका, ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया नामक 6 देश भारत से बड़े हैं।
- भारत के उत्तर में हिमालय पर्वत, नेपाल, चीन तथा भूटान देश हैं तथा पश्चिम में अरब सागर, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पूरब में बांग्लादेश, म्यांमार हैं और दक्षिण में श्रीलंका एवं हिन्द महासागर से घिरा है।
- भारत में अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह बंगाल की खाड़ी में है तथा लक्षद्वीप अरब सागर में स्थित है।



क्र.सं.	देश	कुल संख्या	भारतीय राज्य
3.	बांग्लादेश	5	पश्चिम बंगाल, असोम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
4.	म्यांमार	4	अरुणाचल प्रदेश, नगालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम
5.	पाकिस्तान	4	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू-कश्मीर
6.	भूटान	4	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असोम, अरुणाचल प्रदेश
7.	अफगानिस्तान	1	जम्मू-कश्मीर

देश के चतुर्दिक सीमा बिन्दु

पूर्वी बिन्दु	—	किबिधु (अरुणाचल प्रदेश)
पश्चिमी बिन्दु	—	गौर मोता (गुजरात)
उत्तरी बिन्दु	—	इन्दिरा कॉल (जम्मू-कश्मीर)
दक्षिणतम बिन्दु	—	इन्दिरा प्वाइण्ट (ग्रेट निकोबार द्वीप)

सर्वाधिक लम्बी तटरेखा वाले राज्य

राज्य/संघ राज्य	तटरेखा (किमी)
अण्डमान निकोबार द्वीप समूह	1,962 किमी.
गुजरात	1,215 किमी.
आन्ध्र प्रदेश	970 किमी.
तमिलनाडु	907 किमी.
महाराष्ट्र	652 किमी.

भारत-चीन सीमा की लम्बाई

प्रदेश	सीमा की लम्बाई
जम्मू-कश्मीर	1,170 किमी.
उत्तराखण्ड	650 किमी.
हिमाचल प्रदेश	500 किमी.
अरुणाचल प्रदेश	1,140 किमी.
सिक्किम	225 किमी.

- ❏ भारत और अफगानिस्तान के बीच डूरण्ड रेखा है, जो **1986 में सर डूरण्ड** द्वारा निर्धारित की गयी थी। **अब यह रेखा अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच है।**
- ❏ भारत की सर्वाधिक लम्बी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा **बांग्लादेश (4096 किमी)** के साथ है।
- ❏ **कर्क रेखा (Tropic Cancer)**—भारत के मध्य से होकर गुजरती है। यह भारत के 8 राज्यों—राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, प. बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों से होकर गुजरती है।

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 523 |



- ❧ ओडिशा—राउरकेला, तालचर।
- ❧ राजस्थान—खेतड़ी, सलादीपुर (सीकर), कोटा, श्रीगंगानगर।
- ❧ महाराष्ट्र—ट्राम्बे, मुम्बई, अम्बरनाथ तथा लोनी कालमोर।
- ❧ गुजरात—काण्डला, बड़ोदरा, हजीरा, भावनगर।
- ❧ आन्ध्र प्रदेश—विशाखापट्टनम, मौलीअली (हैदराबाद), तादेपल्ली।
- ❧ असोम—नामरूप, चन्द्रपुर।
- ❧ प. बंगाल—बर्नपुर, हल्दिया, रिसरा तथा खारदाह।
- ❧ तेलंगाना—रामागुण्डम।

अभियान्त्रिकी उद्योग (Engineering Industry)

- ❧ भारी इंजीनियरिंग निगम लि. — राँची (झारखण्ड) (पूर्व सोवियत संघ के सहयोग से)
- ❧ खनन एवं सम्बद्ध मशीनरी निगम लि. — दुर्गापुर (प. बंगाल)
- ❧ भारत हैवी प्लेट्स एण्ड वैसेल्स लि. — विशाखापत्तनम (आन्ध्र प्रदेश)
- ❧ त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लि. — नैनी (इलाहाबाद)
- ❧ तुंगभद्रा स्टील प्रोडक्ट्स लि. — कर्नाटक तथा आन्ध्र प्रदेश का संयुक्त उपक्रम
- ❧ हिन्दुस्तान मशीन टूल्स लि. (एच. एम. टी.) — बंगलुरु (स्विट्जरलैण्ड के सहयोग से)
- ❧ नेशनल इंस्ट्रुमेण्ट्स लि. — जादवपुर (कोलकाता)
- ❧ टेलीफोन के कारखाने — कोलकाता, बंगलुरु एवं नैनी
- ❧ इण्डियन ब्यूरो ऑफ साइन्स — नागपुर (महाराष्ट्र)
- ❧ केन्द्रीय खनन अनुसन्धान संस्थान — धनबाद (झारखण्ड)

रेलवे उपकरण

- ❧ पेनिन्सुलर लोकोमोटिव कम्पनी (1921) सिंहभूम (झारखण्ड), इसे 1945 में टाटा समूह ने खरीद लिया तथा 'टाटा इंजीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी (टेल्को)' का नाम दिया।
- ❧ चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (1950) — मिहीजाम (प. बंगाल)
- ❧ डीजल लोकोमोटिव वर्क्स (1956) — मडुआडीह (वाराणसी)
- ❧ डीजल लोकोमोटिव वर्क्स (2012) — सीहोर (मध्य प्रदेश)
- ❧ इण्टीग्रल कोच फैक्ट्री (1955) — पेराम्बूर (चेन्नई)
- ❧ भारत अर्थ मूवर्स लि. — बंगलुरु
- ❧ जेस्सप एण्ड कं. लि. — कोलकाता
- ❧ रेलवे कोच फैक्ट्री (1985) — कपूरथला (पंजाब)
- ❧ इलेक्ट्रिकल इंजन फैक्ट्री — मधेपुरा (बिहार) (निर्माणाधीन)
- ❧ डीजल इंजन फैक्ट्री — महारौरा, बिहार (निर्माणाधीन)
- ❧ रेलवे कोच फैक्ट्री — लालगंज (रायबरेली, उत्तर प्रदेश)

जलयान निर्माण

- ❧ सिन्धिया स्टीम नेवीगेशन कम्पनी (1941)—विशाखापत्तनम (भारत में जलयान निर्माण का पहला कारखाना, 1952) में, भारत सरकार ने इसका अधिग्रहण करके 'हिन्दुस्तान शिपयार्ड' नाम दिया।
- ❧ इसकी तीन अन्य इकाइयाँ—गार्डेनरीच वर्कशॉप, कोलकाला, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, गोवा तथा मझगाँव डॉक, मुम्बई।

भारत (भारत)



खनिज पदार्थ	प्राप्ति स्थान	विशेषताएँ
मैंगनीज (Manganese)	ओडिशा (केन्दुझार, बोनाई, सुन्दरगढ़ काला-हाण्डी, क्यॉंझर, मयूरभंज), मध्य प्रदेश (बालाघाट, छिन्दवाड़ा), महाराष्ट्र (भण्डारा, नागपुर, डोंगरी, बुजुर्ग, चिखला), आन्ध्र प्रदेश (विशाखापट्टनम, श्रीकाकुलम, कोदूर, धरभम, पेरापी, देवादा, राधानन्दपुरम), कर्नाटक (सन्दूर पहाड़ी, बेल्लारी)।	मैंगनीज उत्पादन में भारत का विश्व में छठा स्थान है। महाराष्ट्र देश में सर्वाधिक मैंगनीज उत्पादन करने वाला राज्य है। इसके बाद क्रमशः म. प्र. एवं ओडिशा का स्थान आता है। मैंगनीज के भण्डार में पहला स्थान कर्नाटक (37-8%) का है।
ताँबा (Copper)	मध्य प्रदेश (बालाघाट), राजस्थान (खेतड़ी, भीलवाड़ा, झुँझनूँ, अलवर), झारखण्ड (मोसाबानी, पाथरगोड़ा, राखा, सोनामाखी, सुरदा, धोवानी, सिंहभूम), आन्ध्र प्रदेश (गुण्टूर व वेलैर, अग्निगुण्डल, खम्मन), सिक्किम (भोटांग, पाचेयखानी, कर्नाटक (हासन), महाराष्ट्र (चन्द्रपुर)।	मध्य प्रदेश ताँबे के उत्पादन की दृष्टि से प्रथम स्थान पर है। उत्पादन में दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः राजस्थान व झारखण्ड का है। मूल्य की दृष्टि से राजस्थान का प्रथम स्थान है। राजस्थान का खेतड़ी प्राचीनतम ताँबा उत्पादक क्षेत्र है।
बॉक्साइट (Bauxite)	झारखण्ड (पलामू), गुजरात (खेड़ा), मध्य प्रदेश (सरगुजा, शहडोल, दुर्ग, बालाघाट), महाराष्ट्र (कोलावा, थाणे, रत्नागिरी), कर्नाटक (बेलगाँव, बाबाबूदन पहाड़ियाँ), तमिलनाडु (पलानी, जावदी, शेवराय पहाड़ी)।	भारत में बॉक्साइट का सर्वाधिक उत्पादन ओडिशा में होता है (कुल उत्पादन का 50%)। इसके बाद क्रमशः गुजरात, झारखण्ड का स्थान आता है।
चाँदी (Silver)	राजस्थान (जवार खान), कर्नाटक (चित्रदुर्ग, बेलारी), आन्ध्र प्रदेश (कुडप्पा, गुण्टूर), झारखण्ड (संथाल परगना, सिंहभूम)।	चाँदी के उत्पादक राज्य क्रमशः राजस्थान, कर्नाटक और झारखण्ड हैं। इसका सर्वाधिक उत्पादन राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में होता है।
क्रोमाइट (Chromite)	ओडिशा (जाजपुर, ढेंकनाल, क्यॉंझर), कर्नाटक (हसन, चित्रदुर्ग), महाराष्ट्र (भण्डारा, रत्नागिरि), झारखण्ड (सिंहभूम) आन्ध्र प्रदेश (कोंडापाल्ले)।	क्रोमाइट के उत्पादन में भारत का विश्व में तृतीय स्थान है। भारत में सर्वाधिक क्रोमाइट का उत्पादन (90%) ओडिशा में होता है। इसके बाद क्रमशः कर्नाटक एवं महाराष्ट्र का स्थान आता है।
हीरा (Diamond)	मध्य प्रदेश (पन्ना खान, सतना)।	मध्य प्रदेश देश में हीरा उत्खनन की दृष्टि से प्रमुख राज्य है। विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा आन्ध्र प्रदेश के गोलकुण्डा खान से निकाला गया था। मुम्बई हीरे की सबसे बड़ी मण्डी है, जहाँ हीरे की कटाई होती है।



भारत में रेलवे की उत्पादक इकाइयाँ

क्र. सं.	कारखाना	स्थापना वर्ष	स्थान	विवरण
1.	इण्टीग्रल कोच फैक्ट्री	1950	पेराम्बूर (तमिलनाडु)	विद्युत इंजन का निर्माण
2.	चितरंजन लोकोमोटिव	1950	चितरंजन (प. बंगाल)	रेल इंजन का सबसे पुराना कारखाना
3.	रेल कोच फैक्ट्री	1985	कपूरथला (पंजाब)	सवारी डिब्बों का निर्माण
4.	डीजल इंजन फैक्ट्री	1983	पटियाला (पंजाब)	आधुनिक डीजल इंजन का निर्माण
5.	डीजल लोकोमोटिव वर्क्स	1956	वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	डीजल इंजन व विद्युत शटल का निर्माण
6.	बिजली का रेल इंजन, पहिया निर्माण कारखाना	-	बंगलुरु	विद्युत रेल इंजन, पहिया निर्माण
7.	पहिया निर्माण कारखाना	निर्माणाधीन	छपरा (बिहार)	रेल पहिये
8.	रेल इंजन कारखाना	निर्माणाधीन	मधेपुरा (बिहार)	इलेक्ट्रिकल इंजन
9.	रेल इंजन कारखाना	निर्माणाधीन	मदौरा (बिहार)	डीजल इंजन
10.	रेल कोच फैक्ट्री	निर्माणाधीन	रायबरेली (उत्तर प्रदेश)	एसी कोच

नोट : भारत में प्रथम रेलवे विश्व विद्यालय बड़ौदरा (गुजरात) में खोलने की घोषणा प्रधानमंत्री द्वारा की गई है।

- 🚂 20 जून, 2005 को बायोगैस से चलने वाली प्रथम ग्रीन ट्रेन स्वीडन में चलाई गयी।
- 🚂 भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम पर्यटन रेलगाड़ी **'पैलेस ऑन व्हील्स'** वर्ष **1982** में **दिल्ली-जयपुर** के बीच शुरू की गयी थी।
- 🚂 भारतीय रेलवे में सर्वप्रथम माइक्रोप्रोसेसर आधारित प्रथम इण्टरएक्टिव रिस्पांस सिस्टम नई दिल्ली में उत्तर रेलवे में शुरू किया गया।

रेलमार्ग की लम्बाई (31 मार्च, 2014)

रेल लाइन (गेज)	पटरियों के बीच की लम्बाई (मीटर में)	रेलमार्ग की लम्बाई (किमी में)
बड़ी लाइन	1-676	88,177
मध्यम लाइन (मीटर गेज)	1-000	5,334
छोटी लाइन (नैरो गेज)	·610	2,297
कुल योग		95,808

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

561



- ❏ उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में प्राकृतिक रूप से भूमिगत जल में **फ्लोराइड** की अधिकता है। इससे **फ्लोरोसिस** बीमारी हो जाती है।
- ❏ बिहार राज्य के आधे से अधिक जिलों के भूगर्भीय जल में **फ्लोराइड** एवं **आयरन** की अधिकता होती है।
- ❏ ब्लैक फुट बीमारी **आर्सेनिक की अधिकता** के कारण होती है।
- ❏ जलीय विषैले पदार्थों के अवशोषक के रूप में **जलकुम्भी** को जाना जाता है।
- ❏ BOD परीक्षण द्वारा जल में उपस्थित जैव ऑक्सीकरणीय कार्बनिक पदार्थ की मात्रा ज्ञात की जाती है।
- ❏ वार्षिक वन रिपोर्ट 2017 के अनुसार भारत में **103 राष्ट्रीय पार्क** एवं **544 अभयारण्य** हैं।
- ❏ **शीर्ष वन क्षेत्रफल वाले राज्य—**
 - (1) मध्य प्रदेश—85,235 (11.25%)
 - (2) अरुणाचल प्रदेश—68,009 (9.75%)
 - (3) छत्तीसगढ़—59,215 (8.09%)
 - (4) महाराष्ट्र—60,186 (8.50%)
- ❏ **न्यून वन क्षेत्रफल वाले राज्य—**
 - (1) राजस्थान—24,440
 - (2) हरियाणा—2,939 (3.3%)
 - (3) पंजाब—3,315 (3.61%)
 - (4) सिक्किम—3,392 (45.97%)

जनगणना, 2011 (अन्तिम आंकड़े)

- ❏ भारत की 15वीं जनगणना के अन्तिम (Final) आँकड़े **30 अप्रैल, 2013** में सम्पन्न देश के **महापंजीयक व जनगणना आयुक्त** (Registrar General Census Commissioner) **सी. चन्द्रमौलि** ने देश के गृह सचिव जी. के पिल्लै की उपस्थिति में जारी किये।
- ❏ इस जनगणना के अनुसार देश की कुल जनसंख्या **1,21,08,54,977 (121.08 करोड़)** आकलित की गई है।
- ❏ भारत विश्व की जनसंख्या का **17.5% भाग** धारित करता है जो **चीन (19.4%)** के बाद **द्वितीय स्थान** पर है।
- ❏ भारत की जनसंख्या **संयुक्त राज्य अमरीका, इण्डोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांग्लादेश** और **जापान** की संयुक्त जनसंख्या (121.05 करोड़) के लगभग बराबर है।
- ❏ भारत की 40% से अधिक जनसंख्या सतलज और गंगा के मैदानी भाग में निवास करती है।
- ❏ विगत एक दशक **2001-2011 के दौरान देश की जनसंख्या में 18.18 करोड़ (17.7%)** की वृद्धि हुई है।
- ❏ इस दशक में जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि इससे पहले 1991-2001 में यह 21.54% थी।
- ❏ विश्व के 2.4% भौगोलिक क्षेत्र वाले **भारत में विश्व की 17.5%** जनसंख्या निवास करती है। इस प्रकार जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में भारत का स्थान चीन के बाद दूसरा है जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से सातवाँ।
- ❏ भारत की जनगणना, 2011 वर्ष 1881 के बाद लगातार **पन्द्रहवीं** और स्वतन्त्रता के बाद **सातवीं** है।

भूगोल (भारत)

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"



- ❏ भारत में सर्वाधिक लिंगानुपात वाला राज्य **केरल (1,084)** है तथा न्यूनतम लिंगानुपात वाला राज्य **हरियाणा (879)** है।
- ❏ सर्वाधिक लिंगानुपात वाले दो जिले—
- (1) माहे (पुदुचेरी)—1,176
 - (2) अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)—1,142
- ❏ न्यूनतम लिंगानुपात वाले दो जिले—
- (1) दमन (दमन एवं दीव)—533
 - (2) लेह (जम्मू-कश्मीर)—583

सर्वाधिक लिंगानुपात वाले पाँच राज्य

क्र.सं.	राज्य	लिंगानुपात
1.	केरल	1,084
2.	तमिलनाडु	996
3.	आन्ध्र प्रदेश	993
4.	छत्तीसगढ़	991
5.	मेघालय	989

न्यूनतम लिंगानुपात वाले पाँच राज्य

क्र.सं.	राज्य	लिंगानुपात
1.	हरियाणा	879
2.	जम्मू-कश्मीर	889
3.	सिक्किम	890
4.	पंजाब	895
5.	उत्तर प्रदेश	912

शीर्ष लिंगानुपात वाले केन्द्रशासित प्रदेश

क्र.सं.	प्रदेश	लिंगानुपात
1.	पुदुचेरी	1,037
2.	लक्षद्वीप	947
3.	अण्डमान निकोबार द्वीप समूह	876

न्यूनतम लिंगानुपात वाले केन्द्रशासित प्रदेश

क्र.सं.	प्रदेश	लिंगानुपात
1.	दमन एवं दीव	618
2.	दादरा एवं नागर हवेली	774
3.	चण्डीगढ़	818

- ❏ 2011 में 7 वर्ष एवं उससे ऊपर का लिंगानुपात 943 है।
- ❏ 7 वर्ष और उससे ऊपर अधिकतम लिंगानुपात वाला राज्य **केरल (1,084)** है।

7

भारतीय अर्थव्यवस्था

आर्थिक एवं सामाजिक विकास (Economic and Social Development)

- भारत में नियोजित आर्थिक विकास का शुभारम्भ 1951 में प्रथम पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ होने से हुआ, लेकिन आर्थिक नियोजन के लिए सैद्धान्तिक प्रयास स्वतन्त्रता प्राप्ति से पूर्व ही प्रारम्भ हो गये थे।
- वर्ष 1934 ई. में सर एम. विश्वेश्वरैया ने 'भारत के लिए नियोजित अर्थव्यवस्था' (Planned Economy for India) नामक पुस्तक लिखी। इस पुस्तक में उन्होंने पहली बार भारत के नियोजित विकास के लिए 10 वर्षीय कार्यक्रम प्रस्तुत किया था।
- 1938 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पं. जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय नियोजन समिति का गठन किया गया लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध प्रारम्भ हो जाने से इसका क्रियान्वयन नहीं हो सका।
- 1944 ई. में मुम्बई के 8 प्रमुख उद्योगपतियों ने एक 15-वर्षीय योजना का प्रारूप प्रस्तुत किया जिसे 'बॉम्बे प्लॉन' के नाम से जाना गया।
- महात्मा गांधी की आर्थिक विचारधारा से प्रेरणा पाकर श्रीमन्नारायण ने 1944 ई. में एक आर्थिक योजना निर्मित की जिसे 'गांधीवादी योजना' के नाम से जाना जाता है।
- भारतीय श्रम संघ की युद्धोपरान्त पुनर्निर्माण समिति के अध्यक्ष श्री एम. एन. राय द्वारा अप्रैल, 1945 ई. में 'जन योजना' (People Plan) निर्मित की गयी।
- 1950 ई. में जयप्रकाश नारायण ने एक योजना 'सर्वोदय योजना' के नाम से प्रकाशित की। इस योजना को सरकार ने आंशिक रूप से स्वीकार किया।
- अर्थव्यवस्था के विकास के लिए केन्द्रीकृत नियोजन सर्वप्रथम सोवियत संघ में अपनाया गया था।
- भारत सरकार के एक प्रस्ताव द्वारा 15 मार्च, 1950 को योजना आयोग (Planning Commission) का गठन किया गया। योजना आयोग के स्थान पर एक नई संस्था 1 जनवरी, 2015 से अस्तित्व में आयी है। इस संस्था को आमतौर से 'नीति आयोग' के नाम से जाना जाता है।

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

नीति आयोग

(NITI Commission)

- अब योजना आयोग के स्थान पर 1 जनवरी, 2015 से एक नई संस्था 'नीति आयोग' अस्तित्व में आयी है। इस नई संस्था को 'राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान' (National Institution for Transforming India—NITI) नाम दिया गया है। आमतौर पर इसे 'नीति आयोग' के नाम से जाना जाता है। प्रधानमन्त्री की अध्यक्षता वाले इस आयोग में एक उपाध्यक्ष व एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) का प्रावधान किया गया है।
- पंचवर्षीय योजनाओं को भावी स्वरूप देने आदि के सम्बन्ध में सरकार को सलाह भी नीति आयोग देगा।
- सभी राज्यों के मुख्यमन्त्री, केन्द्र शासित राज्यों के उपराज्यपाल को नीति आयोग की अधिशासी परिषद् में शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय विकास परिषद्

(National Development Council—NDC)

- राष्ट्रीय विकास परिषद् एक गैर-संवैधानिक निकाय है, जिसका गठन आर्थिक नियोजन हेतु राज्यों एवं योजना आयोग के बीच सहयोग का वातावरण बनाने के लिए किया गया था।
- 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद् (NDC) का गठन किया गया। प्रधानमन्त्री ही इसके अध्यक्ष तथा योजना आयोग का सचिव ही इसका भी सचिव होता है।
- इसका प्रमुख कार्य योजना आयोग द्वारा तैयार की गयी योजना का अध्ययन करना तथा विचार-विमर्श के पश्चात् उसे अन्तिम रूप प्रदान करना। इसकी स्वीकृति के बाद ही योजना का प्रारूप प्रकाशित होता है।
- भारत में अब तक 12 पंचवर्षीय योजनाएँ लागू की जा चुकी हैं। इन पंचवर्षीय योजनाओं के लक्ष्यों तथा उपलब्धियों का विवरण निम्न प्रकार प्रस्तुत किया जा रहा है—

प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951-56 ई.)

- प्रथम पंचवर्षीय योजना हैरड डोमर मॉडल पर आधारित है।
- प्रथम पंचवर्षीय योजना 1 अप्रैल, 1951 से प्रारम्भ हुई। इस योजना में कृषि को उच्चतम प्राथमिकता दी गयी।
- यह योजना सफल रही तथा इसने लक्ष्य से आगे 3.7% विकास दर को हासिल किया, जबकि लक्ष्य 2.1% रखा गया था।
- इस योजना के दौरान राष्ट्रीय आय में 18% तथा प्रति व्यक्ति आय में 11% की कुल वृद्धि हुई।
- इस पंचवर्षीय योजना के दौरान भाखड़ा नांगल, दामोदर घाटी तथा हीराकुड नदी घाटी परियोजनाएँ प्रारम्भ की गयीं।
- इस पंचवर्षीय योजना के दौरान गाँवों के समग्र विकास हेतु सामुदायिक विकास कार्यक्रम (सीडीपी) की शुरुआत 2 अक्टूबर, 1952 से की गयी।

दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-61 ई.)

- दूसरी पंचवर्षीय योजना प्रो. पी. सी. महालनोबिस मॉडल पर आधारित थी। इस योजना का लक्ष्य तीव्र औद्योगीकरण तथा समाजवादी समाज की स्थापना करना था।

भारतीय अर्थव्यवस्था

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"



जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान

वित्तीय वर्ष	जीडीपी में योगदान (प्रतिशत में)	वित्तीय वर्ष	जीडीपी में योगदान (प्रतिशत में)
1990-91	32.0	2008-09	17.1
2003-04	21.7	2009-10	14.6
2005-06	18.6	2010-11	14.5
2007-08	17.8	2011-12	13.9

पंचवर्षीय योजनाओं में क्षेत्रवार विकास वृद्धि दर (% में)

योजना अवधि	कृषि क्षेत्र	उद्योग क्षेत्र	सेवा क्षेत्र	औसत वृद्धि क्षेत्र
पहली योजना (1951-56)	2.71	5.54	4.17	3.50 (2.1)
दूसरी योजना (1956-61)	3.15	5.59	4.94	4.21 (4.5)
तीसरी योजना (1961-66)	-0.73	6.28	5.26	2.72 (5.6)
तीन वार्षिक योजनाएँ (1966-69)	4.16	1.42	4.10	3.90
चौथी योजना (1969-74)	2.57	4.91	3.22	3.20 (5.7)
पाँचवीं योजना (1974-79)	3.28	6.55	5.66	4.70 (4.4)
छठवीं योजना (1980-85)	2.52	5.32	5.41	5.54 (5.2)
सातवीं योजना (1985-90)	3.47	6.77	7.19	5.60 (5.0)
दो वार्षिक योजनाएँ (1990-92)	1.01	0.10	5.94	3.40
आठवीं योजना (1992-97)	4.72	7.29	7.28	6.54 (5.6)
नौवीं योजना (1997-02)	2.44	4.29	7.87	5.52 (6.5)
दसवीं योजना (2002-07)	2.30	9.17	9.30	7.60 (7.9)
ग्यारहवीं योजना (2007-12)	4.00	10.50	10.00	7.90 (9.0)
बारहवीं योजना (2012-17)	4.00	9.60	10.00	-

योजना आयोग का इण्डिया विजन-2020

योजना आयोग के सदस्य **श्याम प्रसाद गुप्ता** की अध्यक्षता में 23 जनवरी, 2003 को आने वाले दो दशकों में अर्थव्यवस्था की प्रगति का अनुमान करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज **'इण्डिया विजन, 2020'** जारी किया गया था। इस दस्तावेज में यह दर्शाने का प्रयास किया गया है कि हम इस दौरान क्या कुछ प्राप्त करने जा रहे हैं। इस दस्तावेज में आशा व्यक्त की गयी है कि 2 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि की दर से रोजगार के 20 करोड़ अतिरिक्त अवसर तथा कृषि में रोजगार 56 प्रतिशत से घटकर 40 प्रतिशत ही रह जायेगा। इण्डिया विजन, 2020 के लक्ष्य अग्रलिखित प्रकार से वर्णित हैं—



प्रमुख बैंकिंग दरें

	दर का नाम	मोजूदा दरें (प्रतिशत में)	स्थिति
₹	बैंक दर	6.25	5 अप्रैल, 2018 से
₹	नकद आरक्षण अनुपात (CRR)	4.0	29 फरवरी, 2013 से
₹	सांविधिक तरलता अनुपात (SLR)	19.50	5 अप्रैल, 2018 से
₹	रेपो दर	6.0	5 अप्रैल, 2018 से
₹	रिवर्स रेपो दर	5.75	4 अक्टूबर, 2016 से

भारतीय रुपये का अपना पहचान चिह्न '₹'

- ₹ अमरीकी 'डॉलर', ब्रिटिश 'पाउण्ड', जापानी 'येन' व यूरोपीय 'यूरो' की तरह भारतीय रुपये का भी अपना अलग पहचान चिह्न **15 जुलाई, 2010** को स्वीकार कर लिया गया।
- ₹ देवनागरी लिपि के 'र' व रोमन अक्षर 'आर' (R) से मिलते-जुलते प्रतीक चिह्न '₹' को रुपये के सिम्बल के रूप में स्वीकार किया गया है।
- ₹ अमरीकी 'डॉलर' (\$), ब्रिटिश 'पाउण्ड स्टर्लिंग' (£), जापानी येन (¥), व यूरोपीय यूरो (€) के बाद भारतीय रुपये की पाँचवीं ऐसी मुद्रा है, जिसका अपना अलग पहचान चिह्न है।
- ₹ इस अलग पहचान चिह्न से भारतीय रुपये की पाकिस्तान, इण्डोनेशिया, नेपाल, बांग्लादेश व श्रीलंका के रुपये से अलग पहचान स्थापित होगी।
- ₹ रुपये के सिम्बल के लिए चयनित चिह्न (₹) की रचना आई.आई.टी. मुम्बई से इण्डस्ट्रियल डिजाइनिंग में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त **डी. उदय कुमार** ने की है। इसके लिए उन्हें ₹ 2.5 लाख की राशि पुरस्कार स्वरूप दी गयी है।

भारतीय स्टेट बैंक (SBI)

भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना 2 जून, 1806 को **बैंक ऑफ कोलकाता** के नाम से की गयी थी। वर्ष 1921 में इसे **बैंक ऑफ मद्रास** (1843) तथा **बैंक ऑफ मुम्बई** (1840) के साथ मिलाकर **इम्पीरियल बैंक ऑफ इण्डिया** नाम दे दिया गया। संसद द्वारा एक कानून पारित कर **1 जुलाई, 1955** को इसे **भारतीय स्टेट बैंक** के रूप में परिवर्तित कर दिया गया।

- ₹ 31 दिसम्बर, 2016 तक इसकी 25,532 शाखाएँ थीं।
- ₹ वर्तमान में स्वयं सहायता समूह क्षेत्र में भारतीय स्टेट बैंक की अग्रणी भूमिका है। यह देश का पहला वाणिज्यिक बैंक है जिसे नाबार्ड (NABARD) ने स्वयं सहायता प्रोन्नयन संस्थान का दर्जा दिया है।
- ₹ भारतीय स्टेट बैंक ने विदेश में पहली शाखा **कोलम्बो (श्रीलंका)** में स्थापित की। कुल मिलाकर 52 देशों में SBI की 183 शाखाएँ हैं।
- ₹ जीवन बीमा क्षेत्र में प्रवेश करने वाला पहला वाणिज्यिक बैंक SBI है।
- ₹ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सबसे बड़ा बैंक **भारतीय स्टेट बैंक (SBI)** है, जबकि दूसरा स्थान **पंजाब नेशनल बैंक (PNB)** का है।

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or
Shop at : **AMAZON / FLIPKART**
search "**PUJA SAMANYA GYAN**"

| 639 |



क्र.सं.	नाम	क्षेत्र
4.	भूरी क्रान्ति (Grey Revolution)	उर्वरक उत्पादन
5.	लाल क्रान्ति (Red Revolution)	मांस/टमाटर उत्पादन
6.	सुनहरी क्रान्ति (Golden Revolution)	बागवानी (फलोत्पादन)
7.	गुलाबी क्रान्ति (Pink Revolution)	झींगा मछली उत्पादन
8.	रजत क्रान्ति (Silver Revolution)	अण्डा एवं मुर्गी उत्पादन
9.	पीली क्रान्ति (Yellow Revolution)	तिलहन उत्पादन
10.	गोल क्रान्ति (Round Revolution)	आलू उत्पादन

विभिन्न प्रकार की खेतियों के नाम

क्र.सं.	नाम	क्षेत्र
1.	एपीकल्चर (Apiculture)	मधुमक्खी पालन
2.	हॉर्टिकल्चर (Horticulture)	बागवानी
3.	फ्लोरीकल्चर (Floriculture)	फूल विज्ञान
4.	पिसीकल्चर (Pisciculture)	मत्स्यपालन
5.	सेरीकल्चर (Sericulture)	रेशम उद्योग
6.	मोरीकल्चर (Moriculture)	रेशम कीट हेतु शहतूत उगाना
7.	एरोपोनिक (Aeroponic)	पौधों को हवा में उगाना
8.	ओलेरीकल्चर (Olericulture)	सब्जी विज्ञान
9.	पोमोलॉजी (Pomology)	फल विज्ञान
10.	विटीकल्चर (Viticulture)	अंगूर की खेती
11.	वर्मीकल्चर (Vermiculture)	केंचुआ पालन

भारत के कृषि उत्पादक राज्य

सर्वाधिक तीन गेहूँ उत्पादक राज्य (2016-17)

क्र.सं.	राज्य	भारत का % हिस्सा (मि. टन)
1.	उत्तर प्रदेश	29.0
2.	मध्य प्रदेश	19
3.	पंजाब	11

भारतीय अर्थव्यवस्था

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"
 | 640 |



सर्वाधिक तीन मक्का उत्पादक राज्य (2016-17)

क्र.सं.	राज्य	भारत का % हिस्सा (मि. टन)
1.	कर्नाटक	15
2.	मध्य प्रदेश	12
3.	बिहार	11

सर्वाधिक तीन दाल उत्पादक राज्य (2016-17)

क्र.सं.	राज्य	भारत का % हिस्सा (मि. टन)
1.	मध्य प्रदेश	31
2.	राजस्थान	12
3.	महाराष्ट्र	9

सर्वाधिक तीन चावल उत्पादक राज्य (2016-17)

क्र.सं.	राज्य	भारत में % हिस्सा
1.	प. बंगाल	15
2.	उत्तर प्रदेश	12
3.	पंजाब	11

सर्वाधिक तीन मूँगफली उत्पादक राज्य (2016-17)

क्र.सं.	राज्य	भारत में % हिस्सा
1.	गुजरात	35
2.	राजस्थान	16
3.	तमिलनाडु	13

सर्वाधिक तीन सोयाबीन उत्पादक राज्य (2016-17)

क्र.सं.	राज्य	भारत का % उत्पादन
1.	मध्य प्रदेश	57
2.	महाराष्ट्र	24
3.	राजस्थान	12

सर्वाधिक तीन सूरजमुखी उत्पादक राज्य (2016-17)

क्र.सं.	राज्य	भारत का % उत्पादन
1.	कर्नाटक	0.2
2.	हरियाणा	0.1
3.	आन्ध्र प्रदेश	0.04

8

विविध

समाधि स्थल

क्र. सं.	समाधि का नाम	नाम
1.	राजघाट	महात्मा गांधी
2.	शान्ति वन	पं. जवाहर लाल नेहरू
3.	विजय घाट	लाल बहादुर शास्त्री
4.	शक्ति स्थल	इन्दिरा गांधी
5.	किसान घाट	चौधरी चरणसिंह
6.	वीर भूमि	राजीव गांधी
7.	महाप्रयाण घाट	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
8.	समता स्थल	जगजीवन राम
9.	नारायण घाट	गुलजारी लाल नन्दा
10.	अभय घाट	मोरारजी देसाई
11.	चैत्रा भूमि	बी. आर. अम्बेडकर
12.	एकता स्थल	ज्ञानी जैल सिंह
13.	कर्म भूमि	शंकर दयाल शर्मा
14.	उदय भूमि	के. आर. नारायण
15.	जन नायक स्थल	चन्द्रशेखर

**भारत में सबसे बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा**

1. सबसे लम्बी नदी —गंगा नदी
2. सबसे लम्बी नहर —इन्दिरा गांधी नहर (राजस्थान)
3. दक्षिण भारत की सबसे लम्बी नदी —गोदावरी
4. भारत की सबसे लम्बी सहायक नदी —यमुना
5. सबसे अधिक मार्ग बदलने वाली नदी —कोसी नदी
6. डेल्टा न बनाने वाली सबसे बड़ी नदी —नर्मदा व ताप्ती
7. सबसे गहरी नदी घाटी —भागीरथी व अलकनन्दा
8. सबसे बड़ी कृत्रिम झील —गोविन्द सागर (भाखड़ा नांगल)
9. सबसे बड़ा नदी द्वीप —माजुली (ब्रह्मपुत्र नदी, असोम)
10. सबसे बड़ी झील —वूलर झील (जम्मू-कश्मीर)
11. सबसे ऊँचा गुरुत्वीय बाँध —भाखड़ा नांगल बाँध (पंजाब)
12. सबसे बड़ा डेल्टा —सुन्दरवन डेल्टा (प. बंगाल)
13. सबसे ऊँचा झरना —जोग या गरसोप्पा (कर्नाटक)
14. सबसे बड़ा लीवर पुल —हावड़ा ब्रिज (कोलकाता)
15. सबसे लम्बा रेलमार्ग —डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी
16. सबसे बड़ा प्राकृतिक बन्दरगाह —मुम्बई (महाराष्ट्र)
17. सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग —राष्ट्रीय राजमार्ग नं. 7 (वाराणसी से कन्याकुमारी)
18. सबसे लम्बी तट रेखा वाला राज्य —गुजरात (1200 किमी.)
19. खारे पानी की सबसे बड़ी तटीय झील —चिल्का झील (ओडिशा)
20. मीठे पानी की सबसे बड़ी झील —वूलर झील (जम्मू-कश्मीर)
21. सबसे लम्बा बाँध —हीराकुड बाँध (ओडिशा)
22. सबसे लम्बा समुद्री तट —मैरिना बीच (चेन्नई)
23. सबसे लम्बी तटरेखा वाला देश भारत का राज्य —आन्ध्र प्रदेश (1100 किमी.)
24. सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला राज्य —राजस्थान
25. सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य —उत्तर प्रदेश
26. सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला जिला —लद्दाख
27. सबसे तेज चलने वाली ट्रेन—गतिमान एक्सप्रेस (हजरत निजामुद्दीन से आगरा कैंपट)
28. सबसे ऊँचा हवाई पत्तन —लेह (लद्दाख)
29. सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित युद्ध स्थल —सियाचीन ग्लेशियर
30. सबसे बड़ा तारामण्डल —बिड़ला प्लैनेटोरियम (कोलकाता)
31. सबसे लम्बा सड़क पुल —ढोला-सादिया (असम, 9.15 किमी.)
32. सबसे बड़ा पशुओं का मेला —सोनपुर (बिहार)
33. सबसे ऊँची मीनार —कुतुबमीनार (दिल्ली)
34. सबसे बड़ा रेगिस्तान —थार (राजस्थान)
35. सबसे बड़ा गुफा मन्दिर —कैलाश मन्दिर (एलोरा)
36. सबसे बड़ा चिड़ियाघर —जूलोजिकल गार्डन (कोलकाता)
37. सबसे बड़ा अजायबघर —कोलकाता अजायबघर
38. सबसे बड़ा गुम्बज —गोल गुम्बज (बीजापुर)



- ❖ अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में **15 न्यायाधीश** होते हैं। इनकी नियुक्ति **9 वर्षों** के लिए होती है, पर उनके दुबारा चुने जाने पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है। प्रत्येक तीन वर्ष बाद 5 न्यायाधीश अवकाश ग्रहण करते हैं।
- ❖ अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय महासभा, सुरक्षा परिषद् एवं संयुक्त राष्ट्र संघ की अन्य संस्थाओं द्वारा माँगे जाने पर अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के विषयों के सम्बन्ध में सलाहकारी विचार भी देता है।
- ❖ वर्तमान में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की अनिवार्य आधिकारिता स्वीकार करने वाले देशों की संख्या मात्र **43** है। अमेरिका, फ्रांस, चीन, रूस, जर्मनी तथा इटली जैसे देश इसकी अनिवार्य आधिकारिता को स्वीकार नहीं करते।

(6) न्यास परिषद् (Council Trusteeship)

- ❖ न्यास परिषद् के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र का उन राष्ट्रों के प्रशासन एवं सुरक्षा से सम्बन्धित दायित्व स्पष्ट होता है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् भी स्वतन्त्र नहीं हो पाये थे।
- ❖ वे राष्ट्र जो पूर्ण रूप से स्वशासन की स्थिति में नहीं आ पाये हैं, उन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ की न्यास परिषद् के अन्तर्गत रखा गया है और उन्हें **'न्यासी क्षेत्र'** कहा गया है।
- ❖ जिन राष्ट्रों को न्यास का भार सौंपा गया है, ऐसे राष्ट्र हैं—**अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैण्ड।**

विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

नाम	स्थापना	मुख्यालय	सदस्य	उद्देश्य
संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO)	1945 ई.	न्यूयार्क	193	अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व सुरक्षा बनाये रखना, राष्ट्रों के बीच उनके सम्मान, मैत्रीपूर्ण समबन्धों तथा सहयोग का विकास करना।
विश्व बैंक	1945 ई.	वाशिंगटन (यू.एस.ए.)	187	विकास हेतु आर्थिक सहायता।
अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)	1945 ई.	वाशिंगटन (यू.एस.ए.)	189	मौद्रिक सहयोग, व्यापार का सन्तुलित विकास।
अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC)	1956 ई.	वाशिंगटन (यू.एस.ए.)	184	विकासशील देशों के उद्यमियों को आर्थिक सहायता।
सं. रा. औद्योगिक विकास संगठन (UNIDO)	1966 ई.	वियना (ऑस्ट्रिया)	173	औद्योगिक नीतियों के प्रत्येक पहलू पर विकासशील और अविकसित राष्ट्रों को परामर्श सेवा प्रदान करना।
विश्व व्यापार संगठन (WTO)	1995 ई.	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)	162	बहुराष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार प्रणाली के लिए संस्थागत तथा कानूनी आधार उपलब्ध कराना।

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 688 |



नाम	स्थापना	मुख्यालय	सदस्य	उद्देश्य
अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु-ऊर्जा अभिकरण (IAEA)	29 जुलाई, 1957 ई.	वियना (ऑस्ट्रिया)	168	परमाणु ऊर्जा का प्रयोग शान्ति एवं विकास कार्यों के लिए प्रेरित करना है।
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)	11 अप्रैल, 1948 ई.	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)	186	श्रमिकों की सेवा अवस्था एवं जीवन स्तर में सुधार करना।
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)	7 अप्रैल, 1945 ई.	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)	194	सम्पूर्ण विश्व के लोगों को स्वास्थ्य का उत्तम स्तर प्राप्त कराना है।
संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)	16 अप्रैल, 1943 ई.	रोम (इटली)		विश्व में खाद्यान्नों की आपूर्ति को सुधारना।
यूनेस्को (UNESCO)	4 नवम्बर, 1946 ई.	पेरिस (फ्रांस)	195	इसका उद्देश्य शिक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति के प्रसार तथा राष्ट्रों के बीच बौद्धिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से मानव सभ्यता एवं संस्कृति के विकास में योगदान देना है।
सार्वभौम डाक संघ (UPU)	9 अक्टूबर, 1874 ई.	बर्न (स्विट्जरलैण्ड)	192	लोगों के मध्य संचार बढ़ाने के उद्देश्य से विश्व भर में डाक सेवाओं के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग करना।
अन्तर्राष्ट्रीय दूर-संचार संघ (ITU)	1865 ई.	जेनेवा (स्विट्जरलैण्ड)	193	इसका उद्देश्य टेलीफोन, रेडियो एवं दूरसंचार के अन्य साधनों के प्रयोग को समन्वित करना एवं उनकी लागत, सुरक्षा एवं कार्यान्वयन में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग करना।
अन्तर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO)	1947 ई.	माण्ट्रियल (कनाडा)	191	इसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय नागरिक वायु सेवा एवं उड्डयन के क्षेत्र में विश्व के विभिन्न राष्ट्रों में एक अन्तर्राष्ट्रीय सहमति को स्थापित करना है।

71

71

71

71

71

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 700254055 / 7088815000

or

Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 718 |



- 24 अक्टूबर** संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थापना दिवस
30 अक्टूबर विश्व मितव्ययता दिवस
31 अक्टूबर पूर्व प्रधानमन्त्री इन्दिरा गांधी की पुण्यतिथि

नवम्बर

- 7 नवम्बर** राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस
9 नवम्बर राष्ट्रीय विधिक साक्षरता दिवस, विश्व सेवा दिवस
10 नवम्बर मलाला दिवस
11 नवम्बर विश्व फाइलेरिया दिवस, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
14 नवम्बर बाल दिवस
14 नवम्बर विश्व मधुमेह दिवस
16 नवम्बर राष्ट्रीय प्रेस दिवस
17 नवम्बर विश्व विद्यार्थी दिवस
18 नवम्बर विश्व वयस्क दिवस
18 नवम्बर विश्व अल्पसंख्यक दिवस
19 नवम्बर विश्व शौचालय दिवस, विश्व नागरिक दिवस
25 नवम्बर विश्व मांसाहार निषेध दिवस
26 नवम्बर राष्ट्रीय विधि दिवस, विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस

दिसम्बर

- 1 दिसम्बर** विश्व एड्स दिवस
3 दिसम्बर विश्व विकलांग दिवस
4 दिसम्बर विश्व नौसेना दिवस
6 दिसम्बर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस
6 दिसम्बर नागरिक सुरक्षा दिवस (Civil Defence Day)
10 दिसम्बर अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस
11 दिसम्बर विश्व अस्थमा दिवस, विश्व बाल कोष दिवस
14 दिसम्बर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
16 दिसम्बर विजय दिवस (भारत-पाक युद्ध, 1971)
23 दिसम्बर राष्ट्रीय किसान दिवस (चौधरी चरणसिंह का जन्मदिन)
24 दिसम्बर राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित वर्ष

अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन वर्ष	1967
अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार वर्ष	1968
अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा वर्ष	1970
अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक वर्ष	1972
अन्तर्राष्ट्रीय जनसंख्या वर्ष	1974
अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष	1975
अन्तर्राष्ट्रीय बाल वर्ष	1979
अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग वर्ष	1981
विश्व संचार वर्ष	1983
अन्तर्राष्ट्रीय युवा वर्ष	1985
अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति वर्ष	1986



❧	बेघर लोगों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय आवास वर्ष	1987
❧	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता वर्ष	1990
❧	अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष वर्ष	1992
❧	अन्तर्राष्ट्रीय परिवार वर्ष	1994
❧	विकास दशक का शुरुआती वर्ष	2000
❧	अन्तर्राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण वर्ष	2001
❧	अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत वर्ष	2002
❧	अन्तर्राष्ट्रीय स्वच्छ जल वर्ष	2003
❧	अन्तर्राष्ट्रीय चावल वर्ष	2004
❧	अन्तर्राष्ट्रीय सूक्ष्म साख का वर्ष	2005
❧	अन्तर्राष्ट्रीय मरुस्थल और मरुस्थलीकरण वर्ष	2006
❧	अन्तर्राष्ट्रीय ध्रुव वर्ष	2007
❧	अन्तर्राष्ट्रीय आलू वर्ष और अन्तर्राष्ट्रीय स्वच्छता वर्ष	2008
❧	अन्तर्राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर वर्ष, अन्तर्राष्ट्रीय मेल-मिलाप वर्ष	2009
❧	अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता वर्ष और अन्तर्राष्ट्रीय युवा वर्ष	2010
❧	अन्तर्राष्ट्रीय वन्य वर्ष	2011
❧	अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष और सबके लिए सतत् ऊर्जा का वर्ष	2012
❧	जल सहयोग के लिए अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष और अन्तर्राष्ट्रीय क्विनोआ वर्ष	2013
❧	अन्तर्राष्ट्रीय लघु द्वीपीय राष्ट्र विकास वर्ष, क्रिस्टिलोग्राफी वर्ष व पारिवारिक कृषि वर्ष	2014
❧	अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाश वर्ष, अन्तर्राष्ट्रीय मृदा वर्ष	2015
❧	अन्तर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष	2016
❧	सतत विकास एवं पर्यटन वर्ष	2017
❧	बाजरा वर्ष	2018

भारत के प्रमुख शोध संस्थान

क्र.सं.	संस्थान का नाम	प्रदेश	विशेषीकरण क्षेत्र
1.	आगारकर अनुसन्धान संस्थान, पुणे	महाराष्ट्र	जीव विज्ञान
2.	सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र, शार	श्रीहरिकोटा (आन्ध्र प्रदेश)	उपग्रह प्रक्षेपण एवं नियन्त्रण
3.	उपग्रह ट्रेकिंग व रेंजिंग केन्द्र, कालाबूर	केरल	अन्तरिक्ष विज्ञान
4.	डाउन रेंज केन्द्र, कार निकोबार	अण्डमान व निकोबार	अन्तरिक्ष विज्ञान
5.	भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, ट्राम्बे (स्थापना वर्ष, 1957)	महाराष्ट्र	परमाणु विज्ञान
6.	भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, कोडाइकेनाल	तमिलनाडु	भौतिकी एवं खगोलशास्त्र

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"



पर्वतीय नगर	राज्य	समुद्रतल से ऊँचाई (मी.)
नन्दी हिल्स	कर्नाटक	1478
पंचगनी	महाराष्ट्र	1219
पेरियार	केरल	914
रानीखेत	उत्तराखण्ड	1829
सपूतारा	गुजरात	975
सोलन	हिमाचल प्रदेश	1494
येरकार्ड	तमिलनाडु	1459
कोटलिम	तमिलनाडु	1676
केमानगुण्डी	कर्नाटक	914
मुक्तेश्वर	उत्तराखण्ड	1974
गंगटोक	सिक्किम	1850
मिरिक	प. बंगाल	1800

भारत की विश्व विरासत परिसम्पत्तियाँ (World Heritage Properties in India)

क्र.सं.	परिसम्पत्ति	विश्व विरासत में घोषित किये जाने का वर्ष
भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) के संरक्षणाधीन परिसम्पत्तियाँ		
1.	अजन्ता की गुफाएँ, महाराष्ट्र	1983
2.	एलोरा गुफाएँ, महाराष्ट्र	1983
3.	आगरा का लाल किला, उत्तर प्रदेश	1983
4.	ताजमहल, आगरा, उत्तर प्रदेश	1983
5.	सूर्य मन्दिर, कोणार्क, ओडिशा	1984
6.	महाबलीपुरम् स्थित स्मारक, तमिलनाडु	1984
7.	गोवा के चर्च एवं कॉनवेण्ट्स, गोवा	1986
8.	खजुराहो स्थित स्मारक समूह, मध्य प्रदेश	1986
9.	हम्पी स्थित स्मारक समूह, कर्नाटक	1986
10.	फतेहपुरसीकरी स्थित स्मारक समूह, उत्तर प्रदेश	1986
11.	पट्टाडकाल स्थित स्मारक समूह, कर्नाटक	1987
12.	एलीफेन्टा गुफाएँ, महाराष्ट्र	1987
13.	तंजावुर स्थित चोल मन्दिर तथा गंगलकोडा चोलपुरम् व दारापुरम्, तमिलनाडु	1987 व 2004



क्र.सं.	परिसम्पत्ति	विश्व विरासत में घोषित किये जाने का वर्ष
14.	साँची स्थित बौद्ध स्मारक, मध्य प्रदेश	1989
15.	हुमायूँ का मकबरा, दिल्ली	1993
16.	कुतुबमीनार व सम्बद्ध स्मारक, दिल्ली	1993
17.	भीमबेटका के राँक शेल्टर्स, मध्य प्रदेश	2003
18.	चाम्पानेर पावगढ़ आर्चैलॉजिकल पार्क, गुजरात	2004
19.	दिल्ली का लाल किला, दिल्ली	2007
20.	राजस्थान के राजपूताना शैली के 6 किले	2013
20.	चण्डीगढ़ के कैपिटोल कॉम्प्लेक्स, चण्डीगढ़	2016
21.	नालन्दा विश्वविद्यालय, बिहार	2016
रेल मन्त्रालय के संरक्षणधीन परिसम्पत्तियाँ		
23.	भारत की पर्वतीय रेल	
	(i) दार्जिलिंग, प. बंगाल	1999
	(ii) नीलगिरि, तमिलनाडु	2005
	(iii) कालका, शिमला, हिमाचल प्रदेश	2008
24.	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल (विक्टोरिया टर्मिनल), महाराष्ट्र	2004
बोधगया मन्दिर समिति के संरक्षणधीन		
25.	बोधगया स्थित महाबोधि मन्दिर परिषद्, बिहार	2002
राजस्थान के पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग के संरक्षणधीन		
26.	जन्तर-मन्तर, जयपुर, राजस्थान	2010
प्राकृतिक परिसम्पत्तियाँ (पर्यावरण एवं वन मन्त्रालय के संरक्षणधीन)		
27.	काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क, असोम	1985
28.	मानस वन्य-जीव अभयारण्य, असोम	1985
29.	केवलादेव राष्ट्रीय पार्क, राजस्थान	1985
30.	सुन्दरवन राष्ट्रीय पार्क, प. बंगाल	1987
31.	नन्दा देवी तथा फूलों की घाटी राष्ट्रीय पार्क, उत्तराखण्ड	1988 व 2005
32.	पश्चिमी घाट की पर्वत श्रृंखला	2012
33.	ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क, हिमाचल प्रदेश	2014
34.	रनी की वाव, गुजरात	2014
35.	कंचनजंगा नेशनल पार्क, सिक्किम	2016

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"



भारत के सांस्कृतिक संस्थान

क्र.सं.	संस्थान	स्थान	स्थापना वर्ष
1.	ललित कला अकादमी	नई दिल्ली	1954
2.	संगीत नाटक अकादमी	दिल्ली	1953
3.	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय	दिल्ली	1959
4.	भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार	कोलकाता	1891
5.	राष्ट्रीय आधुनिक कला वीथि	नई दिल्ली	1954
6.	रामकृष्ण मिशन संस्कृति संस्थान	कोलकाता	1986
7.	भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण	नई दिल्ली	1861
8.	राष्ट्रीय पुस्तकालय	कोलकाता	1948
9.	राष्ट्रीय अनुसन्धान प्रयोगशाला	लखनऊ	1976
10.	एशियाटिक सोसाइटी	कोलकाता	1784
11.	केन्द्रीय सचिवालय पुस्तकालय	कोलकाता	1891
12.	इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र	नई दिल्ली	1954
13.	साहित्य अकादमी	नई दिल्ली	1954

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ वर्ल्ड से ऋग्वेद भी

- ❏ ऋग्वेद की पाण्डुलिपि को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक व सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के **'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' रजिस्टर 2007 के अभिलेख** में सम्मिलित किया गया है।
- ❏ इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं को दस्तावेजी विरासत में शामिल करना और उन्हें विश्व धरोहर के रूप में 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' रजिस्टर में रिकॉर्ड करना है।
- ❏ यूनेस्को में 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' कार्यक्रम की शुरुआत 1992 में की गयी थी।

भारत के प्रमुख वाद्ययंत्र

क. सं.	वाद्य	वादक
1.	सितार	पं. रविशंकर, विलायत खाँ, निखिल बनर्जी, उमाशंकर, बुद्धादित्य मुखर्जी, बन्दे हसन, शाहिद परवेज आदि
2.	तबला	जाकिर हुसैन, अल्लारक़्खा खाँ, गुदई महाराज, किशन महाराज, लतीफ़ खाँ, सुखविन्द सिंह, फरयाज खाँ
3.	बाँसुरी	पन्नालाल घोष, हरिप्रसाद चौरसिया, राजेन्द्र कुलकर्णी, एन. नीला, राजेन्द्र प्रसन्ना, वी. कुंजमाणि आदि
4.	सरोद	अमजद अली खाँ, अली अकबर खाँ, अलाउद्दीन खाँ, हाफिज खाँ, विश्वजीत राय चौधरी, जरीन दारुवाला, मुकेश शर्मा आदि
5.	वीणा	बदरुद्दीन डागर, कल्याण कृष्ण भागवतार, एस. बालचन्द्रन, बी. दोरोस्वामी अयंगर आदि

For Full Book (Printed Copy)
Call / Whatsapp : 7002054055 / 7088815000

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"



क्र.सं.	व्यक्ति का नाम	क्षेत्र	वर्ष
24.	राजीव गांधी (1944-1991)	राजनीति	1991 मरणोपरान्त
25.	सरदार बल्लभ भाई पटेल (1875-1950)	राजनीति	1991 मरणोपरान्त
26.	मोरारजी भाई देसाई (1896-1995)	राजनीति	1991
27.	मौलाना अब्दुल कलाम आजाद (1888-1958)	राजनीति	1992 मरणोपरान्त
28.	जे. आर. डी. टाटा (1904-1993)	उद्योग	1992
29.	सत्यजीत राय (1922-1992)	फिल्म निर्माण	1992
30.	गुलजारी लाल नन्दा (1898-1998)	राजनीति	1997
31.	ए. पी. जे. अब्दुल कलाम (1931-2016)	भौतिक विज्ञान	1997
32.	श्रीमती अरुणा आसफ अली (1908-1996)	राजनीति	1997 मरणोपरान्त
33.	एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी (1916-2004)	गायिका	1998
34.	सी. सुब्रमण्यम (1910-2000)	राजनीति	1998
35.	जयप्रकाश नारायण (1902-1979)	राजनीति	1998 मरणोपरान्त
36.	रविशंकर (जन्म 1920)	संगीत	1999
37.	अमर्त्य सेन (जन्म 1933)	अर्थशास्त्र	1999
38.	गोपीनाथ बारदोलोई (1890-1950)	राजनीतिशास्त्र	1999 मरणोपरान्त
39.	लता मंगेशकर (जन्म 1929)	गायिका	2001
40.	उस्ताद बिस्मिल्ला खान (1916-2006)	संगीत	2001
	पं. भीमसेन जोशी (जन्म 1922)	शास्त्रीय संगीत	2008
42.	सचिन तेन्दुलकर	खिलाड़ी	2014
43.	सी. एन. आर. राव	वैज्ञानिक	2014
44.	पं. महामना मदन मोहन मालवीय	समाजसेवक	2015 मरणोपरान्त
45.	अटल बिहारी वाजपेयी	राजनेता	2015

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार

राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार—इस पुरस्कार को 1991-92 में आरम्भ किया गया। यह पुरस्कार किसी वर्ष में खिलाड़ी द्वारा किये गये उत्कृष्ट प्रदर्शन पर दिया जाता है। पहला पुरस्कार



विश्वनाथन आनन्द को प्रदान किया गया था। इस पुरस्कार के तहत नकद ₹ 7.5 लाख पुरस्कार स्वरूप दिये जाते हैं। यह **खेल जगत का सर्वोच्च पुरस्कार** है।

अर्जुन पुरस्कार—इस पुरस्कार की शुरुआत 1961 में की गयी थी। यह पुरस्कार विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर दिया जाता है। अर्जुन पुरस्कार के तहत खिलाड़ी को नकद ₹ 5 लाख पुरस्कार स्वरूप दिये जाते हैं।

द्रोणाचार्य पुरस्कार—इस पुरस्कार की शुरुआत 1985 ई. में की गयी थी। इनमें उन विख्यात कोचों को पुरस्कृत किया जाता है जिन्होंने खिलाड़ियों और टीमों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है और उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में समर्थ बनाया है। इस पुरस्कार के तहत कोचों को ₹ 5 लाख नकद व गुरु द्रोणाचार्य की प्रतिमा प्रदान की जाती है।

ध्यानचन्द पुरस्कार—इस पुरस्कार की शुरुआत 2002 में की गयी थी। यह पुरस्कार ऐसे खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बाद संन्यास लेकर भी खेल की उन्नति के लिए योगदान करते रहे। इस पुरस्कार के तहत नकद ₹ 5 लाख दिये जाते हैं।

राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार, 2017—देवेन्द्र झझारिया (पैराएथलीट), सरदार सिंह (हॉकी), (कुश्ती)।

अर्जुन पुरस्कार, 2017—वी.जे. सुरेखा (तीरंदाजी), खुशबीर कौर (एथलेटिक्स) प्रशांत सिंह (बास्केटबाल), सूबेदार लैशराम देवेन्द्र सिंह (मुक्केबाजी), चेतेश्वर पुजारा (क्रिकेट), हरमनप्रीत कौर (क्रिकेट), ओइनम बेम्बम देवी (फुटबाल), एस.एस.पी. चौरसिया (गोल्फ), एस.वी.सुनील (हॉकी), जसवीर सिंह (कबड्डी), पी.एन. प्रकाश (निशानेबाजी), ए. अमलराज (टेबल टेनिस), साकेत मिनेनी (टेनिस), सत्यवर्त कादियान (कुश्ती), मरियप्पन (पैरा एथलिट), वरुण सिंह भाटी (पैरा एथलिट)

द्रोणाचार्य पुरस्कार, 2017—स्व. डॉ.आर.गाँधी (एथलेटिक्स), हीरानन्द कटारिया (कबड्डी), जी.एस.एस.वी. प्रसाद बैडमिंटन लाइफटाइम, ब्रिज भूषण मोहंती (बॉक्सिंग) लाइफटाइम, पी.ए.राफेल (हॉकी) लाइफटाइम, संजय चक्रवर्ती (निशानेबाजी), लाइफटाइम रोशन लाल (कुश्ती) लाइफटाइम।

ध्यानचन्द पुरस्कार, 2017—भूपेन्द्र सिंह (एथलेटिक्स) सैयद शाहिद हकीम (फुटबॉल) सुमाराई टेटे (हॉकी)।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

इस पुरस्कार की स्थापना अप्रैल, 1957 में की गयी थी। यह पुरस्कार फिलीपीन्स की सरकार द्वारा देश के तीसरे राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे की याद में 1958 से प्रदान किया जाता है।

इस पुरस्कार को **'एशिया का नोबेल पुरस्कार'** भी कहा जाता है।

इस पुरस्कार के तहत विजेता को स्वर्ण पदक सहित 50,000 डॉलर दिये जाते हैं।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित भारतीय

अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव

1962	:	मदर टेरेसा
2000	:	जाकिन अरपुथम
2004	:	लक्ष्मी नारायण रामदास (पूर्व नौसेनाध्यक्ष)



खेलकूद (Sports)

अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ

- 🏆 ब्रिसबेन टेनिस (2018)
पुरुष एकल —निक किर्गियोस (आस्ट्रेलिया)
महिला एकल —एलिना स्वितोलीना (यूक्रेन)
- 🏆 हॉपमैन कप (2018) —स्विट्जरलैण्ड (तीसरी बार)
- 🏆 डेविस कप (2017) —फ्रांस (10वीं बार)
- 🏆 कतर ओपर (2018)
पुरुष एकल —गेल मॉफिल्स (फ्रांस)
पुरुष युगल —ओलिवर माराच (ऑस्ट्रेलिया) एवं मैट पेविक (कोएशिया)
- 🏆 डेनमार्क ओपन सुपर सीरिज टेनिस (2017) —किदाम्बी श्रीकांत (भारत)
- 🏆 फीफा अंडर-20 (2017) —इंग्लैण्ड
- 🏆 भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट सीरिज (2018) —द. अफ्रीका (2 – 1)
- 🏆 भारत-दक्षिण अफ्रीका एक दिवसी सीरिज (2018) —भारत (5 – 1)
- 🏆 आईसीसी-अंडर-19 (2018) —भारत (चौथी बार)
- 🏆 ऐशेज सीरिज (2017-18) —आस्ट्रेलिया (4 – 0)
- 🏆 भारत-श्रीलंका क्रिकेट शृंखला (2017)
टेस्ट मैच —भारत (1 – 0)
एक दिवसी मैच —भारत (2 – 1)
टी-20 सीरिज —भारत (3 – 0)
- 🏆 भारत-न्यूजीलैण्ड क्रिकेट शृंखला (2017)
एक दिवसी सीरीज —भारत (2 – 1)
टी-20 सीरीज —भारत (2 – 1)
- 🏆 सुल्तान जोहोर कप (2017) —आस्ट्रेलिया
- 🏆 स्वीडिश ओपन (2018)
पुरुष एकल —सिद्धार्थ प्रताप सिंह (भारत)
महिला एकल —मिशेल स्कॉइसटुप (डेनमार्क)
- 🏆 इंडिया ओपन बैडमिंटन सीरीज (2018)
पुरुष एकल —शी युकी (चीन)
महिला एकल —बेईवान झेंग (अमेरिका)
- 🏆 चेन्नई ओपन टेनिस (2018)
पुरुष एकल —जार्डन थॉत्सन (ऑस्ट्रेलिया)
पुरुष युगल —श्रीराम बालाजी एवं विष्णु वर्द्धन (दोनों भारत)
- 🏆 सुल्तान अजलान शाह, हॉकी (2018) —आस्ट्रेलिया



विश्व कप फुटबॉल : फीफा

- ❏ फुटबॉल का जन्मदाता इंग्लैण्ड है। इंग्लैण्ड में विश्व का पहला फुटबॉल क्लब 1857 ई. में 'शेफील्ड फुटबॉल क्लब' नाम से गठित हुआ।
- ❏ विश्व की सबसे बड़ी फुटबॉल संस्था 'इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन' (फीफा) है। जिसका मुख्यालय पेरिस (फ्रांस) में है।
- ❏ पहला विश्व कप फुटबॉल उरुग्वे में 1930 ई. में आयोजित किया गया था। यह प्रति चार वर्ष बाद आयोजित किया जाता है।
- ❏ भारत में फुटबाल का खेल अंग्रेजों द्वारा लाया गया है और भारत का पहला फुटबॉल क्लब डलहौजी क्लब था।

विश्व कप फुटबॉल के विजेता (1930 से 2014)

क्र.सं.	वर्ष	फाइनल का स्थान	विजेता	उपविजेता
1.	1930	मोण्टेवीडियो	उरुग्वे	अर्जेण्टीना
2.	1934	रोम	इटली	चेकोस्लोवाकिया
3.	1938	पेरिस	इटली	हंगरी
4.	1950	रिओ डि जेनेरो	उरुग्वे	ब्राजील
5.	1954	स्टाकहोम	प. जर्मनी	स्वीडन
6.	1958	बर्न	ब्राजील	हंगरी
7.	1962	सांतियागो	ब्राजील	चेकोस्लोवाकिया
8.	1966	लन्दन	इंग्लैण्ड	प. जर्मनी
9.	1970	मैक्सिको सिटी	ब्राजील	इटली
10.	1974	म्यूनख	प. जर्मनी	नीदरलैण्ड्स
11.	1978	ब्यूनेस आयर्स	अर्जेण्टीना	नीदरलैण्ड्स
12.	1982	मैड्रिड	इटली	प. जर्मनी
13.	1986	मैक्सिको	अर्जेण्टीना	जर्मनी
14.	1990	रोम	प. जर्मनी	अर्जेण्टीना
15.	1994	लॉस एंजिल्स	ब्राजील	इटली
16.	1998	पेरिस	फ्रांस	ब्राजील
17.	2002	याकोहामा	ब्राजील	जर्मनी
18.	2006	जर्मनी	इटली	फ्रांस
19.	2010	जोहांसबर्ग (द. अफ्रीका)	स्पेन	हॉलैण्ड
20.	2014	ब्राजील	जर्मनी	अर्जेण्टीना
21.	2018	रूस	प्रस्तावित	—
22.	2022	कतर	प्रस्तावित	—

or
Shop at : AMAZON / FLIPKART
search "PUJA SAMANYA GYAN"

| 795 |



क्रिकेट का सम्राट : सचिन तेन्दुलकर

सचिन रमेश तेन्दुलकर का जन्म 24 अप्रैल, 1973 को मुम्बई में हुआ। वह क्रिकेट के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। सन् 1989 में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के पश्चात् वे बल्लेबाजी में कई कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं। उन्होंने टेस्ट व एकदिवसीय क्रिकेट, दोनों में सर्वाधिक शतक अर्जित किये हैं। वे टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। एकदिवसीय मैचों में भी उन्हें सर्वाधिक रन बनाने का कीर्तिमान प्राप्त है। उन्होंने अपना प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैच मुम्बई के लिए 14 वर्ष की उम्र में खेला। उन्होंने 16 वर्ष की उम्र में अन्तर्राष्ट्रीय खेल जीवन की शुरुआत 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ कराची से की।

राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित एकमात्र क्रिकेट खिलाड़ी हैं। वे सन् 2008 में पद्म विभूषण से भी सम्मानित किये जा चुके हैं। उनके प्रशंसक उन्हें प्यार से **लिटिल मास्टर** व **मास्टर ब्लास्टर** तथा **क्रिकेट का भगवान** भी कह कर पुकारते हैं। क्रिकेट जगत् के महानतम खिलाड़ियों में से एक **सर डोनाल्ड ब्रेडमैन** ने सचिन की यह कहते प्रशंसा की कि पिछले 50 वर्षों में अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले बेशुमार बल्लेबाजों में सिर्फ सचिन उनकी शैली के निकट पहुँच सके हैं।

सचिन ने शारदाश्रम विद्यामन्दिर में अपनी शिक्षा ग्रहण की। वहीं पर उन्होंने अपने प्रशिक्षक (कोच) **रमाकान्त अचरेकर** के सान्निध्य में अपने क्रिकेट जीवन का आगाज किया। 1988 में स्कूल के हेरिसशील्ड मैच के दौरान साथी बल्लेबाज विनोद काम्बली के साथ सचिन ने ऐतिहासिक 664 रनों की अविजित साझेदारी की। इस धमाकेदार जोड़ी के अद्वितीय प्रदर्शन के कारण एक गेंदबाज तो रो दिया और विरोधी पक्ष ने मैच आगे खेलने से इनकार कर दिया।

सचिन के कीर्तिमान

- 👉 सचिन ने बांग्लादेश के मीरपुर में अपना 100वाँ शतक पूरा किया।
- 👉 सचिन एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दोहरा शतक (200 रन) बनाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बने।
- 👉 एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक 49 शतक।
- 👉 एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मुकाबलों में सर्वाधिक 18,426 रन हैं।
- 👉 एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय विश्वकप मुकाबलों के सर्वाधिक रन हैं।
- 👉 टेस्ट मैच में सर्वाधिक 51 शतक।
- 👉 टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक 15,921 रन बनाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बने।
- 👉 एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मुकाबले में सर्वाधिक बार **मैन ऑफ द सीरीज** का रिकॉर्ड।
- 👉 एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मुकाबले में सर्वाधिक बार **मैन ऑफ द मैच** का रिकॉर्ड।

सचिन को मिले पुरस्कार/सम्मान

क्र. सं.	पुरस्कार	वर्ष
1.	अर्जुन पुरस्कार	1994
2.	विजडन क्रिकेटर सूची में नाम	1997
3.	राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार	1997-98
4.	पद्मश्री	1999
5.	विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेण्ट	2003
6.	पद्म विभूषण	2008
7.	आई.सी.सी. क्रिकेटर ऑफ द ईयर	2010
8.	एल. जी. पीपुल्स चॉइस अवार्ड	2010
9.	राज्यसभा के लिए मनोनयन	2012
10.	ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया अवार्ड	2012

विनिधि

For Full Book (Printed Copy)
 Call / Whatsapp : 700254055 / 7088815000

or
 Shop at : AMAZON / FLIPKART
 search "**PUJA SAMANYA GYAN**"

प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए पढ़े

100% TO THE POINT

सामान्य विज्ञान

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों सहित

भौतिक रसायन जल वनस्पति

द्विवाकर गैस

पर्यावरण एवं परिस्थितिकी के महत्वपूर्ण तथ्यों सहित

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग, पुलिस (एस.आई. व कॉन्स्टेबल), रेलवे, समीक्षा अधिकारी, हाई कोर्ट, एस.एस.सी., राजस्व विभाग, बी.एस.एफ. एस.एस.बी., बीएड., टी.ई.टी., अध्यापक भर्ती परीक्षाओं हेतु उपयोगी।

पूजा An Easy Approach to

ENGLISH GRAMMAR & COMPOSITION

100% TO THE POINT

उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान

U.P. G.K.

UP PCS
 उत्तर प्रदेश
 उत्तर प्रदेश
 उत्तर प्रदेश
 उत्तर प्रदेश
 उत्तर प्रदेश

पूजा

कम्प्यूटर सामान्य ज्ञान

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों सहित

पूजा

कम्प्यूटर हिन्दी टाईपिंग ट्यूटोर

UNICODE INSCRIPT KEYBOARD

संगल फॉण्ट

कदमिती फॉण्ट

MATHEMATICAL FORMULAE

गणितीय सूत्र

इण्टरमीडिएट

संगल फॉण्ट

पूजा Easy

GENERAL ENGLISH

WITH OBJECTIVE QUESTIONS

100% TO THE POINT

सामान्य हिन्दी

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी

शॉर्ट ट्रिक्स के साथ

मोहित तेजस

वर्ण विचार शब्द विचार वाक्य विचार साहित्य प्रशासनिक शब्दावली

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग, पुलिस (एस.आई. व कॉन्स्टेबल), रेलवे, समीक्षा अधिकारी, हाई कोर्ट, एस.एस.सी., राजस्व विभाग, बी.एस.एफ. एस.एस.बी., बीएड., टी.ई.टी., अध्यापक भर्ती परीक्षाओं हेतु उपयोगी।

पूजा

TRICKY प्रारम्भिक गणित

(वस्तुनिष्ठ प्रश्नों सहित)

संगल फॉण्ट

पूजा

कॉर्ड्स ऑन कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट्स

NEET (UG) & CBSE

संगल फॉण्ट



नवजीवन प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स
 कंचन मार्केट (फर्स्ट फ्लोर) अस्पताल मार्ग, आगरा-282003
 दूरभाष : (0562) ऑफिस : 2527212, 9358515000
 e-mail : contact@navjeevanprinters.in

like us for current updates & GK
[facebook.com/pujabooks](https://www.facebook.com/pujabooks)

